फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 189 प्रभात जयपुर, गुरुवार 9 फरवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Stop!! It's Red Light!

The red light may be on they but will try to go close to the front so they are the first to be off.

MIND&BODY: Get a brain workout

Getting the kitchen game right | Kitchen tools high on innovation and packed with feat-ures is the answer to your problems.

साउथ ईस्ट एशिया के जंगलों और वर्षा वनों में कई अजीबोगरीब प्रजातियां हैं। तितली की ऐसी ही एक प्रजाति है कैलीमा ईनाखोश। आम रंगबिरंगी तितलियों से विपरीत यह सूखी पत्ती जैसी दिखती है। उड़ते समय कोई चिड़िया पीछा करे या कोई खतरा महसूस हो तो यह बेतरतीब उड़ने लगती है और अचानक ही जंगल में जमीन पर पड़ी सूखी पत्तियों पर गिर जाती है, एकदम निश्चेष्ट होकर आंख बंद करके, जिससे चिड़िया इसे ढूंढ नहीं पाती। इस स्थिति में वो बिल्कुल सूखी पत्ती जैसी लगती है, यहां तक कि, सूखी पत्ती की तरह इसके शरीर पर गहरी शिराएं भी नज़र आती हैं। इस तरह परभक्षी से यह अपना बचाव करती है। जब यह अपने पंख बंद करती है तब केवल नीचे की तरफ के निशान दिखते हैं, जिनमें अनियमित पैटर्न और भूरी, पीली, मटमैली और काली धारियाँ होती हैं। डिज़ाइन में सफेद चकत्ते और गहरे बिन्दू भी होते हैं, जो फफूंद और काई जैसे लगते हैं। जंगल में सूखी पत्तियों पर ऐसे निशान आम हैं। इसके पिछले पंखों पर कांटे जैसी एक संरचना होती है जो पत्ती की डंडी जैसी दिखती है। इसके पंख कोणीय और सिरे की तरफ पतले होते हैं। जिससे इसका पत्ती जैसा रुप और पुख्ता होता है। यह तितली साल में दो बार प्रजनन करती है। एक बार बरसात में और एक बार शुष्क मौसम में। बरसात के मौसम में जन्मी तितली छोटी किन्तु गहरे रंग की होती है। इस प्रजाति की मादा, नर से बड़ी होती है। यह तितली भारत, हिमालय के निचले भागों, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यानमार, दक्षिणी चीन, थाईलैण्ड, लाओस, जापान, ताईवान और वियतनाम में मिलती है और हाल ही में पाकिस्तान में भी इसे देखा गया है। यह निचले भागों, खासकर समुद्र स्तर से 1800 मीटर की ऊंचाई तक ही मिलती है। पर भारी बारिश के समय इसे पहाड़ों में 2400 मीटर की ऊंचाई तक देखा गया है। इसे धूप वाले स्थान पसंद हैं। दिन में यह पत्तियों और तनों पर चिपकी हुई देखी जा सकती है।

तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की शुरूआत हुई?

इस संदर्भ में राजस्थान के प्रभारी व प्रदेशाध्यक्ष को दिल्ली बुलाया गया है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। क्या राजस्थान में नेतृत्व-परिवर्तन का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है?

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि, हाँ ऐसा हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि, राहुल गांधी इस बात पर अड़े हुये हैं कि, अशोक गहलोत को जाना ही होगा तथा जल्दी से जल्दी कांग्रेस विधायक मंडल में नेतृत्व परिवर्तन करना ही है।

आशा की जा रही है कि, पहले चरण में, अशोक गहलोत के नज़दीकी उन तीन नेताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी, जिनके नामों का रिपोर्ट में उल्लेख है। ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा राजस्थान प्रभारी रंधावा तथा पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा दिल्ली बुलाए गये हैं तथा के.सी. वेणुगोपाल के साथ उनकी मीटिंग चल रही है।

- **राहुल गांधी व प्रियंका काफी दृढ़ हैं इस बारे में कि, मु.मंत्री गहलोत का हटना जरूरी है और पायलट का नेतृत्व संभालना जरूरी है, अगर कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में कुछ सम्मानजनक प्रदर्शन करना है।**
- **पर, वे वरिष्ठ नेता, जिनसे राहुल गांधी घिरे हुए हैं, उनका यह मत है कि, गहलोत को बदलने का परीक्षण किया गया तो, पंजाब का चन्नी को मु.मंत्री बनाने का दुखद अनुभव दोहरायेगी पार्टी राजस्थान में।**
- **इन नेताओं में प्रमुख हैं, मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी व पवन बंसल।**
- **पर, राहुल के बारे में यह बात कही जाती है कि, वे अगर किसी मुद्दे पर मन बना लेते हैं तो, अपनी बात पूरी करके ही मानते हैं। और गहलोत को हटाने के बारे में उन्होंने मन बना लिया है।**

माना जा रहा है कि, अकथनीय कारणों से सितम्बर से लंबित चल रही यह कार्यवाही शीघ्र होगी, नेतृत्व-परिवर्तन की प्रस्तावना के रूप में। लेकिन पता चला है कि, राहुल गांधी के नज़दीकी करीब-करीब सभी नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि, उन्हें ऐसा जोखिम नहीं उठाना चाहिये क्योंकि इससे राजस्थान, दूसरे पंजाब का रूप ले सकता है।

इन नेताओं में, अन्य नेताओं के अलावा मल्लिकार्जुन खड़गे, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, अंबिका सोनी, पवन बंसल जैसे बड़े नेता शामिल हैं।

यह स्पष्ट नहीं है कि, इस बिन्दु पर रंधावा का रूख क्या है, लेकिन फिलहाल इतना जरूर है कि, कोई भी उन्हें अधिक गंभीरता से नहीं ले रहा।

अजय माकन उन नगण्य अपवादों में से एक हैं, जिन्होंने गहलोत को बदलने की जरूरत पर राहुल गांधी को स्पष्ट रूप से ब्रीफ किया है, तथा वो वसुंधरा राजे सिंधिया के साथ गहलोत के संबंध, मतदाताओं में उनकी अस्वीकार्यता, विधायकों में उनकी अलोकप्रियता तथा ऐसे ही अन्य मामलों की जानकारी राहुल गांधी को दे चुके हैं।

भाई-बहिन, दोनों ही बदलाव पर बहुत जोर दे रहे हैं। प्रियंका तो इस बात की खुली समर्थक हैं कि, पार्टी के तथा मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में, युवा और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"मौनी बाबा"

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। राज्यसभा में बुधवार को सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों तथा मंत्रियों की ओर से उस समय जबरदस्त विरोध दिखाई दिया, जब विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री को ऐसे "मौनी बाबा" की संज्ञा दी, जो अपनी पार्टी के नेताओं द्वारा हर जगह द्वेष फैलाये जाने पर मौन साधे हुए हैं।

खड़गे ने कहा, "प्रधानमंत्री

- **मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्र.मंत्री मोदी पर की गई इस टिप्पणी पर काफी हल्ला किया व आपत्ति की, भाजपा मंत्रियों व सांसदों ने।**

खामोश क्यों हैं? वे अपनी पार्टी के साथियों को क्यों नहीं डराते-धमकाते? अगर आप (मोदी) आवाज बुलन्द करेंगे तो वे (अगले चुनाव में) पार्टी टिकट न मिल पाने के डर से चुप हो जायेंगे।"

उन्होंने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि, बहुत से भाजपा सांसद एवं मंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"मोदी! मोदी!" के नारे का विपक्ष ने "अडानी-अडानी" जवाब दिया सदन में

धन्यवाद प्रस्ताव पर मोदी के भाषण के बाद यह दौर काफी देर तक चला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के दौरान शुरू से आखिर तक सदन में उपस्थित रहे राहुल गांधी ने कहा कि, वे प्रधानमंत्री के जवाब से संतुष्ट नहीं हैं।

राहुल गांधी ने कहा, "जांच को लेकर कोई बात नहीं कही गई। यदि वे (गौतम अडानी) उनके मित्र नहीं हैं तो प्रधानमंत्री को कहना चाहिए था कि जांच की जाएगी। स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री उनका (अडानी का) बचाव कर रहे हैं।"

राहुल गांधी ने, स्वयं द्वारा मंगलवार को लोकसभा में की गई कुछ टिप्पणियों को भाजपा नेताओं के कहने

- **मोदी के भाषण के बाद राहुल ने कहा, मैं उनके भाषणों से संतुष्ट नहीं हूँ।**
- **मोदी ने भी राहुल पर कई कटाक्ष किये, जैसे राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहराना कोई बड़ी बात नहीं, वे 1992 में पहले ही फहरा चुके हैं।**

पर स्पीकर द्वारा रिकॉर्ड से हटाए जाने को लेकर भी विरोध प्रकट किया।

राहुल गांधी द्वारा श्रीनगर के लाल चौक में गत 25 जनवरी को तिरंगा फहराए जाने पर कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, इसमें कुछ भी विशेष नहीं है, क्योंकि आतंकवादियों की धमकी के बावजूद वे यह काम जनवरी 1992 में कर चुके हैं, और वो भी बिना किसी सुरक्षा के। पुलिस ने राहुल को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की थी और सुरक्षा कारणों को लेकर उनसे कहा गया था कि, वे 26 जनवरी को नहीं बल्कि उसके एक दिन पूर्व झण्डा फहराएं।

लोकसभा में जब प्रधानमंत्री का भाषण समाप्त होने वाला था तब सत्ता पक्ष के सदस्यों ने "मोदी-मोदी" के नारे लगाए, जबकि विपक्षी सदस्यों ने इसका जवाब "अडानी-अडानी" के नारे लगाकर दिया।

मोदी ने कहा कि, उनके खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

"डिस्ट्रिक्ट जुडिशिएरी" का कोटा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केन्द्र सरकार से कहा कि, वह देहली जूडिशियल सर्विस एसोसिएशन (जे.एस.ए.डी.) के आवेदनका जवाब दे, जिसमें हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में डिस्ट्रिक्ट

- **जुडीशियल सर्विस एसोसिएशन ने हाई कोर्ट जजों की नियुक्ति में कोटा 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने की मांग उठायी, सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप की अर्जी देकर।**

जुडिशिएरी का कोटा 33 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत करने की मांग की गई है। इस मुद्दे पर जे.एस.ए.डी. की ओर से दायर एक हस्तक्षेप आवेदन पर जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की एक बैंच ने नोटिस जारी किया। आवेदन एक याचिका के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने विश्वास दिलाया कि, बैंकों की माली हालत काफी स्वस्थ है

आर.बी.आई. के इस वक्तव्य के बाद, अडानी ग्रुप के शेयर के दाम में सुधार आया, 20 प्रतिशत वृद्धि हुई

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आर.बी.आई.) ने पुनः आश्वासन दिया है कि, एक बड़े कॉरपोरेट ग्रुप के लेनदार भारतीय बैंकों की वित्तीय स्थिति मजबूत है। आर.बी.आई. ने अडानी एन्टरप्राइजेज़ का विशेष जिक्र नहीं किया, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि वह किस संदर्भ में बात कर रहा है।

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने अडानी ग्रुप ऑफ एन्टरप्राइजेज़ में 2.6 बिलियन डॉलर का निवेश किया हुआ है। इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक का नम्बर आता है। ये देश के दो सबसे बड़े बैंक हैं।

आर.बी.आई. का यह बयान उसकी नई मॉनिटरी पॉलिसी की घोषणा

- **कुछ विदेशी पूंजी निवेशकों ने अडानी ग्रुप के शेयर पुनः खरीदना शुरू किया।**
- **हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद, दो सप्ताह में अडानी के शेयर का मूल्य एक दम घट गया था, ग्रुप के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 100 अरब डॉलर की कमी आ गयी थी।**
- **यह सच है कि, पहले जब स्कैम हुए थे, बैंकिंग सेवा का इतना विस्तार नहीं हुआ था तथा बड़ी पार्टी के फेल होने से बैंक के फेल होने की संभावना बहुत प्रबल हो जाती थी।**

के संदर्भ में सामने आया है। आर.बी.आई. ने अपनी रैपो रेट बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दी है। रैपो रेट वो ब्याज दर है जिस पर आर.बी.आई. अन्य बैंकों को धन उधार देता है। यह काम मंहगाई की बढ़ती दर के संदर्भ में किया गया है।

आर.बी.आई. के एक बयान में स्पष्ट किया गया है कि, बड़े ऋणों के मामले में उसका एक सैन्ट्रल डेटा बेस है, जहां सभी बैंक, कम्पनी या व्यक्ति विशेष को अधिक मात्रा में दिए गए लोन्स की रिपोर्ट करते हैं। बैंकों के लोन पोर्टफोलियो और उनके फण्ड बेस के आधार पर आर.बी.आई. उन्हें मॉनिटर करता है और उनका स्ट्रैस टैस्ट लेता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली मेयर चुनाव

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर विनय सक्सेना तथा प्रो-टैम प्रिसाइडिंग ऑफिसर सत्या शर्मा को नोटिस जारी करके, सोमवार तक

- **सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के ले. गवर्नर से जवाब मांगा कि, मनोनीत सदस्यों को इस चुनाव में वोट करने के लिये क्यों प्रेरित किया जा रहा है।**

उनका जवाब मांगा है कि, मनोनीत सदस्यों को दिल्ली मेयर के चुनावों में वोट देने के लिये क्यों प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा एवं जे.बी. पारदीवाला की बैंच आम आदमी पार्टी के मेयर पद के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए अडानी की कोई चर्चा नहीं की

मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस पार्टी पर जरूर तीखे पलटवार किये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 फरवरी। संसद में दिये गये राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के जवाब में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज विपक्ष, खासतौर से कांग्रेस पर जवाबी हमला बोलते हुये, यू.पी.ए. सरकार के दस वर्षों को "घोटालों और हिंसा का दशक" बताया तथा यू.पी.ए. पर "हर अवसर को संकट में बदल देने का आरोप लगाया।" इस दौरान बड़ी सावधानी से काम लेते हुये प्रधानमंत्री मोदी अडानी मुद्दे और विवादास्पद व्यवसायी गौतम अडानी के साथ अपने संबंध की बात को टाल गए।

कल (मंगलवार) धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुये, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया था कि,

- **मोदी ने कहा, कांग्रेस पार्टी 2014 से 2023 तक देश में हुई उन्नति व विकास को पचा नहीं पा रही।**
- **इसका प्रमुख कारण है, 2004-2014 का कांग्रेस (यू.पी.ए.) शासन का दशक, जो स्वतंत्रता के बाद का सबसे भ्रष्ट दशक था। कांग्रेस ने अपने कारनामों से देश के सम्मुख हर अवसर को संकट में परिवर्तित कर दिया था।**
- **कल राहुल गांधी द्वारा सदन में अडानी-मोदी संबंधों पर काफी आलोचना की गई थी और प्र.मंत्री से उन्होंने कई सवाल किये थे।**
- **मोदी के भाषण में, राहुल गांधी की आक्रामक शैली व आरोपों से उत्पन्न पीड़ा की झलक भी नज़र आयी।**

वे गौतम अडानी के व्यावसायिक साम्राज्य के फलने-फूलने में मदद कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि, अमेरिका की शॉर्ट-सैलर हिन्डनबर्ग रिसर्च ने कुछ समय पहले अडानी ग्रुप पर स्टॉक में गड़बड़ी तथा फ्रॉड करने के कथित आरोप लगाये थे, जिनके चलते ग्रुप की छवि को जबरदस्त आघात पहुँचा है तथा इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कुछ सवाल भी किये थे, और जवाब मांगा था।

उन प्रश्नों के उत्तर देने के बजाय, मोदी ने संसद में राहुल गांधी पर उनका नाम लिये बिना कई कटाक्ष किये। राहुल गांधी ने एक दिन पहले ही अरबपति गौतम अडानी को मोदी से जोड़ते हुये, मोदी पर तीखा हमला बोला था।

बजट सत्र का शुभारम्भ करते हुये राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिये गये अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब देते हुये, प्रधानमंत्री ने लोकसभा में कहा, "कल लोकसभा में कुछ लोगों द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद मैं देख रहा था। पूरा "ईकोसिस्टम" बड़ा उत्साहित एवं उत्तेजित था। (उनके) समर्थक बड़े प्रसन्न थे। कुछ लोग बड़े खुश होते हुए कह रहे थे, "ये हुई न कोई बात।"

प्रधानमंत्री ने कहा, "कुछ लोग तो उस भाषण से इतने खुश थे कि, वे आज आये ही नहीं। पिछली रात को वे बड़े आराम से सोये होंगे। और शायद इसीलिये, आज सुबह उनकी आँख नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते। –वेदव्यास

जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है जलाशय क्षेत्र

आर्द्रभूमि या वेटलैंड वह क्षेत्र होता है जहां जल भरा रहता है। जल मानव और जीव जंतु दोनों के लिए अमृतदायी है। बिना जल के सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। जल ही जीवन है। मानव और जीव जंतुओं का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है। आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहां पौधे और पशु प्रजातियों की घनी विविधता पाई जाती है और ये जैव विविधता से भी समृद्ध होता हैं। भारत में 19 प्रकार की आर्द्रभूमियां हैं जिनमें लगभग 4.6 प्रतिशत भूमि आर्द्रभूमि के रूप में है जो 15.26 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करती है। भारत में आर्द्रभूमि ठंडे और शुष्क इलाकों से लेकर मध्य भारत के कटिबंधीय मानसूनी इलाकों और दक्षिण के नमी वाले इलाकों तक फैली हुई है। इस क्षेत्र में भरपूर नमी पाई जाती है जिसके अनेक लाभ हैं। वेटलैंड्स जंतु ही नहीं बल्कि पौधों की दृष्टि से भी यह जरूरी है। आर्द्रभूमि जलीय एवं स्थलीय जैव-विविधताओं का एक ऐसा मिलन स्थल है तथा यहाँ वन्य प्राणी प्रजातियों व वनस्पतियों की प्रचुरता पाई जाती है। जैव विविधता के क्षरण को लेकर देश और दुनियां में गहरी चिंता व्यक्त की जा रही है। आर्द्रभूमि और जैव विविधता का चोली-दामन का साथ है। जैव-विविधता से हमारे रोजमर्रा की जरूरतों यथा रोटी, कपड़ा, मकान, ईधन, औषधियों आदि आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखने तथा खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने में भी सहायक होती है। पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक स्थिरता, फसल उत्पादन में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ तपन, बाढ़, सूखा, भूमि क्षरण आदि से बचाव के लिए जैव-विविधता संरक्षण समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

वर्तमान में देश में कुल 42 रामसर आर्द्रभूमि स्थल चिह्नित हैं। भारत में स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में देश में 13,26,677 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करते हुए कुल 75 रामसर स्थलों को बनाने के लिए रामसर स्थलों की सूची में 11 और आर्द्रभूमि शामिल हो गई हैं। आर्द्रभूमि में मैंग्रोव, दलदल, नदियाँ, झीलें, डेल्टा, बाढ़ के मैदान और बाढ़ के जंगल, चावल के खेत, प्रवाल भित्तियाँ, समुद्री क्षेत्र (6 मीटर से कम ऊँचे ज्वार वाले स्थान) के अलावा मानव निर्मित आर्द्रभूमि जैसे- अपशिष्ट जल उपचार तालाब और जलाशय आदि शामिल होते हैं। आर्द्रभूमि में सर्वाधिक उत्पादकता होने के कारण इनका सामाजिक-आर्थिक एवं पारिस्थितिकी महत्व अत्यधिक है।

आर्द्र भूमि, वर्षावनों की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड की चार गुना अधिक मात्रा को सोखती हैं। हमें इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। आर्द्रभूमियों के एक नहीं अनेक फायदे है। आर्द्रभूमि मानव और पृथ्वी के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। एक बिलियन से अधिक लोग जीवनयापन के लिये उन पर निर्भर हैं।

केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, ग्रीनहाउस गैस को ग्लोबल वार्मिंग के साथ-साथ भूमि-उपयोग और भूमि-क्षेत्र परिवर्तन के लिये प्रेरित कारकों के रूप में भी ज़िम्मेदार ठहराया गया है। तापमान और गर्मी वितरण में इस तरह के क्षेत्रीय पैमाने पर बदलाव का असर वर्षा पैटर्न पर भी पड़ेगा। इसलिये भारत के प्राकृतिक पारिस्थितिकी प्रणालियों, मीठे पानी के संसाधनों और कृषि के लिये खतरा बढ़ रहा है, जो अंततः जैवविविधता, खाद्य, जल सुरक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा समठा रूप से समाज को प्रभावित करते हैं। आर्द्रभूमि प्राकृतिक जैव विविधता के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। यह पक्षियों और जानवरों की विलुप्तप्रायः और दुर्लभ प्रजातियों, देशज पौधों और कीड़ों को उपयुक्त आवास उपलब्ध कराती हैं। हम प्रकृति द्वारा जल की पुनःपूर्ति के तुलना में अधिक जल का उपयोग कर रहे हैं, और यह जल और सारा जीवन हेतु आर्द्रभूमि पर निर्भर रहने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर रहा हैं। आर्द्रभूमियां हमारे प्राकृतिक पर्यावरण का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये बाढ़ की घटनाओं में कमी लाती हैं, तटीय इलाकों की रक्षा करती हैं, साथ ही प्रदूषकों को अवशोषित कर पानी की गुणवत्ता में सुधार करती हैं। एक समृद्ध फूड-वेब समृद्ध जैव-विविधता का परिचायक है और यही कारण है कि इसे बायोलॉजिकल सुपर मार्केट कहा जाता है। इस भूमि में उपयोगी वनस्पतियाँ एवं औषधीय पौधे भी प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। यह प्रदूषित पानी को साफ करती है। तटरेखाओं की रक्षा करती है और बाढ़ के खतरे को कम करने में मदद करती है। साथ ही जल चक्र के कामकाज को सुनिश्चित करती है। भूजल स्तर को बढ़ाने में भी आर्द्रभूमियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। इसके अलावा आर्द्रभूमि जल को प्रदूषण से मुक्त बनाता है।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में आर्द्रभूमियों की महत्ता महत्वपूर्ण है। आर्द्रभूमियों को अक्सर एक बेकार व दलदली क्षेत्र के रुप में देखा जाता है, लेकिन ये आर्द्रभूमियाँ जलवायु परिवर्तन से निपटने में बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। आर्द्रभूमियाँ प्राकृतिक स्पंज की तरह हैं और अतिरिक्त पानी सोखती हैं। साथ ही, शुष्क महीनों के दौरान अनेक महत्वपूर्ण नदियों के प्रवाह को नियंत्रित करती हैं। आर्द्रभूमियाँ, वर्षावनों की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड की चार गुना अधिक मात्रा को सोखती हैं। हमें इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा के लिए तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। आर्द्रभूमियों के एक नहीं अनेक फायदे है। आर्द्रभूमि मानव और पृथ्वी के लिये महत्त्वपूर्ण हैं। एक बिलियन से अधिक लोग जीवनयापन के लिये उन पर निर्भर हैं और दुनिया की 40 प्रतिशत प्रजातियाँ आर्द्रभूमि में रहती हैं तथा प्रजनन करती हैं। बढ़ते शहरीकरण, बाँध निर्माण, अवांछित मानवीय गतिविधियों और जलाशयों में अपशिष्ट के प्रवाह के कारण आर्द्रभूमियां नष्ट हो रही हैं। आर्द्रभूमियों की रक्षा के लिए हमें मिलजुल कर प्रयास करने चाहिए।

यह क्षेत्र सुरक्षित रहा तो मानव के साथ- साथ जीव-जंतु और वनस्पतियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित होगा।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

'पैदायशी पक्षपाती'

शीतल पथिक

1922 में ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कंपनी के रूप में स्थापित व 1927 में ब्रिटिश ब्रोडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के रूप में पुनर्गठित, बीबीसी ब्रिटेन का सबसे पुराना प्रसारक है। जिसका कार्यक्षेत्र ब्रिटिश औपनिवेशिक देशों, विशेष कर एशिया में विस्तृत है।

अपनी स्थापना के समय से ही कई विषयों में विवादों से घिरा रहा है, चाहे फिर वह कोई अंतरराष्ट्रीय मुद्दा हो या फिर किसी देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप की बात हो। राजनीति, धर्म, नैतिकता, सामाजिक, सांस्कृतिक मूल्यों के विषयों पर बीबीसी के कई लेख व रिपोर्ट्स पर अनेक देशों में विवाद हमेशा देखा जा सकता है। फंड व स्टाफिंग के मामलों मे भी इसके अनेक झगड़े है। विवाद उत्पन्न करने वाले एवं कई प्रसंगो में पक्षपाती समाचार, कवरेज व एजेंडा युक्त न्यूज स्टोरी वाली बीबीसी की छवि समय-समय पर सामने आती रही है। बीबीसी में कार्य करने वाले कर्मचारी, उच्च स्तर के कई अधिकारी स्वयं इसके गैर जिम्मेदाराना व वाममार्गी केंद्रित रवैये की निंदा करते नजर आते हैं। लंबे समय तक बीबीसी में समाचार प्रस्तुतकर्ता पीटर सिंसस इस मामले में कहते हैं कि "बीबीसी के मूल में, इसके डीएनए में, सोचने का एक तरीका है, जो दृढ़ता से वामपंथी है।"

एक और बीबीसी प्रस्तुतकर्ता एंड्रयू मार ने इस बारे में कहा की 'बीबीसी निष्पक्ष या तटस्थ नहीं है।' भारत के संदर्भ में देखा जाए तो 1940 में स्थापित 'बीबीसी हिंदी' मीडिया चैनल भी इस मामले में अपनी मुख्य संस्था का अनुगामी लगता है। वाम विचार केंद्रित और घृणित मानसिकता के चलते बीबीसी ने भारत और भारतीयता व ना केवल सामाजिक, राजनीतिक बल्कि पारिवारिक मूल्यों पर भी गलत रिपोर्टिंग द्वारा प्रहार के प्रयास समय-समय पर किए हैं। गलत नैरेटिव गढ़ने और अपने असामाजिक और अनैतिक हथकंडो द्वारा भारतीय संस्कृति को गलत तरीके से प्रस्तुत करने के प्रयासों में बीबीसी लंबे समय से लगा रहा है। राष्ट्रीयता में विश्वास करने वाले व अपनी संस्कृति को गर्व से अपनाने वाले भारतीयों को उग्रवादी व चरमपंथी कहना भी इसकी दूषित मानसिकता का परिचायक है।

1968-71 के बीच तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाया गया बेन इसका प्रमाण है। परंतु आश्चर्यजनक बात है की वर्तमान में विपक्ष की भूमिका में कांग्रेस नेतृत्व इसका समर्थन कर रहा है। इसके और भी कई उदाहरण समय-समय पर सामने आते रहे हैं, जैसे बीबीसी के लिए तीस वर्षों तक कार्य करने वाले भारतीय पत्रकार मार्कटली का त्यागपत्र व इस संबंध में भारत मे उनसे हाथापाई के मामले। अपने कार्यकाल के दौरान दक्षिण एशिया की प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ भारत-पाक संघर्ष, भोपाल गैस त्रासदी, ऑपरेशन ब्लूस्टार, जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को कवर करने वाले टली ने 1994 में बीबीसी के तत्कालीन महानिदेशक जॉन बर्टी के साथ बहस के बाद बीबीसी को 'भय द्वारा चलाने' व बीबीसी पर 'अपारदर्शी संस्था' होने का आरोप लगाया।

इसके अलावा 2008 के मुंबई हमलों के बाद आरोपियों के लिए 'आतंकवादी' के स्थान पर 'बंदूकधारी' शब्द का प्रयोग किया गया। यह कृत्य बीबीसी के रवैया और इसकी पत्रकारिता में एकतरफा झुकाव को स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त है। इस प्रकार के शब्दों के प्रयोग द्वारा अपराध को बढ़ावा देने वाला पत्रकारिता का गिरा हुआ स्तर बीबीसी में स्पष्ट देखा जा सकता है। हालांकि हमारे ही देश में दीमक की तरह काम कर रहा एक तबका बीबीसी के इस प्रकार के प्रत्येक विवाद में बीबीसी के साथ ढाल की तरह खड़ा रहता है। और उनका इस तरह बचाव में आना कोई बड़ी बात भी नहीं क्योंकि दोनों का एक ही लक्ष्य है, भारत व भारतीयता पर प्रहार। परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो वर्ष भर पहले के एक प्रकरण से बीबीसी के इस रवैया को और अच्छे से समझा जा सकता है, जहां स्टैंडअप कॉमेडी के नाम पर हिंदू संस्कृति पर प्रहार व पाकिस्तान प्रेम का राग अलापने वाले कुणाल कुमार और मुनव्वर फारुखी जैसे लोगों के बचाव में बीबीसी अपना पक्षपाती इंटरव्यू जारी करता है।

अभी कुछ ही समय पूर्व दीपावली पर घर की सफाई व महिलाओं के संबंध में बीबीसी का लेख भी सब ने देखा कि किस तरह हमारे उत्सवों का अवमूल्यन करने का कुत्सित प्रयास व भारतीय परम्परा और संस्कृति को कमतर बताने के लिए यह बिना तर्कहीं की बातें करने से भी बाज नहीं आता।

परंतु अब लोग बीबीसी के इन षड्यंत्रों को समझने लगे हैं, क्योंकि बीबीसी की इस पत्रकारिता के विपरीत विश्व भर में बनी भारत की लोकप्रिय छवि को लोग देख रहे हैं। चाहे वह विश्व की टॉप पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की बात हो, जलवायु परिवर्तन, विश्व शांति जैसे अनेक मुद्दों में भारत की अहम भूमिका हो या फिर जी-20 की अध्यक्षता। वैश्विक अर्थव्यवस्था, राजनीति व अन्य सभी पहलुओं में भारत के स्टैंड को लोग समझ रहे हैं। अतः बीबीसी एक बार फिर अपने एजेंडा के तहत एक नई डॉक्यूमेंट्री के साथ सामने आया है, ताकि आंतरिक अशांति के द्वारा फिर से भारत की प्रगति से ध्यान भटकाया जा सके। और बीबीसी के मैदान में उतरते ही भारत के तमाम लेफ्ट- लिबरल गेंग व भारत विरोधी संगठन एक बार फिर इसके साथ मैदान में आ गए। प्रतिबंध के बाद भी टुकड़े-टुकड़े समूह द्वारा विभिन्न विश्वविद्यालयो में यह दिखाई जा रही है। डॉक्यूमेंट्री का विषय लंबा है, उस पर अलग से चर्चा हो सकती है, फिर भी यहां एक बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि हर बात में लोकतंत्र की बात करने वाले व लोकतंत्र को खतरे में बताने वाले भारत के ही कुछ लोग इस विषय पर देश में अशांति फैला रहे हैं जिसे सुप्रीम कोर्ट जो कि लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, सिरे से खारिज कर चुका है।

बात बीबीसी की है तो इसके पाकिस्तान प्रेम को भी नहीं भुला जा सकता जब भी बीबीसी ने भारत के खिलाफ इस प्रकार की पत्रकारिता की कोशिश की है, पाकिस्तान हमेशा इसके साथ खड़ा दिखाई देता है। वर्तमान में जारी डॉक्यूमेंट्री के संबंध में भी इसे देखा जा सकता है जहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री व कई अन्य मंत्री और आम जनता बीबीसी, जो कि ब्रिटेन का प्रसारक होने के बावजूद भी उसकी निंदा कर चुके हैं। यूएस, फ्रांस व कई अन्य देश जहां बीबीसी के इस कृत्य की निंदा करते नजर आ रहे हैं वहीं पाकिस्तान इसके साथ खड़ा दिखाई देता है। और दूसरी तरफ बीबीसी भी अनेक विवादित मुद्दों पर पाकिस्तान के पक्ष में पत्रकारिता करता देखा जा सकता है पाकिस्तान और अफगानिस्तान के विषय में अमेरिका की मशहूर लेखिका और विशेषज्ञ क्रिस्टीन फेर ने बीबीसी के एक प्रोग्राम में पाकिस्तान को पूरी दुनिया में आग लगने वाला बताया तो बीबीसी एंकर भड़क गई व क्रिस्टीन फेर से ही भिड़ गई। आखिर यह रिश्ता क्या कहलाता है?

बीबीसी की भारत के प्रति यह सोच उसी औपनिवेशिक मानसिकता की ओर संकेत है जो भारत को लगातार मानसिक परतंत्रता की और धकेलने में लगी रहती है। सरकार बीबीसी पर भारत में प्रतिबन्ध लगाए यह सरकार व जागरूक समाज दोनों की जवाबदेही है कि भारत विरोधी विमर्श नहीं बनने दे।

– शीतल पथिक,
युवा लेखिका, धर्मेटा
राजसमंद

डॉ. विपुल चौधरी के आविष्कार का पेटेंट हुआ

डॉक्टर विपुल चौधरी

- **आविष्कार से दंत चिकित्सा की लागत में कमी और सुलभता बढ़ाने में मदद मिलेगी**

भीलवाडा, (निसं)। औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा अब मेडीकल हब के रूप में भी अपनी पहचान बनाने लगा है। ज़िले के सबसे बड़े सरकारी महात्मा गांधी हॉस्पिटल के डॉक्टर विपुल चौधरी अपने आविष्कार और डिजाइन के लिए पेटेंट किया गया है। जिसे उन्होंने मेडिकल कॉलेज को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में परेशानी आती है और इलाज की लागत भी बढ़ जाती है। इस आविष्कार से दंत चिकित्सा की लागत में कमी और सुलभता बढ़ाने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा मेडिकल कॉलेज अब दंत प्रत्यारोपण में किफायती होने के साथ अब समय की बचत भी करेगा। उन्होंने कहा कि यह चिकित्सा जगत लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण होगा जोकि दंत चिकित्सा में काफ़ी कारगर होगा। उन्होंने कहा कि अब तक के इतिहास में इंजीनियरिंग फ़ील्ड या आईटी सेक्टर में हुए अविष्कारों को पेटेंट किया गया है। मैक इन इंडिया के तहत चिकित्सकों के प्रयासों को इससे संबल मिलेगा।

उन्होंने बताया कि 20 साल के लिए उन्हें यह पेटेंट दिया गया है। अभी इस उपकरण का क्लिनिकली टेस्ट शुरू नहीं किया गया है, लेकिन जल्द इसी शुरुआत मरीज़ को गुणवत्तापूर्ण उपचार देने के लिए की जायेगी।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में यह पेटेंट अपने आप में पहला एसा उपकरण होगा जो दंत चिकित्सा में काफ़ी कारगर साबित होगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा मेडिकल कॉलेजो में प्रोफ़ेसरों को अब सिर्फ़ पढ़ने के लिए नहीं चिकित्सा के क्षेत्र में क्रांति लाने के भी अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे है। हमने इस उपकरण के लिए एक साल तक मेहनत की है। कई लेवल पर जाँच और परख के बाद भारत सरकार ने हमे इसका पेटेंट दिया है जो ना सिर्फ़ चिकित्सा जगत के लिए बल्कि भीलवाड़ा के लिए भी गौरव की बात है।

बीकानेर में 27.4 डिग्री के पास पहुंचा पारा

- **पिछले चौबीस घंटे में प्रदेशभर में सबसे कम तापमान चूरू में रहा, जो 5.2 डिग्री सेल्सियस है**

बीकानेर, (निसं)। यहां गर्मी की आहट हो गई है। तापमान में उतार-चढ़ाव के बाद अधिकतम पारा तीस डिग्री सेल्सियस के पास पहुंच गया है। इस सीजन की सर्दी लगभग रवानगी ले चुकी है। अब दिसम्बर और जनवरी की जितनी सर्दी नहीं पड़ने वाली है। मौसम विभाग ने भी आने वाले दिनों में मौसम शुष्क बताया है।

पिछले चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है, जबकि न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री सेल्सियस है। पिछले दिनों की तुलना में अधिकतम पारा लुढ़ का है, इसके बाद भी गर्मी कम नहीं हुई है। रात में न्यूनतम तापमान में फिर दो डिग्री की बढ़ोतरी हो गई है। दोपहर में गर्म कपड़े और सुबह व रात में टोपी पहनने की जरूरत नहीं पड़ रही है। आने वाले दिनों में पारा घटने के बजाय बढ़ सकता है। पिछले चौबीस घंटे में प्रदेशभर में सबसे कम तापमान चूरू में रहा, जो 5.2 डिग्री सेल्सियस है।

कोई भी ऐसा मौसम केंद्र नहीं है, जहां तापमान पांच डिग्री सेल्सियस से कम आंका गया हो। माना जा रहा है कि इस बार गर्मी की आहट समय से पहले हो गई है। आमतौर पर पंद्रह फरवरी के बाद सर्दी कम होती है लेकिन इस बार पहले ही तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। इन दिनों सामान्य से ज्यादा पारा है। लगभग सभी जिलों में तापमान सामान्य से एक से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। वहीं जयपुर में ये चार डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है।

नुकसान के मुआवजे के लिए धरना-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर, (निसं)। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सदस्यों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पर धरना लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन सदस्यों का कहना था कि किसानों को पिछले दिनों तेज सर्दी के दौरान सरसों की फसल में पाले से नुकसान हुआ है।

खास बात यह है कि कई जगह सर्वे की कार्रवाई भी नहीं हुई है। ऐसे में किसान परेशान हैं। ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष मुकेश गोदारा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर रहे इन लोगों का कहना था कि जिले में बड़ी संख्या में किसानों ने सरसों की फसल बोई है। सरसों की फसल जब पकाव पर थी, उसी दौरान तेज सर्दी और पाळे से फसलों को नुकसान हो गया। इससे इलाके के खेतों में कई जगह किसानों की मेहनत खराब हो गई है।

इस बारे में किसानों ने कई बार प्रशासन को जानकारी भी दी लेकिन प्रशासन ने इस पर पूरी गंभीरता नहीं दिखाई। इस अवसर पर हुई सभा में संगठन के जिलाध्यक्ष गोदारा ने कहा कि सरकारें किसान की बात नहीं सुन रही हैं। अगर ऐसा हुआ तो किसान के पास अपनी बात सुनाने के लिए ताकत है। प्रदर्शन में इकबाल सिंह, बलदेव सिंह, भरत खोथ, नरसीराम, मनीष, महेंद्रप्रताप सहित कई लोग मौजूद थे।

डंडों से पीट-पीटकर ऊंट की हत्या

- **ऊंट ने अपने मालिक की जान ले ली थी**

नोखा, (निसं)। कस्बे में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक परिवार के लोगों ने एक ऊंट को पेड़ से बांधा और डंडों से पीट-पीटकर उसकी जान ले ली। उन्होंने ऊंट के सिर पर तब तक वार किए गए, जब तक उसने दम नहीं तोड़ दिया। इस घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है।

इसमें देखा जा सकता है कि लोगों ने ऊंट की गर्दन पेड़ में फंसाई और डंडों से उसकी ताबड़तोड़ पिटाई की। कुछ देर तो ऊंट खड़ा रहा, फिर पिटाई के असर से उसकी हालत खराब होने लगी और वह गिर पड़ा। इतनी मार खाकर ऊंट की मौत हो गई। दरअसल, इस ऊंट ने अपनी मालिक की जान ली थी, जिसके बाद लोगों ने ऊंट को मार डाला। ऊंट ने अपने मालिक सोहनराम की जान ले ली थी। सोहनराम परिवार में अकेला कमाने वाला था। उसकी मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मामला नोखा के पांचू गांव का है। मृतक सोहनराम नायक (45 साल) के परिजनों ने बताया कि सोहनराम गांव से ऊंट गाड़ी लेकर ढाणी पहुंचा था। वह ऊंट को खेत में ले जा रहा था। इस दौरान ऊंट ने सोहनराम की गर्दन पकड़ ली। सोहनराम ने खुद को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वह छुड़ा नहीं पाया। घटना की जानकारी मिलते ही पड़ोसी भंवरलाल मेघवाल, सोहनराम के पिता मोहनराम मौके पर पहुंचे। लाठियों से ऊंट को दूर करना चाहा, लेकिन ऊंट के मुंह में गर्दन होने से सोहनलाल लहूलुहान हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद ग्रामीणों ने जैसे-तैसे ऊंट को कब्जे में लिया। वहीं, घटना के बाद जमा भीड़ ने ऊंट को पीट-पीट कर मार डाला। गुस्साए लोगों का कहना है कि अगर ऊंट जिंदा रहता तो वह और कई लोगों को नुकसान पहुंचाता।

मृतक के बुआ के लड़के नेमाराम नायक ने बताया कि सोहनराम ने 20 दिन पहले ही यह ऊंट खरीदा था। इस कारण उसे ऊंट के स्वभाव की पहचान नहीं थी। ऊंट स्वभाव से हिंसक था। सोहनराम ऊंटगाड़ी चलाकर ही अपने परिवार का गुजारा करता था। सोहनराम के 5 बेटे और 2 बेटियां है। सबसे बड़ा बेटा 18 साल का है। थानाधिकारी मनोज यादव ने बताया ऊंट सोहनराम नायक का पालतू जानवर था। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राशिफल गुरूवार 9 फरवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, उत्तरा फाल्गुनी रात्रि 10:27 तक, सुकर्मा योग सांय 4:45 तक, बव करण सांय 7:11 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-मकर, गुरू-मीन, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज चतुर्थी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 9:25 पर होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 2:34 तक, चर 11:19 से 12:41 तक, लाभ-अमृत 12:41 से 3:25 तक, शुभ 4:48 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:12, सूर्यास्त 6:10

मेष
परिवार में आपसी मतभेद समाप्त हो सकते हैं। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी और व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। खान-पान में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

'राजस्थानी भाषा बहुत मीठी और अपनत्व की भाषा है प्रधानमंत्री जी'

राजेन्द्र जोशी

देश की राजनीति में राजस्थान चर्चा का विषय बना हुआ है, केन्द्र सरकार की विचारधारा के विपरित सोच की सरकार राजस्थान में सत्ता पर काबिज है। सरकारों के भीतर-बाहर भूचाल तो बना रहता ही है।बरसो पहले राजस्थान विधान सभा ने सर्वसम्मति से राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का आग्रह भारत सरकार से कर चुकी है ।

राजस्थानी संस्कृति और राजस्थानी भाषा की मिठास का कोई सानी नहीं है, यह पूरी दुनिया जानती है, पिछले दिनों मानगढ़ में गुजरात के आदिवासियों को वोट में तब्दील करने के लिए एक बड़ा जलसा हुआ । इस जलसे के माध्यम से गुजरात चुनाव में प्रधानमंत्री को सफलता मिली । कुछ दिनो पहले गुर्जरों को रिझाने की कवायद भी हुई थी।

जोधपुरी सूट और राजस्थानी पगड़ी का तो कहना ही क्या, देश के बड़े-बड़े राजनीतिज्ञों और नौकरशाहों के सर पर राजस्थानी पगड़ी शोभायमान हुआ करती है। इन सबके साथ ही देश की दो बड़ी पंचायत है लोकसभा और राज्यसभा उनके प्रमुख भी राजस्थान से आते है।

पर्यटन की दृष्टि से पुराने रजवाड़ों की शान शौकत देखने के लिए भी सबसे पहले राजस्थान का चयन किया जाता है, राजस्थान की हवेलियां राजस्थान के गढ़ पूरी दुनिया को आकर्षित करते रहे हैं। इसी प्रकार राजस्थान का खान-पान भी लोगों के जुबान पर रहा है और अब तो राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद भी पूरे देश को और खासकर प्रधानमंत्री जी एवं उनकी पूरी सरकार को मीठा लगने लगा है, मोटे अनाज के राजस्थानी व्यंजनों का स्वाद दिल्ली में प्रधानमंत्री जी एवं उनके मंत्रिमंडल के साथ सभी सांसदों ने अपने खाने में सामूहिक रूप से राजस्थानी व्यंजन बनवाएं, खाए और उसकी तारीफ की । तारीफ तो करनी थी पहले से पता था कि राजस्थानी व्यंजन बहुत स्वादिष्ट होते हैं।

राजनीति में सफलता का मार्ग राजस्थान से होकर निकलता है, भारत सरकार ने मोटे अनाज के व्यंजनों का भोज आयोजित किया इस भोज में राजस्थानी खाने का स्वाद लिया गया बाजरे की रोटी, खिचड़ी ,राबड़ी, हल्दी की सब्जी, कैर- सांगरी, काचरी व ग्वार फली की सब्जी को चटकारे लेकर भारत सरकार ने खाया।

स्वस्थ रहने के लिए राजस्थान का मोटा अनाज काम आता है, वोट बटोरने के लिए राजस्थान सबसे पहले याद आता है, नेतृत्व में सहयोगी के रूप में राजस्थान के लोग भरोसेमंद होते है, परन्तु उन राजस्थानी सहयोगियों और नेताओं की भाषा को सम्मान क्यों नहीं मिल रहा। इन सबके बावजूद राजस्थानी भाषा को मान्यता देने में भारत सरकार चुप क्यों है। लोकसभा और राज्यसभा में कुल मिलाकर हमारे 35 सांसद राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हमारे ये 35 सांसद प्रधानमंत्री जी को यह क्यों नहीं बताते कि प्रधानमंत्री जी आपके लिए राजस्थान इतना महत्वपूर्ण है तो उसकी जुबान का ताला भी खोल दीजिए। राजस्थानी भाषा भी बहुत प्यारी है उस राजस्थानी का सम्मान कीजिए। उसका भी स्वाद हमें लेने दीजिए। कहना चाहिए कि राजस्थानी भाषा भी बहुत मीठी और अपनापन लिए है। इस राजस्थानी भाषा की बात सुन लीजिए, पढ़कर देख लीजिए राजस्थानी संस्कृति को आप नजदीक से देख रहें है आपको लगता है कि दुनिया की सबसे मीठी राजस्थानी भाषा है। इसमें कळेस नहीं राजस्थानी का मीठा स्वाद है। स्वाद के मान्यता क्यों नहीं।

लेखक राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कोषाध्यक्ष है।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि-कथाकार

326 करोड़ रुपये के सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की स्मगलिंग के आरोपियों को जमानत

- मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा, अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर से अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरूण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे
- याचिकाकर्ताओं की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रुप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों और गवाहों की खुर्द-बुर्द होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं की विवादित रूप से खरीदने तथा सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 132 और 135 के अन्तर्गत उस खरीद की जानकारी को छुपाकर शुल्क नहीं जमा करने से संबंधित मामले में आरोपियों को अदालत ने जमानत दी है। न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने रविन्द्र कुमार तथा अन्य संलग्न मामलों में आरोपियों को यह कहते हुए जमानत दी है कि इस मामले में सभी गवाह सरकारी अफसर हैं, जो इसी मामले की जांच से जुड़े हैं, अर्थात उनकी गवाही और सबूतों को प्रभावित नहीं कर पायेंगे। अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इस मामले की सुनवाई अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर में चल रही है, इसलिये सुनवाई के दौरान उनकी जमानत खारिज करना उचित नहीं होगा।

इस मामले में कस्टम अधीक्षक की ओर से प्रस्तुत अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट जयपुर के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया जा चुका है जिसके अनुसार मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार, उनके सीए, ओमप्रकाश और उनके अन्य साथियों ने साथ मिलकर सोना, हीरे और अन्य अमूल्य धातुओं को खरीदने के लिये 326 करोड़ 8 लाख 34 हजार रुपये की रकम को भारत से बाहर, हॉगकांग तथा यूनाईनेट अरब इमरिट्स (यू.ए.ई.) भेजी।

कस्टम अधीक्षक का कहना है कि कई नई फर्म तथा कई अस्तित्वहीन फर्मों के नाम से 326 करोड़ से अधिक की रकम भारत से बाहर भेजी और रविन्द्र कुमार के साथियों विक्रम सिंह और कमलेश नागदा द्वारा 200 बैंक खातों द्वारा करोड़ों रुपये का लेन-देन किया गया था। इस मामले में कस्टम अधीक्षक ने कहा कि जांच के दौरान रविन्द्र कुमार के साथी और आरोपी द्वारा इसी मामले में दूसरे अभियुक्त विक्रम सिंह को 80-90 करोड़ दिये गये थे और उसने फर्जी फर्मों के खातों से रकम को बाहर भिजवाया। इस मामले में मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बी.आर.बाजवा पैरवी के लिये पेश हुए थे तथा अन्य आरोपी ओम प्रकाश की ओर से अधिवक्ता शहबान नकवी, सुरेश रतनलाल की ओर अधिवक्ता एस.एस.होरा और दीपक कुमार की ओर से अधिवक्ता अरूण गोयल पैरवी के लिये पेश हुए थे। वहीं कस्टम विभाग की ओर से अधिवक्ता किंशुक जैन पैरवी के लिये पेश हुए थे।

प्रार्थीगण-अभियुक्तगण द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के दौरान कहा गया कि उन पर बढ़ा-चढ़ाकर आरोप लगाकर गिरफ्तार किया गया है लेकिन इस अपराध के विरूद्ध उनके पास प्रथम दृष्टया साक्ष्य पत्रावली मौजूद नहीं है। उन्हें डरा-धमकाकर एवं दवाब बनाकर कथन लेखबद्ध किये गये हैं लेकिन पूछताछ के दौरान लेखबद्ध किये ऐसे तथ्यों का अदालत में कोई महत्व नहीं होता है। प्रार्थीगण-अभियुक्तगण की ओर से यह भी कहा गया कि यह मामला मुख्य रुप से दस्तावेजी और इलेक्ट्रोनिक्स साक्ष्य पर आधारित है। इस क्रम में जांच व बरामदगी की कार्यवाही पूरी की जा चुकी है। इसलिये ना तो दस्तावेजों तथा अन्य साक्ष्यों और गवाहों की खुर्द-बुर्द होने की संभावना है और ना ही मुख्य गवाहों को डराने धमकाने की आशंका भी नहीं है। अतः अनुसंधान के दौरान प्रार्थियों को अनिश्चितकाल के लिये रिमांड पर रखना न्यायोचित और विधि सम्मत नहीं है। इस पर अदालत ने आरोपियों को एक-एक लाख रुपये की दो सिक्योरिटी मुचलके रखकर जमानत के आदेश दिये।

दक्षिणी-पश्चिमी कमान में अलंकरण समारोह का आयोजन

दक्षिणी-पश्चिमी कमान के सेना कमांडर अमरदीप सिंह भिंडर ने 17 सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए।

जयपुर। सेना का दक्षिण पश्चिमी कमान अलंकरण समारोह बुधवार को बठिंडा मिलिट्री स्टेशन के सगत सिंह सभागार में पारंपरिक उत्साह और सैन्य भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कुल सत्रह सेना पदक (शौर्य), एक सेना पदक (प्रतिष्ठित) और एक विशिष्ट सेवा पदक लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर, सेना कमांडर, दक्षिण पश्चिमी कमान द्वारा प्रदान किए गए।

अलंकरण समारोह वर्ष में एक बार उन कर्मियों को विभिन्न पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित किया जाता है, जिन्होंने व्यक्तिगत वीरता और कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण के कार्यों से खुद को प्रतिष्ठित किया है। पुरस्कार पाने वालों में नौ अधिकारी, एक सरदार और नौ सैनिक शामिल थे। 61 राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के सिपाही लक्ष्मण के निकट संबंधी को मरणोपरांत वीरता पुरस्कार प्रदान किया गया। पांच यूनिटो को सेना अध्यक्ष द्वारा प्रशंसा प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया तथा 15 यूनिटो को जीओसी-इन-सी यूनिट प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

सेना कमांडर ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनकी वीरता और विशिष्ट सेवाओं के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को राष्ट्र की सेवा में अपना योगदान देने का आग्रह किया। लेफ्टिनेंट जनरल अमरदीप सिंह भिंडर ने बाद में पुरस्कार विजेताओं, उनके परिवारों के साथ बातचीत की और भारतीय सेना और राष्ट्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने में उनके अमूल्य योगदान को सराहा।

आंजना के परिजनों से मिले डॉ. पूनियां

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रतापगढ़ जिले के केसुंदा पहुंचकर विकास आंजना के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और राज्य सरकार से हत्याकांड में शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार कर कड़ी सजा देने की मांग की है।

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित कर रहे है हमारी माताजी
श्रीमती माली देवी
धर्मपत्नी स्व. श्री हजारीलाल जी स्वामी का स्वर्गवास 07.02.2023 मंगलवार को हो गया है तीये की बैठक गुरुवार 09.02.2023 को 3 से 4 बजे तक निवास स्थान ग्राम मैड मे है
शोकाकुलः महंत कल्यणदत्त (देवर), केदारनाथ, दिनेश, कमलेश, मुकेश, श्यामसुंदर, हनुमान (पुत्र), अन्नपूर्णा-सागर जी, दमयंती- सत्यनारायण जी, नीलम- राजेश जी, हेमलता-विनोद जी (पुत्री- दामाद) रवि, राजेंद्र, धर्मेंद्र, महेंद्र, अश्वनी, आशीष, मनीष, हरीश, शरद, मयंक, अचिन्त, अनंत (पौत्र), हिमांशु, रत्नेन्शु (दोहिते) पियूष, सौम्य, युवांश, कनिष्क (प्रपौत्र) एवं समस्त स्वामी परिवार।
9784309374, 9929212358

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया माताजी
श्रीमती ग्यारसी देवी
धर्मपत्नी स्व. श्री गोपीराम जी का स्वर्गवास दिनांक 07.02.2023 को हो गया। तीये की बैठक दिनांक 09.02.2023 को बुधवार सांय 4:00 से 5:00 बजे पतासे वालों की बगीची, एम.डी. रोड, जयपुर पर रखी गई है।
शोकाकुलः ताराचन्द, छोटेलाल, सूरज कुमार, पूरन एवं समस्त अगदायमावर परिवार। मो.- 9166630228

प्रथम पुण्यतिथि

निर्वाण-09/02/2022
स्व.श्रीमती कौशल्या चाँदवानी
(धर्मपत्नी स्व. श्री डी.पी.चाँदवानी)
आपकी यादों को कभी भुला नहीं पायेंगे, आपके विचार, सादगी हमेशा याद आयेगी।
श्रद्धावनत-रमेश-सुषमा, राधाकिशन-संगीता (पुत्र-पुत्रवधु), चन्द्रकान्ता-बी.एल.आर्य, स्व.रजनी-घनश्याम (पुत्री-दामाद), मनीष-नन्दिनी, रवि-श्वेता (पौत्र-पौत्रवधु), मुस्कान-कमल, अंजलि-संदीप (पौत्री-दामाद), महेन्द्र-भावना, कमल-रिया, आशीष-पायल (दोहिते-वधु), नीलम-बिपिन (दोहिती-दामाद), हर्षवर्धन, शौर्य, निमित, पार्थ, ऋषिक, पियूष, गतिक, स्पर्श, रेहान, निहारिका, मिष्ठी, प्रिति, मिताली एवं समस्त चाँदवानी परिवार।
प्रतिष्ठान-वोल्ट-एज, रॉयल ट्रेडर्स

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कैनवास पर उकेरे अभिव्यक्ति के रंग

जयपुर,(कासं)। मरीजों का इलाज करने वाले हाथों ने जब पेंट ब्रश पकड़ा तो कैनवास पर अच्छे से अभिव्यक्ति के रंग उकेरे। मौका था एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में आयोजित हुए लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का जिसमें डॉक्टर्स ने पेंटिंग, स्केचिंग, डूडलिंग, कार्टूनिंग जैसी रचनात्मक कलाओं में अपना हुनर दिखाया। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम की शुरुआत की।

प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन के आयोजन सचिव डॉ. अशोक गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एक्टिविटीज में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति के संयोजक डॉ. अमित शर्मा ने बताया कि ड्राइंग, पेंटिंग, स्केचिंग, डूडलिंग, कार्टूनिंग के अलावा वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित हुई। जिसमें हिंदी भाषा में सामाजिक मूल्यों में निरंतर पतन का कारण इंटरनेट व सिनेमा है विषय रहा। वहीं अंग्रेजी में राइट टू यूथेनेसिया विषय पर वाद-विवाद किया गया।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्लेटिनम जुबली सेलिब्रेशन में लिटरेचर फेस्टिवल अभिव्यक्ति का आयोजन किया गया।

- लॉन टेनिस में भी डॉक्टर्स ने आजमाए हाथ

लिटरेचर फेस्टिवल के अलावा मेडिकल कॉलेज परिसर में लॉन टेनिस टूर्नामेंट भी आयोजित हुआ। संयोजक डॉ. जयंत सेन ने बताया कि पहले दिन दो कोर्ट में 15 मुकाबले हुए जिसमें विजेताओं ने रोमांचक जीत हासिल की। इसमें 4 मुकाबले डबल्स में जबकि 11 मुकाबले सिंगल्स में हुए।

प्रदेश में 11 को प्राइवेट हॉस्पिटल बंद रहेंगे

जयपुर,(कासं)। राइट टू हैल्थ बिल के प्रावधानों के विरोध में प्रदेश के सभी निजी अस्पताल 11 फरवरी को 24 घंटे के लिए बंद रहेंगे। चिकित्सकों की ज्वाइंट एक्शन कमेटी ने इस दिन सुबह 8 बजे से 24 घंटे के लिए संपूर्ण बंद की घोषणा की है। इस हड़ताल के दौरान प्राइवेट हॉस्पिटलों में ओपीडी पूरी तरह बंद रहेगी, हालांकि इमरजेंसी सर्विस बंद रहेगी या नहीं इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है।

बिल में संशोधन के लिए गठित विधानसभा की प्रवर समिति की आगामी बैठक 11 फरवरी को ही प्रस्तावित है। जिसमें चिकित्सक प्रतिनिधियों से भी सुझाव लिए जाएंगे। माना जा रहा है कि इसी दिन बिल को अंतिम रूप भी दिया जाएगा। आंदोलन के तहत अब चिकित्सकों ने राज्य में राइट टू हैल्थ बिल का ही विरोध शुरू कर दिया है। ज्वाइंट एक्शन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ ने कहा कि डॉक्टरों की सभी आपत्तियों के बावजूद राज्य सरकार विधानसभा में इस विधेयक को पेश कर पारित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि इस बिल में कई ऐसी खामियां हैं, जिनसे डॉक्टर आहत और आक्रोशित हैं।

जस्टिस मेहता को गुवाहाटी का सीजे बनाने की सिफारिश

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट के सीनियर जस्टिस संदीप मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट का सीजे बनाने की सिफारिश की है। सीजेआई सहित तीन जजों के कॉलेजियम ने एक आदेश जारी कर कहा है कि गुवाहाटी हाईकोर्ट के सीजे आरएम छाया हाल ही में रिटायर हुए हैं और वहां पर सीजे की नियुक्ति करनी है। राजस्थान हाईकोर्ट में जस्टिस संदीप मेहता की नियुक्ति 30 मई 2011 को की गई थी और उनका रिटायरमेंट 10 जनवरी 2025 को होना है। देश के हाईकोर्ट में सीजे पद पर राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। ऐसे में जस्टिस मेहता को गुवाहाटी हाईकोर्ट का सीजे नियुक्त करने का प्रस्ताव लिया जाता है। गौरतलब है कि हाल ही में केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर ही राजस्थान हाईकोर्ट के सीजे पंकज मित्थल को सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किया था।

कोई नया संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बुधवार को भी लगातार दूसरे दिन कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला। इस दौरान पांच संक्रमितों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं।

प्रदेश में बुधवार को भी करोना संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार को भी कोई संक्रमित नहीं पाया गया था। राजधानी जयपुर में भी आज कोई नया मरीज नहीं मिला है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में भरतपुर में 5 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 10 रह गए हैं। फिलहाल जयपुर में 5, उदयपुर में 3 तथा अलवर और भरतपुर में 1-1 मामला है। राज्य में बुधवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9654 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में बुधवार को 4 हजार 403 कोविड के टीके लगाये गये है। इनमें 3 हजार 474 लोगों को प्रोकॉशन डोज दी गई है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां के नेतृत्व में पार्टी पूरे राजस्थान में मजबूत हुई'

भाजपा के आदिवासी नेताओं ने कहा, ''तीन-चौथाई बहुमत की सरकार बनेगी''

- हेमराज मीणा का बयान, ''जनहित के मुद्दों पर सतीश पूनिया के नेतृत्व में पार्टी पूरी तरह सक्रिय, राजस्थान में यह रिकॉर्ड होगा कि सतीश पूनिया हर विधानसभा, हर जिले में पहुंचे''

जयपुर। राजस्थान के वागड़ और हाड़ौती क्षेत्र के भाजपा के आदिवासी नेताओं ने बयान जारी कर भाजपा राजस्थान संगठन व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व की प्रशंसा की है। आदिवासी नेताओं ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां के नेतृत्व में भाजपा किसान कर्जमाफी, महिला सुरक्षा, पेपर लीक, बिगड़ी कानून व्यवस्था, लंपी इत्यादि तमाम जनहित के मुद्दों पर सड़क से सदन तक कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुखर है, दर्जनों से अधिक आंदोलन जयपुर से प्रदेश के सभी जिलों में किये और आगामी दिनों में होंगे, पार्टी संगठन की मजबूती से लेकर जनता की लड़ाई लड़ने में पूरी तरह सक्रिय है।

इन आदिवासी नेताओं का कहना है कि किसानों और युवाओं के मुद्दों पर आंदोलनों का नेतृत्व करते हुये सतीश पूनियां के शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं और पैर तक में गंभीर फ्रैक्चर आ गया था। पुलिस-प्रशासन की तानाशाही व लाठीचार्ज के कारण और वहीं कोरोनाकाल में सेवा ही संगठन अभियान की मॉनिटरिंग, प्रदेशभर के प्रवास व फील्ड में कार्य करने के दौरान सतीश पूनिया दो बार स्वयं कोरोना संक्रमित हो गये थे, जिसमें वह महीनेभर तक अस्पताल में भर्ती रहते हुये जिंदगी और मौत से जूझे, जिसमें वह प्रदेश के कार्यकर्ताओं व जनता की दुआओं के कारण मौत को मात देकर फिर से जनता के बीच आकर लगातार संगठन की मजबूती में जुटे हैं और जनता के मुद्दों को उठाने में पूरी तरह मुखर रहते हैं। हाड़ोती संभाग के पार्टी के वरिष्ठ आदिवासी नेता व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा ने हाल ही में राजसमंद में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के बारे में किसी भी कार्यकर्ता से पूछा जा सकता है।

पेट्रोल-डीजल कीमतों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

जयपुर, (का.प्र.)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सर्किल पर पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर की दरें कम करने की मांग को लेकर कांग्रेस के किये जा रहे धरना-प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल, गैस सिलेण्डर के दाम बहुत ज्यादा होने से जनता का जीना हराम हो गया है। अन्तर्राष्ट्रीय मार्केट में क्रूड ऑयल सस्ता होकर 81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया जब 2014 में कांग्रेस की सरकार थी, तब क्रूड ऑयल के दाम 130 डॉलर प्रति बैरल थे, तब भारत में पेट्रोल-डीजल 70 रुपये प्रति लीटर से कम में बिक रहा था, केन्द्र सरकार 40-45 रूपये प्रति लीटर टैक्स लगाकर जनता की जेब काट रही है। केन्द्र सरकार के मंत्री रोज कह रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने चाहिये, इसके बावजूद पेट्रोल-डीजल और गैस सिलेण्डर के दाम कम नहीं किये जा रहे हैं, पूरा देश महंगाई, गरीब और बेरोजगारी से परेशान है।

खाचरियावास ने कहा कि जयपुर में बुधवार 16 जगहों पर कांग्रेस पार्टी ने धरना-प्रदर्शन करके, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन करके पेट्रोल-डीजल व गैस सिलेण्डर के दाम कम करने का आंदोलन शुरू किया है। जब तक यह दाम कम नहीं होंगे, कांग्रेस पार्टी सड़कों पर संघर्ष करेगी।

खाचरियावास ने कहा कि क्रूड ऑयल इतना सस्ता हो गया है कि पूरे देश में पेट्रोल-डीजल 60 रुपये प्रति लीटर पर जनता को मिलना चाहिये, लेकिन अडानी जैसे लोगों के साथ मिलकर घोटाला करने वाली केन्द्र सरकार 4 लाख करोड़ के घोटाले पर पर्दा डालने के लिये देश की जनता की जेब काटने का काम कर रही है, जनता कभी माफ नहीं करेगी क्योंकि हर एक घंटे में महंगाई और बेरोजगारी के कारण चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं। केन्द्र सरकार का बजट पूरी तरह से फेल हो गया है। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांध छः साल पहले कह चुके हैं कि अडानी का घोटाला देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर देगा, इसके बावजूद सरकार ने कदम नहीं उठाये, अब जब पेट्रोल-डीजल सस्ते होने चाहिये तो जनता की पीठ में खंजर मार रही है।

आम सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्लाट नम्बर 46, जैतपुरी, महेश नगर, जयपुर पर श्री भगवान सहाय कुम्भज एवं श्रीमती विमला देवी ने दीवान हाउसिंग फाईनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड वर्तमान पिरामल केपिटल हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड से ऋण प्राप्त किया हुआ है। श्री भगवान सहाय कुम्भज का स्वर्गवास दिनांक 15 जनवरी सन् 2020 ईस्वी को हो गया। उक्त प्लाट के मूल दस्तावेज प्राप्त करने हेतु श्रीमती विमला देवी ने आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन से सात दिन में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित आपत्ति मय साक्ष्य प्रस्तुत करें। बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नही होगी। **सुरेन्द्र सिंह शेखावत (एडवोकेट) 9983155555**

खोया पाया
मेरे मकान 63/13 रजत पथ, मानसरोवर, जयपुर का Possession Letter और Allotment Letter खो गये है। मिलने पर सूचित करें-रमेश कुमार पर्चवाणी मोबाइल 8949023668

मकान संख्या 193/160, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का मूल आवंटन पत्र भौतिक कब्जा प्रति, कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सम्पर्क- Rajnish Kumar 9383222298

आम सूचना सर्वसाधारणम को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य भगवती प्रसाद जांगिड पुत्र स्वर्गीय बृजलाल जांगिड उम्र 63 निवासी एफ-29 भगवान नगर दीप पुरा, सेवा पूरा टोडी हरमाड़ा, 303805 का एक पुत्र चिराग जांगिड पुत्र भगवती प्रसाद जांगिड जो कि मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है जिससे आज दिनांक से मेरे अभिभाष्य का कोई सरोकार नहीं है ना ही उनकी किसी भी प्रकार की संपति में कोई वास्ता है अर्थात आज दिनांक से चिराग जांगिड़ को भगवती प्रसाद जांगिड अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से व अपने जीवन से बेदखल कर रहे हैं व कर दिया है।
V.KSHARMA, ADVOCCATE
PH No-09314880405

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल, मानसरोवर, जयपुर
Email Id:dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in Phone No.0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/1047 दिनांक-07/02/2023
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 122/45, मानसरोवर, जयपुर, क्षैत्रफल 162.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री अश्विनी मोहन शर्मा पुत्र श्री मथुरा लाल शर्मा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 7175 दिनांक 20-2-1993 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 14-7-1993 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 6208 दिनांक 30-3-1996 के द्वारा श्री अश्विनी मोहन शर्मा पुत्र श्री मथुरा लाल शर्मा के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 31-3-1999 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री अश्विनी मोहन शर्मा की मृत्यु दिनांक 12-6-2000 को हो जाने के कारण श्री अश्विनी मोहन शर्मा द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती विधयोजना शर्मा के पक्ष में की गई वसीयतनामा तत्पश्चात श्रीमती विधयोजना शर्मा द्वारा इनके पुत्र श्री अनुराग शर्मा के पक्ष में की गई वसीयत के आधार पर श्रीमती विधयोजना शर्मा की मृत्यु दिनांक 13-7-2018 को हो जाने के पश्चात श्री अनुराग शर्मा पुत्र स्व.श्री अश्विनी मोहन शर्मा ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री अनुराग शर्मा पुत्र स्व.श्री अश्विनी मोहन शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्री महावीर सिंह परिहार पुत्र श्री भंवरसिंह एवं निवासी गांव गोपालसर तहसील डूंगरगढ़ जिला बीकानेर (राज.) हाल निवासी प्लाट नं.10 देवी नगर-ए, कानजी की बोरिंग के पास, हरनाथपुरा, कालवाड रोड, जयपुर (राज.) के है जो कि मेरे अभिभाष्य का पुत्र गजेन्द्र सिंह परिवाहर है जो मेरे अभिभाष्य को नाजायज परेशान करता है, तथा मेरे अभिभाष्य के कहने सुनने में नही है एवं मरने मारने की धमकी देता है, ना ही मेरे अभिभाष्य की सेवा सुश्रुषा करता है। इसलिये मेरे अभिभाष्य अपने पुत्र गजेन्द्र सिंह परिहार को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति तथा सामाजिक रिति रिवाजो के अधिकारों से बेदखल करता है। मेरे अभिभाष्य की निजी संपत्ति व फर्म से गजेन्द्र सिंह परिहार का कोई संबंध सरोकार नही है। मेरे अभिभाष्य एवं गजेन्द्र सिंह परिहार की फर्म सुरोज सेल्स कार्पोरेशन हाइहेस्ट फास्टेग सेलिंग क्पनी जिसका डायरेक्टर गजेन्द्रसिंह परिहार है से भी मेरा अभिभाष्य अपने आपको अलग करता है। यदि कोई भी व्यक्ति, संस्था निकाय उसके साथ कोई किसी प्रकार का संव्यवहार करता है अथवा लेन-देन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा इसके लिये मेरा अभिभाष्य जिम्मेदार नहीं होगा। सूचित रहे।
दिनांक-9/2/2023 (शोकतअली) एडवोकेट, 9829155302

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांक:- DHC-II/2862 **जाहिर आम सूचना** दिनांक: 08/02/23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 45/167 मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 46.080 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मोहन दास को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1233 दिनांक 03.02.1986 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 31.05.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 2885 दिनांक 30.10.2013 के द्वारा श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मोहन दास के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 16.12.2013 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री अशोक कुमार द्वारा श्री सोनू कुमार अग्रवाल पुत्र श्री केदार नाथ अग्रवाल को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के मुख्त्यारनामा आम प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयन जयपुर में दिनांक 12.07.2019 को करवाया गया। मुख्त्यारनामा आम धारक श्री सोनू कुमार अग्रवाल पुत्र श्री केदार नाथ अग्रवाल के द्वारा आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमती कृष्णा कुमारी खुराना पत्नी श्री रमेश खुराना को कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयन जयपुर में दिनांक 19.11.2020 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती कृष्णा कुमारी खुराना की मृत्यु दिनांक 02.05.2021 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री गौरव खुराना पुत्र श्री रमेश खुराना ने मृत्यु पश्चात् नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है।अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें। अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक श्री गौरव खुराना पुत्र श्री रमेश खुराना के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारणण को सूचित किया जाता है कि मेरी पत्नी श्रीमती ज्योति देवी सेठी पत्नी श्री प्रदीप कुमार सेठी के नाम से आवासीय फ्लेट नं.जी-1, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं. 24-ए, स्कीम नं.12-डी, कटारियापुरी, सोडाला, जयपुर (राज.) में स्थित है, जिस पर मैने एवं मेरी पत्नी श्रीमती ज्योति देवी सेठी पत्नी श्री प्रदीप कुमार सेठी ने एचडीएफसी लिमिटेड से जरिये ऋण खाता संख्या 604804654 से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त आवासीय फ्लेट नं. जी-1, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं. 24-ए, स्कीम नं. 12-डी, कटारियापुरी, सोडाला, जयपुर (राज.) के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी लिमिटेड में रहन (Mortgage) कर रखे हैं।
यह कि मेरी पत्नी श्रीमती ज्योति देवी सेठी का दिनांक 5-9-2022 को स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त फ्लेट के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब मैं उक्त आवासीय फ्लेट नं.जी-1, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं. 24-ए, स्कीम नं. 12-डी, कटारियापुरी, सोडाला, जयपुर (राज.) के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहता हूँ यदि इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथि से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी लिमिटेड, शाखा सी-25, भगवान दास रोड़, सी-स्कीम, जयपुर (फोन नम्बर0141-6480799) में सम्पर्क करें। सूचित रहे।
(प्रदीप कुमार सेठी)
पुत्र स्व.श्री राजकुमार सेठी, निवासी 24-ए, फ्लेट नं.जी-1, कटारियापुरी, सोडाला, जयपुर (राज.) मोबाईल नम्बर 9983012227

विधानसभा अध्यक्ष ने अफसरशाही को किया तलब

जयपुर, (का.प्र.)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने राज्य के प्रमुख आईएएस अधिकारियों को विधानसभा बुलाकर क्लास ली और नाराजगी जताई है। नाराजगी इस बात पर है कि अधिकांश अधिकारी जिन्हें कि विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, वह समय पर ना तो जवाब पेश कर पा रहे हैं और ना विधानसभा में उपस्थित हो रहे हैं। विधानसभा में पिछले दो-तीन सत्रों में लगातार देखा जा रहा है कि अधिकारी दीर्घा प्रश्नकाल के बाद में खाली हो जाती है और जब महत्वपूर्ण मामले सामने आते हैं, तब विभागीय अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं। इस बात को लेकर उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी कई बार ध्यान दिला चुके हैं। कई बार विधानसभा सत्र के दौरान देखा जाता है कि जब कोई मामला आता है, तो अधिकारी नदारद रहते हैं। ऐसे में ना सिर्फ सरकार के सामने जवाब देने का संकट होता है, बल्कि प्रतिपक्ष को भी हावी होने का मौका मिल जाता है। लगातार इस तरह की घटनाएं होने के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने अधिकारियों को तलब किया था।

विधानसभाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने अधिकारियों की बैठक लेकर प्रश्नकाल के बाद गायब रहने वाली अफसरशाही को लेकर नाराजगी जताई।

विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने बुधवार को विधानसभा में प्रदेश के प्रमुख आईएएस अफसरों की क्लास ली। विधानसभा में विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब समय पर तैयार करके नहीं देने और सदन में मंत्रियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों आश्वासनों पर कार्रवाई की जानकारी नहीं देने के कारण विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी प्रदेश की अफसरशाही से नाराज हैं। यही कारण है कि उन्होंने बुधवार को विभागों के शासन सचिव, प्रमुख शासन सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव के पदों पर कार्यरत आईएएस अफसरों को विधानसभा के समिति कक्ष में दोपहर तीन बजे तलब किया।

अधिकारियों के इस तरह से गैर जिम्मेदाराना व्यवहार को लेकर मुख्य सचिव उषा शर्मा को विधानसभा सचिवालय ने दो बार पत्र भी लिखे हैं। दरअसल विधानसभा अध्यक्ष डॉ जोशी ने 15वीं और 14वीं विधानसभा के प्रश्नों, आश्वासनों, प्रस्तावों पर अब तक जवाब नहीं आने और कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई है। प्रदेश की अफसरशाही और राजनीतिक इतिहास में पहला मौका है, जब विधानसभा अध्यक्ष ने इस तरह से आईएएस अफसरों को सीधे बुलाकर जवाब-तलब किया है। बताया जा रहा है कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से भेजे गए पत्र में लिखा है कि प्रश्न व संदर्भ समिति और अध्यक्ष स्तर पर प्रश्नों का जवाब नहीं देने, प्रस्तावों की जानकारी अब तक तैयार नहीं करने, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के तहत मंत्रियों के स्तर पर दिए गए आश्वासनों की जानकारी मुहैया नहीं करवाने को अफसरों के स्तर पर गंभीर लापरवाही और उदासीनता बरतना माना गया है।

- 'ना प्रश्नों के उत्तर समय पर आ रहे हैं, ना मंत्रियों के आश्वासन पर कार्यवाही हो रही'

बी.एस.एफ. ने की सख्ती, बॉर्डर से सीमा के दो कि.मी. अंदर तक खनन गतिविधि पर रोक लगाई

बी.एस.एफ., पुलिस और प्रशासन ने तारबंदी से 250 मीटर पर हुए अवैध खनन वाले स्थान का जायजा लिया

बीकानेर, (निसं)। जिले से लगती पाक सीमा के दो किमी एरिया में खनन पर रोक लगा दी गई है। बीएसएफ, पुलिस, प्रशासन और खनन विभाग के दल ने हालात को देखते हुए यह फैसला लिया है।

बीएसएफ ने साफ कह दिया है कि दो किमी में खनन नहीं होने दिया जाएगा। पहले यह रोक बॉर्डर पर एक किमी तक ही थी। बीकानेर से करीब 180 किमी दूर भारत-पाक सीमा के एक किमी एरिया में जिप्सम के अवैध खनन की जांच शुरू हो गई। बीएसएफ डीआईजी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ अधिकारियों को लेकर मौके पर पहुंचे। एरिया में हालात देखने के बाद दो किमी एरिया में खनन पर रोक लगाने का निर्णय लिया है।

कलेक्टर को भी इसकी जानकारी दी है। एएसपी ग्रामीण सुनील कुमार, उपखंड प्रशासन और खनन विभाग के दल ने भी तारबंदी से 250 मीटर पर हुए अवैध खनन वाले स्थान का जायजा लिया। वहां एलएनटी मशीन से खुदाई के निशान भी मिले।

- **हालात देखने के बाद 'चक 25 बीएसएम' के मुरबा नंबर 9/10 में अवैध खनन की पुष्टि हुई**
- **एलएनटी मशीन से खुदाई के निशान भी मिले। दल ने तारबंदी तक निरीक्षण किया**

दल ने तारबंदी तक निरीक्षण किया। उसके बाद कावेरी, सुमेर, सांचू, मारुती सीमा चौकियां भी देखी। पूरे क्षेत्र में खनन की जानकारी ली और स्थान चिन्हित किए। बीएसएफ और ग्रामीणों से भी पूछताछ की। टीम पांच-छह घंटे बॉर्डर पर रही। मौके पर हालात देखने के बाद चक 25 बीएसएम के मुरबा नंबर 9/10 में अवैध खनन की पुष्टि हो गई। रणजीतपुरा थाने में एसएचओ भूप सिंह की रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ जिप्सम चोरी को मुकदमा दर्ज किया गया है।

एएसपी ने बताया कि जांच अभी जारी है। बीएसएफ की कुछ चौकियां देखी हैं। पूरे एरिया का बारीकी से निरीक्षण किया जाएगा।

बीएसएफ के डीआईजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड ने कहा है कि बॉर्डर पर अवैध खनन रोकने के लिए कई बार कलेक्टर को लिख चुके हैं। एक किमी पर रोक के बाद भी भारी मात्रा में खनन हुआ है। मंगलवार को हालात देखने के बाद अब दो किमी एरिया में खनन पर रोक लगा दी है। हम खनन नहीं होने देंगे। प्रशासन को बता दिया है।

बीकानेर रेंज के आईजी ओमप्रकाश ने कहा है कि बॉर्डर पर अवांछित गतिविधियों और अवैध खनन की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित एसएचओ को ऐसे मामलों में सख्ती से निपटने के निर्देश दिए गए हैं।

भगवती प्रसाद कलाल, कलेक्टर का कहना है कि बॉर्डर पर दो किमी एरिया में कर्फ्यू रहता है। ऐसे में अवैध खनन जैसी अवांछित गतिविधियां हो रही है। बीएसएफ, पुलिस और उपखंड अधिकारी से इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह में जमकर चले जूते

- **समारोह में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को बुलाने को लेकर विवाद हुआ : छात्रसंघ अध्यक्ष**

कुम्हेर/भरतपुर, (निस)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय कुम्हेर मे छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक एवं राज्य क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री सतवीर चौधरी थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजीव सिंह पीसीसी के मेंबर एवं डॉक्टर बी एम भारद्वाज थे। छात्र संघ कार्यालय का फीता काटकर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उद्घाटन किया ।

महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के छात्रसंघ कार्यालय उद्घाटन समारोह में एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने एबीवीपी जिंदाबाद के नारे लगाए, वही कांग्रेस मुर्दाबाद के नारे लगाने को लेकर राज्यमंत्री सतवीर चौधरी के साथ आए निखिल दयाल ने एबीवीपी के छात्रों से दुर्व्यवहार कर जूता मार देने पर विवाद खड़ा हुआ। पुलिस ने एबीवीपी के कृष्ण कुमार, नितेश चौधरी, सौरभ पाराशर को गिरफ्तार कर लिया। कुछ देर बाद स्टेज पर खड़े हुए राज्यमंत्री सतवीर चौधरी के साथ आए निखिल दयाल को राहुल उवार ने स्टेज पर चढ़ कर जूते मारने का बदला लिया। इस पर पुलिस ने राहुल उवार को भी 151 में गिरफ्तार कर लिया। इस मौके पर छात्र संघ अध्यक्ष हितेश फौजदार ने कहा कि कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को बुलाने को लेकर विवाद हो गया। भाजपा के कार्यकर्ता ने कहा कि पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक मोदी और संघ के खिलाफ बोलते हैं । हमारे कार्यक्रम में आने वाली बस एवं गाड़ियों को रूकवा दिया।

सतीश चौधरी ने कहा कि छात्रसंघ अध्यक्ष हितेश ने मुझसे कहा कि मेरी आवाज को दबाया जा रहा है। इस देश के अन्नदाता की आवाज को भी भाजपा सरकार दबाना चाहती है। पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने किसान की आवाज को बुलंद किया है। राहुल गांधी ने कश्मीर से कन्याकुमारी पैदल चलकर लोगों का हाल-चाल जाना है । भाजपा सरकार ने देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ाई है तथा किसानों को तीन काले कानून मे उलझा दिया। पूर्व राज्यपाल मलिक ने एबीवीपी के छात्रों द्वारा प्रदेश की कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध करने पर कहा कि सच्चाई कहने से में डरने वाला नही हूं । मैं जब तुम्हारे आका यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नही डरता हूं तो तुम क्या मुझे डरा पाओंगे। उन्होंने कहा कि मैने हमेशा सच्चाई के साथ देश हित को देखते हुए निर्णय लिए थे।

ईनामी बदमाश गिरफ्तार

करौली, (निसं)। मासलपुर के देवरी गांव में फायरिंग व हत्या के मामले में 2 माह से फरार चल रहे 2 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मासलपुर थानाधिकारी परसोत्तम सिंह ने बताया की पुलिस ने आरोपी जोगेंद्र पुत्र श्रीपद गुर्जर निवासी देवरी थाना मासलपुर को गिरफ्तार किया है। उन्होने बताया कि एसपी नारायण टोंगस एवं एएसपी सुरेश जैफ के निर्देशन में फरार चल रहे अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत वृत्ताधिकारी करौली दीपक गर्ग के सुपरविजन में मासलपुर थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 2 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया की अवकाश पर चल रहे हैड कांस्टेबल परमजीत सिंह की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया गया। यहां गौरतलब है की 30 नवंबर को देवरी गांव में खेत जुताई के भुगतान की बात को लेकर हुए विवाद में आरोपियों द्वारा बंदूकों से फायरिंग की गई। जिसमें एक महिला राजेश देवी गुर्जर निवासी देवरी की गोली लगने से मौके पर ही मौत व दो लोग घायल हुए थे। मामले को लेकर देवरी निवासी समुंदर सिंह द्वारा प्राथमिकी दर्ज करवाई गई। जिस पर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही की गई और 7 आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर हथियारों की बरामदगी की गई।

राजस्व नियमों को ताक पर रख काटी जा रही कॉलोनियां

व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए कृषि भूमि से आबादी में संपरिवर्तन करवाने के बाद उपयोग नहीं करते है और प्लॉटिंग कर भूखण्ड बेचते है तो उनका कन्वर्जन निरस्त किया जाएगाः तहसीलदार

सायला, निसं)। जालोर जिले में सायला उपखण्ड क्षेत्र के जीवाणा समेत आसपास के इलाकों में भू-माफियाओं द्वारा राजस्व नियम कायदों को ताक पर रखकर कॉलोनियां काटी जा रही हैं। कृषि भूमि का भू-उपयोग बदलने के नियम का भी कड़ाई से पालन नहीं हो रहा है। यह खेल प्रशासनिक स्तर पर कथित सांठगांठ से चल रहा है।

सायला उपखण्ड क्षेत्र के जीवाणा समेत आसपास के इलाकों में अवैध कॉलोनियां काटी जा रही है।

जानकारी के अनुसार राजस्थान भूमि राजस्व (ग्रामीणों क्षेत्रों में .षि भूमि का अ.षि प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन) नियम 2007 के नियम 2 के तहत आवासीय भूखंड, फ्लेट, गृह डवलपर्स की ओर से डवलप करके ही बेचा जा सकता है। आवासीय भूखंड को संपरिवर्तन करने का तहसीलदार को ढाई बीघा (4000 वर्ग मी.) और आवासीय कॉलोनी या प्रोजेक्ट के लिए उपखंड अधिकारी को 6.25 बीघा (10000 वर्ग मी.) तक भूमि को संपरिवर्तन का अधिकार है। वहीं आवासीय कॉलोनी में कुल भूमि का 60 फीसदी आवास उपयोग के लिए आरक्षित है। शेष 40 फीसदी भूमि सरकार को सुपुर्द करनी होती है। जिसमें सड़क, बगीचा आदि विकसित करने होते है। लेकिन जीवाणा क्षेत्र में राजस्व नियमों के विपरीत अधिकांश कॉलोनियां राज्य राजमार्ग सडक के किनारे एवं गांव के बाहरी रास्तों पर काटी जा रही हैं। जिसमें जीवाणा-सिणधरी रोड, जीवाणा-भूण्डवा रोड और जीवाणा-सायला रोड आदि स्थान शामिल हैं। यहां भू-माफियाओं द्वारा गरीब काश्तकारों की कृषि भूमि को औने पौने दाम में खरीदा जाता है। इसके बाद कृषि भूमि को ढाई बीघा के टुकडों-टुकडों में व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए आबादी में संपरिवर्तित करवा लेते हैं। संबंधित व्यक्ति द्वारा भूमि संपरिवर्तन करवाने के दौरान 50 रूपये के स्टाम्प पर कृषि भूमि को आवासीय इकाई हेतु संपरिवर्तन होने के बाद आवासीय कॉलोनी अथवा प्रोजेक्ट में बेचान नही करने का शपथ पत्र दिया जाता है। लेकिन भू-संपरिवर्तन के बाद प्लॉट काट कर अलग-अलग व्यक्तियों को बेच देते हैं। इससे ना केवल सरकार को राजस्व के रूप में नुकसान पहुंचाया जा रहा है, बल्कि कॉलोनी में प्लॉट खरीदने वाले लोगों को भी ठगा जा रहा है।

यह होगा नुकसान :- आवासीय कॉलोनी में कुल भूमि का 60 फीसदी भूमि पर आवास उपयोग के लिए आरक्षित है। शेष 40 फीसदी भूमि सरकार को सुपुर्द करनी होती है। जबकि व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए कृषि भूमि का ढाई बीघा के टुकडों टुकडों में भू-संपरिवर्तन करवाने पर यह 40 फीसदी भूमि सरकार को सुपुर्द नही करनी पडती है। जिसका भू-माफिया फायदा उठाते है। जिसके चलते चौडी सड़क, बगीचा आदि विकसित करने के लिए सरकार के पास भूमि उपलब्ध नही होती है। वही भू-माफियाओं द्वारा प्लॉटिंग के दौरान जो सडक दिखाई जाती है वह भी सरकार को सुपुर्द नही होती है।

अनार का हब बनने से बढ़ी प्लॉटों की मांग :- जीवाणा क्षेत्र में अनार की बंपर पैदावार होती है। राज्य सरकार द्वारा बजट में भी जीवाणा में अनार मण्डी की घोषणा की जा चुकी है। जिसके बाद जीवाणा में प्लॉटों की मांग बढने से दाम बढ गए हैं। ऐसे में राजस्व नियमों को ताक पर रखकर नियम विरूद्ध कॉलोनियां कटने लगी हैं। किसानों से सड़क किनारे की कृषि भूमि खरीदकर प्लॉटिंग की जा रही है। जबकि इन कॉलोनियों के मानचित्र भी स्वीकृत नहीं कराए गए हैं।

कौशल्या जांगिड, तहसीलदार सायला का कहना है कि व्यक्तिगत आवासीय उपयोग के लिए कृषि भूमि से आबादी में संपरिवर्तन करवाने के बाद नियमानुसार उपयोग नहीं करते है और प्लॉटिंग कर भूखण्ड बेचते है तो उनका कन्वर्जन निरस्त किया जाएगा।

सांकड विद्युत विभाग जे.ई.एन. चार हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जालोर/सांचोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जालेर की टीम ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए जालोर जिले के सांचोर स्थित सांकड विद्युत विभाग के जेईएन को चार हजार रूपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की जालोर टीम को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि विद्युत ट्रांसफार्मर बदलने की एवज में विनोद कुमार कनिष्ठ अभियंता वृत सांकड, सांचोर जोधपुर डिस्कॉम, जालोर द्वारा दस हजार रूपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जोधपुर के महानिरीक्षक पुलिस सवाईसिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीरसिंह राणावत के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया गया। उसके बाद बुधवार को पुलिस निरीक्षक दीनदयाल वैष्णव द्वारा मय टीम के ट्रेप की कार्यवाही करते हुए विनोद कुमार पुत्र दयालाल राजपुरोहित निवासी दाता, सांचोर जिला जालोर हाल कनिष्ठ अभियंता वृत-सांकड, सांचोर डिस्कॉम को परिवादी से चार हजार रूपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

जेईएन विनोद कुमार

एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा। जेईएन विनोद कुमार की पहली पोस्टिंग विद्युत विभाग में कनिष्ठ अभियंता सांकड में पिछले अप्रैल 2022 को ही पहली पोस्टिंग हुई है जो मूल गांव दाता से आठ किलोमीटर दूरी है। परिविक्षिका काल में ही जेईएन विनोद कुमार ट्रैप हो गया।

खान में दबने से श्रमिक की मौत

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के कडीला गांव के पास संचालित एक ग्रेनाईट की खान में मंगलवार की देर शाम को मलबे में दबने से एक श्रमिक की मौत हो गई।

थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि मंगलवार की शाम को जरिए दूरभाष के कडीला के पास ग्रेनाईट की खान में दबने से एक व्यक्ति की मिली मौत की सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर डिग्गी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। बुधवार को मृतक के परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के पुत्र की ओर से दी रिपोर्ट पर तीन जनों के विरूद्ध नामजद पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

जेईई-मेन 2023 : जनवरी सेशन का परिणाम जारी

कोटा, (निसं.)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने जेईई-मेन 2023 जनवरी सेशन का परिणाम जारी कर दिया। 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य हुई बीई-बीटेक के लिए यह परीक्षा 12 शिफ्टों में हुई तथा बी-आर्के के लिए एक शिफ्ट में परीक्षा हुई। जेईई-मेन अप्रेल सेशन की परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सकती है।

इस वर्ष जेईई-मेन जनवरी परीक्षा के लिए कुल 8 लाख 60 हजार 64 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। इसमें 6 लाख 3 हजार 375 छात्र एवं 2 लाख 56 हजार 686 छात्राएं थी। रजिस्टर्ड विद्यार्थियों में से कुल 8 लाख 23 हजार 967 स्टूडेंट्स परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें 5 लाख 80 हजार 037 छात्र एवं 2 लाख 43 हजार 928 छात्राएं थी। परीक्षा में सम्मिलित स्टूडेंट्स में सामान्य श्रेणी के 3,11,539, ईडब्ल्यूएस के 98587, ओबीसी के 366089, एससी के 77368, एसटी के 27483 एवं विकलांग श्रेणी के 2301 शामिल हैं।नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार एनटीए द्वारा शुरू की गई जेईई-मेन परीक्षा के इतिहास में इस सेशन में विद्यार्थियों की उपस्थिति सर्वाधिक रही। इस परीक्षा में रजिस्ट्रेशन की तुलना में रिकॉर्ड 95.80 प्रतिशत विद्यार्थी शामिल हुए। इनमें सर्वाधिक 30 जनवरी को 96.31 प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं 1 फरवरी को 95.12 प्रतिशत विद्यार्थी उपस्थित रहे। 12 शिफ्टों में हुई इस परीक्षा में कुल 20 स्टूडेंट्स ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर प्राप्त किया, यानी कुछ शिफ्टें ऐसी भी रहीं जिसमें एक से अधिक स्टूडेंट्स ने 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया।

ये रहे कैटेगरी टॉपर:- सामान्य श्रेणी से बिकिना अभिनव चौधरी, ओबीसी से एनके विश्वजीत, ईडब्ल्यूएस से कृष गुप्ता, एससी से देशांक प्रताप सिंह, एसटी से दिव्यरथ थनुज एवं शारीरिक विकलांग कैटेगरी में साहिल अख्तर तथा छात्रा वर्ग में मिसाला प्रनिथी ने टॉप किया।

16 फरवरी को होंगे साक्षात्कार

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 16 फरवरी 2023 को सहायक आचार्य- होम साइंस (क्लॉथिंग टैक्सटाइल) के पदों हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। आयोग सचिव एचएल अटल ने कहा कि अभ्यर्थियों के साक्षात्कार-पत्र आयोग की वेबसाइट पर यथासमय अपलोड कर दिए जाएंगे। साक्षात्कार में सम्मिलि त होने वाले सभी अभ्यर्थीं अपने समस्त मूल-प्रमाण पत्र मय फोटो प्रति अवश्य साथ लाएं। इनके अभाव में अभ्यर्थियों को साक्षात्कार से वंचित कर दिया जाएगा।

बिजली चोरी पकड़ने गए सतर्कता दल पर ग्रामीणों ने हमला किया

करीब आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त, सहायक अभियंता को भी हाथ में चोट आई

राजगढ़, (निसं)। अलवर के पास राजगढ़ क्षेत्र के धमरेड ग्राम में अनावड़ा मार्ग पर छतरी का बास में बुधवार प्रात: बिजली चोरी पकड़ने गए सतर्कता दल पर ग्रामीणों ने हमला कर करीब आधा दर्जन वाहन क्षतिग्रस्त कर दिए। इस घटनाक्रम में सहायक अभियंता द्वारका प्रसाद को भी हाथ में चोट आई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश कॉलोनी महेश नगर निवासी हाल अधिशासी अभियंता जेवीवीएनएल राजगढ़ देवेंद्र कुमार शर्मा ने मामला दर्ज कराया कि 8 फरवरी को प्रात: 5 बजे कृषि क्षेत्र में बिजली चोरी की शिकायत पर खंड स्तरीय संयुक्त दल दम रेड के अनावड़ा मार्ग पर छतरी का बास में नत्थू राम रघुवीर सिंह कैलाश वगैरह कृषि विद्युत कनेक्शन की जांच में चोरी करते पाए गए।

इन लोगों ने चोरी के लिए हाथ से निर्मित डिम्मा ट्रांसफार्मर एवं केपीसीटर बैंक लगाकर विद्युत चोरी करते मिले। इस पर सामान जप्त कर ऑनलाइन बीसीआर की कार्रवाई की जा रही थी। इस दौरान भीड़ जमा हो गई। रामवतार यादव, शिवलाल यादव, रघुवीर सिंह, कैलाश एवं नत्थू राम, श्रीराम एवं अन्य करीब दो दर्जन व्यक्तियों ने लाठी-डंडों एवं पत्थरों से वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटनाक्रम में सहायक अभियंता द्वारका प्रसाद के हाथ में चोट आई। मारपीट एवं पथराव की घटना में राजगढ़ एवं टहला क्षेत्र की करीब आधा दर्जन गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने राजकार्य में बाधा एवं संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

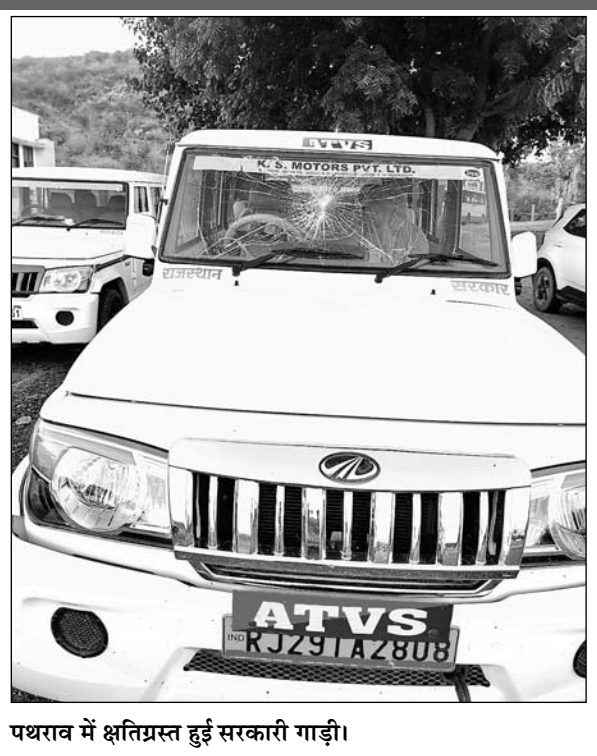

पथराव में क्षतिग्रस्त हुई सरकारी गाड़ी।

बबाई में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर पथराव

खेतडी, (निसं)। उपखंड के बबाई में अतिक्रमण हटाने गई प्रशासनिक टीम पर पथराव करने के मामले में प्रशासन की ओर से थाने में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया हैं। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है तथा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सीआई विनोद सांखला ने बताया कि तहसीलदार विवेक कटारिया ने रिपोर्ट दी कि बबाई के 400 केवी जीएसएस के सामने राजकीय भूमि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणा में बबाई में औद्योगिक क्षेत्र बनाने की घोषणा की गई थी। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर भूमि खसरा नंबर 172 भूमि उद्योग क्षेत्र के लिए प्रस्ताव तैयार कर एसडीएम की अभिशंसा पर प्रस्ताव तैयार कर जिला कलेक्टर को भिजवाया जा चुका है। औद्योगिक क्षेत्र की भूमि में आत्माराम, सुल्तान बंजारा निवासी अशोकनगर के द्वारा अवैध अतिक्रमण की नियत से निर्माण कार्य शुरू किया गया था। जिस पर बबाई भू अभिलेख निरीक्षक व हल्का पटवारी द्वारा निर्माण कार्य बंद करने के लिए उन्हें पाबंद भी किया गया था। इस दौरान प्रशासन की ओर से उन्हें हिदायत दी गई थी कि उक्त भूमि औद्योगिक क्षेत्र प्रस्तावित हो चुकी है। इसमें किसी प्रकार का कोई निर्माण कार्य नहीं किया जाए। लेकिन आरोपियों ने प्रशासन की चेतावनी को नजरअंदाज कर अवैध निर्माण कार्य किया जा रहा था। जिस पर प्रशासन की टीम ने पुलिस चौकी बबाई के जाब्ते के साथ निर्माणधीन निर्माण को हटाने के लिए पहुंची तो सुरजाराम, रघुवीर, आत्माराम, पप्पू राम, सुल्तान, अनिल, संदीप व तीन-चार अन्य महिलाओं ने एक राय होकर प्रशासन की टीम पर पथराव कर दिया। इस दौरान तीन-चार महिलाओं ने महिला पटवारी सरिता को जान से मारने का प्रयास करते हुए राजकार्य में बाधा पहुंचाई। इस दौरान पथराव कर रहे आरोपियों ने जानबूझकर पथराव से गाडियों के शीशे तोड दिए तथा राजकार्य में बाधा पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। सीआई विनोद सांखला ने बताया कि पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है।

- **पुलिस ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की**

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ई-निविदा की संक्षिप्त सूचना

राजस्थान विश्वविद्यालय में स्वीकृत पदों के विरूद्ध रिक्त पदों पर एजेन्सी के माध्यम से कार्मिकों की सेवाएँ लेने हेतु पृथक-पृथक ऑन लाईन अल्पकालीन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। अतः इच्छुक फर्म/कम्पनी/निविदादाता दिनांक 15.02.2023 को अपरान्ह 01.30 बजे तक ई-प्रोक्यूरमेंट पॉर्टल पर ई-निविदा अपलोड कर सकते हैं तथा निविदा प्रपत्र एवं शर्तों का विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.uniraj.ac.in पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकती है। UBN NO. URA2223SLOB00182 (तकनीकी कर्मचारियों बाबत) UBN NO. URA2223SLOB00183 (गैर तकनीकी कर्मचारियों बाबत)

कुलसचिव

कार्यालय जिला परिषद राजसमन्द

क्रमांक:-जिपरा/क0लि0 भर्ती-2013/प्र0सू0तृ0/2022-23/2190 दिनांक 8-02-2023

विज्ञप्ति

जिला परिषद राजसमन्द द्वारा कनिष्ठ लिपिक भर्ती हेतु 2013 के अन्तर्गत पर्याप्त संख्या में पात्र अभ्यार्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण अतिरिक्त अस्थाई प्रतीक्षा सूची दिनांक 18-01-2023 को जारी कर दिनांक 30-01-2023 तक आपत्तियां मांगी गई थी। प्राप्त आपत्तियों के निराकरण उपरान्त अतिरिक्त अस्थाई प्रतीक्षा सूची दिनांक 08-02-2023 को जारी कर विभागीय पोर्टल www.rajpanchayat.rajasthan.gov.in पर अपलोड हेतु प्रेषित कर दी गई है एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है।

उक्त विभागीय वेबपोर्टल पर अपलोड अतिरिक्त तृतीय प्रतीक्षासूची में उल्लेखित क्र.सं. 1 से 50 तक के अभ्यर्थी दिनांक 13-02-2023 एवं क्र.सं. 51 से शेष समस्त अभ्यर्थी दिनांक 14-02-2023 को दस्तावेज सत्यापन एवं पात्रता जांच हेतु प्रात: 10:00 बजे से कार्यालय समय तक कार्यालय जिला परिषद राजसमन्द के सभागार में अभ्यर्थी अपने साथ आवेदन पत्र मूल दस्तावेज मय स्वप्रमाणित प्रति, वांछित शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज सहित स्वयं उपस्थित होना सुनिश्चित करावें। सम्बन्धित अभ्यर्थी के निर्धारित दिनांक में उपस्थित नहीं होने की स्थिति में अभ्यर्थी की नियुक्ति हेतु विचार नहीं किया जायेगा एवं दस्तावेज सत्यापन हेतु पुन: अवसर प्रदान नहीं किया जावेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी अभ्यर्थी की स्वयं की रहेगी।

(उत्साह चौधरी) IAS
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
जिला परिषद राजसमन्द

जयपुर में फिर प्रोपर्टी कारोबारी को मिली लॉरेंस गैंग की धमकी

पीड़ित ने प्रतापनगर थाने में मामला दर्ज कराया, पुलिस ने सुरक्षा दी

- लारेंस गैंग के अनमोल विश्नोई ने व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी की मांग की है
- गैंगस्टर्स को सोशल मीडिया पर फोलो व लाइक करने वाले 4 लोगों को गिरफ्तार किया

जयपुर। राजधानी में जी क्लब में फायरिंग के बाद एक और प्रोपर्टी कारोबारी को धमकी मिली है। लारेंस गैंग के अनमोल विश्नोई ने व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी की मांग की है। इस संबंध में पीड़ित ने प्रताप नगर थाने में सोमवार को रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने व्यापारी को सुरक्षा मुहैया करवा दी है।

पुलिस ने बताया कि काकी कॉलोनी निवासी प्रोपर्टी डीलर व होटल व्यापारी को 6 फरवरी को फोन पर वॉयस मैसेज कर धमकी दी गई। उसके बाद व्यापारी को दो बार इंटरनेशनल मोबाइल नंबर से वाट्सएप कॉल आए, जिसे व्यापारी ने रिसीव नहीं किया। कॉल रिसीव नहीं करने के कारण व्यापारी को धमकी भरे 5 वॉयस मैसेज आए। उसके बाद फिर से वाट्सएप कॉल आया जो रिसीव नहीं किया। जिसके बाद व्यापारी को धमकी भरे 3 यूट्यूब क्लिप भेजे गए। तीन वाट्सएप कॉल आए। व्यापारी को वीडियो क्लिप भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस का भाई अनमोल विश्नोई बताया। कॉल रिसीव कर बात नहीं करने पर उसने गोली मारने की धमकी दी। क्लिप में धमकी दी कि साथ मिलकर चलो नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को गोली मार दी जाएगी। धमकी के चलते व्यापारी दहशत में है। इधर पुलिस गैंगस्टर्स की कमर तोड़ने में लगी हुई है। इसके चलते गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई, रोहित गोदारा, संपत नेहरा और रितिक बॉक्सर को सोशल मीडिया पर फोलो व लाइक करने वाले 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। डीसीपी ईस्ट डॉ. राजीव पचार ने बताया कि इन गैंगस्टर्स को पोस्ट को लाइक व शेयर करने पर पुलिस ने मालवीय नगर, जवाहर सर्किल, बस्सी और रामनगरिया से शिवसिंह शेखावत, विकास शर्मा, अभिषेक मीणा तथा सौरभ नारौली को गिरफ्तार किया है।

'जलमहल की पाल पर लग रहे नाइट मार्केट की शर्तों की पूरी जांच होगी'

डॉ. जोगाराम ने परकोटे की सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई

जयपुर (कासं)। जलमहल की पाल पर लग रहे नाइट बाजार को लेकर सवाल खड़े होने लगे है। स्वायत्त शासन सचिव डॉ. जोगाराम व निदेशक हृदयेश शर्मा ने बुधवार को हैरिटेज निगम मुख्यालय पहुंचकर कमिश्नर विश्राम मीणा से नाइट बाजार को लेकर लंबी चर्चा की। इस दौरान नाइट बाजार के नाम पर जनता से शुल्क वसूली सहित अन्य मुद्दों को लेकर टैंडर शर्तों को फिर से जांचने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। डॉ. जोगाराम ने शहर में बदहाल सफाई व्यवस्था पर नाराजगी जताई और अफसरों को नियमिति मॉनिटरिंग करने को कहा है।

स्वायत्त शासन सचिव डॉ. जोगाराम और निदेशक हृदयेश शर्मा ने बुधवार को हैरिटेज निगम कमिश्नर विश्राम मीणा के साथ चर्चा की।

सूत्रों के मुताबिक बुधवार को करीब ढाई घंटे चली इस बैठक में स्वायत शासन सचिव डॉ. जोगाराम ने अधिकारियों को दिल्ली व आगरा की ओर से जयपुर शहर में प्रवेश के द्वारों को स्वच्छ, सुन्दर बनाने की बात कही। यूनेस्को टेग के संबध में किये गये कार्यों पर चर्चा करते हुए उन्होंने यूनेस्को रिकमंडेशन की पालना में किये गये कार्यों की पीपीटी तैयार करने की बात कही। टेक्निकल हैरिटेज कमेटी के गठन के आदेश का नोटिफिकेशन नगर निगम हैरिटेज के स्तर से कराये जाने के निर्देश भी दिए।

जोगाराम ने नगर निगम जयपुर हैरिटेज को आंवटित एक रसोई के लिए स्टेट नोडल अधिकारी के साथ चर्चा कर जगह चिन्हित करने, कांवटिया अस्पताल के गेट नं. 1 पर संचालित इंदिरा रसोई को स्पेस सिनेमा के पास स्थानांतरित करने और जनता बाजार गोविन्द जी मंदिर के पास संचालित इंदिरा रसोई का जीणोद्धार करवाने के निर्देश दिये। बाजारों में लाइट व्यवस्था ठीक करने, सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना व 15वें वित्त आयोग के तहत जारी अनुदान राशि से करवाये गये कार्यों के साथ ही विधानसभा के लंबित प्रकरणों आदि के संबध में अफसरों को निर्देश दिए। बैठक में स्वायत्त शासन निदेशक हृदयेश कुमार शर्मा एवं आयुक्त विश्राम मीणा सहित निगम के अफसर मौजूद रहे।

संक्षिप्त

राष्ट्रीय लोक अदालत 11 को

जयपुर, (का.सं.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 11 फरवरी को हाईकोर्ट सहित प्रदेश की निचली कोर्ट में साल की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से केस का निपटारा करने के लिए 8,07,142 केसों को चिन्हित किया गया है। इन केसों में 4,65,614 केस प्रिलिटिगेशन के हैं और 3,41,528 केस कोर्ट में लंबित केस हैं। इन केसों की सुनवाई के लिए 500 बेंच बनाई गई हैं। रालसा के सदस्य सचिव प्रमिल कुमार माथुर ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा केसों के निस्तारण के लिए रोडवेज, परिवहन, राजस्व सहित अन्य विभागों के सचिवों के साथ बैठक आयोजित की गई है। इसके अलावा बैंकों व बीमा कंपनियों के अफसरों के साथ भी उनसे जुड़े केसों में निस्तारण के लिए बातचीत की है। वहीं प्री-काउंसलिंग के सेशन भी करवाए हैं और सरकारी विभागों के अधिकारियों के साथ रालसा ने बैठक की ताकि उनके विभाग में लंबित राजीनामे योग्य मुकदमों को सूचीबद्ध किया जा सके।

फर्जी परीक्षार्थी चकमा देकर फरार

जयपुर (कासं)। गांधीनगर इलाके स्थित पोलोटेक्निक कॉलेज में एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़ा गया, जोकि चेकिंग दस्ता को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश में जुटी है। थानाधिकारी सुरेंद्र यादव ने बताया 7 फरवरी को झालाना स्थित राजकीय खेतान पोलोटेक्निक कॉलेज में थर्ड सेमेस्टर की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस दौरान चेकिंग दस्ते ने गौरव कुमार मीणा की जगह मनीष बासलीवाल को परीक्षा देते पकड़ा गया। इस दौरान मनीष चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

जयपुर (कासं)। एयरपोर्ट इलाके में एक युवती से देहशोषण का मामला सामने आया है। थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया इलाके निवासी 33 वर्षीया युवती की करीब 5 साल पहले सोशल मीडिया पर विजेंद्र से दोस्ती हुई थी। आरोप है शादी का झांसा देकर विजेंद्र पीड़िता के साथ देहशोषण करता आ रहा है। इस दौरान नकदी और गहने पर भी हड़प लिए। अब शादी से इंकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

यात्री के बैग में कारतूस मिला

जयपुर। सिंधी कैंप इलाके स्थित मेट्रो स्टेशन पर एक यात्री के बैग में कारतूस मिला है। पुलिस ने बताया 6 फरवरी को भूड़ा गेट, डीग जिला भरतपुर निवासी ओमप्रकाश जाटव मेट्रो स्टेशन पर गेट नंबर 1 से बाहर आ रहा था। इस दौरान चेकिन मशीन में बैग जाने पर बीप हुई। अंदर तलाशी में देशी कट्टे का जिंदा कारतूस मिला। इस पर आरोपित ओमप्रकश जाटव को गिरफ्तार किया गया है।

'मालवीय नगर में अवैध निर्माणों की बाढ़'

जयपुर (कासं)। राजधानी के मालवीय नगर क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रहे अवैध निर्माणों की शिकायत वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम कोली ने मुख्यमंत्री के ओएसडी और जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन को भेजी है।

आर.एस.कोली ने अपने पत्र में लिखा कि राजधानी के पॉश एरिया मालवीय नगर में इन दिनों अवैध निर्माणों की बाढ़ आई हुई है। जीरो सेटबैक पर धड़ल्ले से अवैध इमारतें बनाई जा रही है, इसके बावजूद जेडीए व नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हुए है। उन्होंने बताया कि जेडीए की अधिगृहित भूमि व अनुमोदित योजनाओं में अवैध निर्माण चरम पर हैं।

उन्होंने कहा कि अतिक्रमी, बिल्डिंग बायलॉज की धज्जियां उडाकर अवैध निर्माण करने में जुटे हैं। यहां पार्क-6 तथा 300 से 500 वर्गगज के 15 प्लॉटों पर कब्जा करके बिना साइट प्लान ढेडे-मेढ़े निर्माण किये जा रहे हैं, यहां तक कि सड़क पर भी कब्जा किया जा रहा है। इन कब्जों का रिकॉर्ड भी जेडीए में उपलब्ध नहीं है। इतना सब होने के बावजूद भी जेडीए और नगर निगम के अधिकारी इन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई करने के बजाय पूरी तरह चुप्पी साधे बैठे हैं।

मालवीय नगर क्षेत्र में जीरो सेटबैक पर तैयार होती अवैध इमारतें।

बदमाशों ने वृद्धा का पर्स छीना

जयपुर। मालवीय नगर में बाइक सवार बदमाश एक वृद्धा का पर्स छीन ले गए। जांच-अधिकारी एएसआई मीठा लाल ने बताया गणेश विहार, मॉडल टाउन निवासी लाजवंती (78) मंगलवार शाम करीब 4 बजे घर की तरफ पैदल आ रही थी। इस दौरान बाइक सवार बदमाश झपट्टा मार पर्स छीन ले गए। पर्स में कुछ नकदी, मोबाइल सहित सोने की चूड़ियां रखी थी।

सार-समाचार

502 ग्राम पंचायतों में उप स्वास्थ्य केंद्र

जयपुर। राज्य सरकार 'निरोगी राजस्थान' की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरंतर कदम उठा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के 502 ग्राम पंचायत मुख्यालयों में नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र खोले जाने की स्वीकृति दी है। इन उप स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए कुल 502 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (प्रत्येक केन्द्र पर एक) के पदों के सृजन को भी मंजूरी दी गई है। प्रस्ताव के अनुसार, प्रत्येक नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्यों हेतु 30 लाख रुपए तक का प्रावधान किया गया है। नवीन उप स्वास्थ्य केंद्रों के भवन निर्मित होने तक वैकल्पिक रूप से अस्थायी भवनों में इनके संचालन की व्यवस्था की जाएगी।

स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू

जयपुर। कृषि क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता में वृद्धि और राजस्व हानि को रोकने के लिए डिस्कॉम द्वारा स्वैच्छिक भार वृद्धि घोषणा योजना लागू की गई है। योजना के तहत् कृषि कनेक्शन के अनाधिकृत बढ़े हुए भार को बिना किसी पेनल्टी के मात्र धरोहर राषि जमा करवाकर नियमित कर दिया जाएगा। योजना 31 मार्च, तक प्रभावी रहेगी। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक अजीत कुमार सक्सैना ने बताया की कृषि उपभोक्ताओं को फसल की सिंचाई के लिए निर्धारित ब्लॉक के अनुसार पूरी और अच्छी गुणवत्ता की बिजली आपूर्ति के लिए यह योजना लागू की गई है। उन्होंने बताया कि जिन कृषि उपभोक्ताओं ने कनेक्शन लेने के बाद किसी भी कारण से स्वीकृत भार से अधिक क्षमता की मोटर लगाकर अनाधिकृत रूप से अपने विद्युत भार को बढ़ा लिया है, ऐसे कृषि उपभोक्ता इस योजना के तहत अपने बढ़े हुए भार को मात्र 30 रू प्रति एचपी प्रति माह की दर से 2 माह के लिए धरोहर राशि जमा करवाकर बढ़े हुए भार को नियमित करवा सकते है।

जेकेके में कला मेले का समापन

जयपुर। राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से तथा जेकेके की सहभागिता में आयोजित 23वें कला मेले का बुधवार को समापन हुआ। बीस सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष डॉ.चंद्रभान समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए दिव्यांग चित्रकार बजरंग लाल सुथार को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रदान किया गया। मेले में 15 कलाकारों त्रिलोक चंद जांगिड, उषा पुरोहित, नीरजा शेखावत, इकबाल हुसैन, भारती आर्य, ओजस्वी अग्रवाल, विनीता कसाना, निकिता, नैना सोमानी, मानवेन्द्र सिंह, एकता शर्मा, शिवपाल कुमावत, प्रवीण कुमार, वाणाश्री राजू दाबीर व स्नेहा को सम्मानित किया।

दीक्षान्त समारोह तीन मार्च को

जयपुर (कासं)। श्रीकर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर का पंचम दीक्षान्त समारोह 3 मार्च को आयोजित होना निर्धारित किया गया है। कुलपति प्रोफेसर बलराज सिंह ने बताया कि स्नातक विद्यार्थियों को सत्र 2021-22 एवं स्नातकोत्तर व विद्या-वाचस्पति विद्यार्थियों को जनवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक उत्तीर्ण एवं नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों को उपाधिया एवं स्वर्ण पदक प्रदान किये जावेगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलाधिपति एवं राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। कुलसचिव बी एल बंजारा ने बताया कि उपाधियां प्रदान करने के लिए नियमानुसार योग्य विद्यार्थियों की अस्थाई सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइड पर उपलब्ध करवाई गई है एवं संबंधित महाविद्यालयों को भी उपलब्ध करवा दी गयी है।

वित्त समिति की बिना अनुमति 2 करोड़ रुपये का टैंडर करने पर चेयरमैन नाराज

शील धाबाई ने कमिश्नर महेन्द्र सोनी को नोटशीट भेजकर आपत्ति जताई

- ग्रेटर नगर निगम में अधिकारों को लेकर चेयरमैन और अफसरों में खींचतान शुरू

जयपुर (कासं)। ग्रेटर निगम में वित्त समिति की बिना अनुमति 2 करोड़ रुपये के टैंडर करने पर विवाद खड़ा हो गया है। वित्त समिति अध्यक्षा एवं पूर्व मेयर शील धाबाई ने कमिश्नर महेन्द्र सोनी को नोटशीट लिखकर नाराजगी जताई है।

सूत्रों की मानें तो पिछले दिनों ग्रेटर निगम के बजट प्रस्तावों को लेकर वित्त समिति की बैठक बुलाई गई थी। जहां समिति सदस्यों ने बजट तो पास कर दिया गया, लेकिन अन्य मुद्दों पर बिफर गए। नियम है कि 2 करोड़ रुपए से ज्यादा का टैंडर है तो वित्त समिति की अनुमति ली जाती है, मगर समिति को दरकिनार कर यहां लगातार टैंडर किए जा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो ग्रेटर नगर निगम ने पिछले दिनों सांगानेर, जगतपुरा, विद्याधर नगर, झोटवाड़ा और मानसरोवर में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के टैंडर किए थे। इसमें 10 गुणा तक ज्यादा दरें आई हैं। हालांकि अभी तक निगम ने वर्कऑर्डर नहीं दिया है। मगर वित्त समिति को आपत्ति है कि आखिर इन टैंडरों को लेकर समिति से अनुमति क्यों नहीं ली गई। इसके अलावा दूसरी बड़ी आपत्ति यह है कि जब बीवीजी कंपनी ने जयपुर की सफाई बंटाधार की, तब तय हुआ था कि एक ही कंपनी को सभी जोन में काम नहीं देंगे। इसके बावजूद वापस नियमों में बदलाव क्यों किया गया?

वित्त समिति चेयरमैन शील धाबाई का कहना है कि ग्रेटर नगर निगम में वित्त समिति को दरकिनार किया जा रहा है। किसी भी बड़े टैंडर में वित्त समिति की मंजूरी नहीं ली जा रही है। इसे लेकर समिति सदस्यों ने नाराजगी जताई है। मैंने आयुक्त तक आपत्ति पहुंचा दी है।

राजस्थान डेल्फिक खेल आज से

जयपुर (कासं)। अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य वीनू गुप्ता गुरूवार को दोपहर 1 बजे जवाहर कला केन्द्र में राजस्थान डेल्फिक खेलों का उद्घाटन करेंगी। उद्घाटन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति गायत्री राठौड, इंडियन डेल्फिक काउंसिल के अध्यक्ष एन.एन. पांडे एवं अन्तर्राष्ट्रीय डेल्फिक काउंसिल के महासचिव रमेश प्रसन्ना शामिल होंगे। यह जानकारी डेल्फिक काउंसिल राजस्थान की अध्यक्ष और प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रेया गुहा ने दी।

गुहा ने बताया कि डेल्फिक खेल 9 से 12 फरवरी को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में आयोजित होंगे। यह खेल शास्त्रीय संगीत, भारतीय, फिल्म संगीत, लोकप्रिय संगीत, (भारतीय फिल्म संगीत के अलावा) शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य समकालीन नृत्य फोटोग्राफी (2 श्रेणियां) समेत कुल छह वर्गों में आयोजित होंगे एवं प्रत्येक वर्ग के लिए नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान पहला राज्य है जो इस प्रकार के खेल आयोजित कर रहा है। डेल्फिक खेलों का आयोजन दो चरणों में हो रहा है। पहला चरण ऑनलाइन था, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा 8 जनवरी तक आवेदन किया गया। इनमें से चयनित प्रतिभागी जवाहर कला केन्द्र में आयोजित होने वाले द्वितीय चरण में सम्मिलित हो रहे है।

भाजपा पार्षदों की नाराजगी के बाद बैंगलुरु का टूर रद्द

भाजपा पार्षद कुसुम यादव के साथ बुधवार को कई पार्षदों ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया।

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम की ओर से पार्षदों के सैर-सपाटे के लिए तय किया गया बैंगलुरु टूर अब रद्द हो गया है। भाजपा पार्षद कुसुम यादव ने बताया कि बुधवार को भाजपा के पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने आयुक्त विश्राम मीणा को ज्ञापन देकर प्रस्तावित टूर का विरोध जताया। पार्षदों ने कहा कि एक तरफ नगर निगम में वार्डों के विकास कार्यों के लिए पैसा नहीं है, दूसरी तरफ पार्षदों के टूर के नाम जनता के पैसों की बर्बादी क्यों की जा रही है । पार्षदों के टूर पर किया जाने वाला खर्च यदि वार्डों में विकास के लिए खर्च किया जाएगा, तो उसमें जनता का भला होगा । पार्षदों के बैंगलोर जाने से जनता का भला नहीं होने वाला है। पार्षदों की इस नाराजगी को भांपते हुए आयुक्त विश्राम मीणा ने फ़िलहाल इस टूर को स्थगित कर दिया है। पार्षदों के प्रतिनिधि मंडल में कुसुम यादव, विमल अग्रवाल, श्याम सुंदर सैनी, रितु किशोर मोतियानी, घनश्याम टेपन और अमर गुर्जर समेत कई लोग मौजूद थे।

डी.सी.पी. के हस्तक्षेप के बाद हत्या का मुकदमा दर्ज

जयपुर (कासं)। प्रतापनगर इलाके में हुई युवक की मौत के मामले में अब डी.सी.पी. के हस्तक्षेप के बाद हत्या का पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया शाहबाद जिला हरदोई (यूपी) हाल आमेर निवासी शाबिर शाह ने रिपोर्ट दी है कि उसका भाई सरताज (32) द्वारकापुरी में रहता था। आरोप है 2 जनवरी को शिवा मीना, किशन और मनोज ने शराब पार्टी के दौरान उसके भाई सरताज की हत्या कर दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मृतक के भाई शाबिर ने रिपोर्ट दी है कि प्रताप नगर थाना इलाके के सीतापुरा में स्थित एक फैक्ट्री में उसका भाई सरतार काम करता था। जो यूपी का रहने वाला था। 1 जनवरी को सरतार ने भाई को जानकारी दी की उसके दोस्त किशन का जन्मदिन है। पार्टी करेंगे। 2 जनवरी को रात 2 बजे जयपुरिया अस्पताल से फोन आया कि आप के भाई को कुछ लोग इलाज के लिए लाए थे। जांच से पता चला की वह मर चुका है। सूचना पर पूरा परिवार 2 जनवरी को सुबह जयपुरिया अस्पताल पहुंचा। डॉक्टरों ने मृतक की बॉडी परिवार के लोगों को दिखाई। शाबिर शाह प्रताप नगर थाने गया। हत्या की रिपोर्ट पुलिस को दी। वहां मौजूद एसआई मुकेश मीणा और संग्राम सिंह ने हत्या की रिपोर्ट लेने से इनकार करते हुए शिकायत ले ली। इसके बाद परिवार के लोग पोस्टमार्टम कर शव लेकर यूपी चले गए। शाबिर शाह ने बताया कि कई बार प्रताप नगर थाने के चक्कर काटने के बाद भी उसके भाई की हत्या की रिपोर्ट प्रताप नगर थाना पुलिस ने नहीं लिखी। जब की उसके भाई के दोनों पैर और हाथ में मल्टीपल फैक्चर हैं। डॉक्टरों ने बताया कि उसके मुंह से भी झाग निकल रहा था। इसकी जांच कराने के लिए विसरा को एफएसएल में भेजा गया हैं। शरीर पर मारपीट के निशान को देख कर साफ लग रहा है कि हत्या हुई है। पुलिस ने एक नहीं सुनी इस पर मुख्यमंत्री कार्यालय को ईमेल कर घटना की जानकारी दी गई। इस पर 29 जनवरी को डीसीपी इस्ट कार्यालय से फोन आया। इस पर डीसीपी ईस्ट राजीव पचार से पीड़ित परिवार ने बात की और उनकी आप बीती सुनी। जिस पर 4 फरवरी को डीसीपी का दोबारा फोन आया और उन्होंने कहा- आप प्रताप नगर थाने जाकर मामला दर्ज करवा दो।

'चेयरमैन-पार्षदों के विरोध पर एक माह में हटेगा कचरा डिपो'

धावास रोड कचरा डिपो पर गत दिनों करंट से हुई थी गौवंश की मौत

जयपुर (कासं)। करणी विहार क्षेत्र में धावास रोड अंडरपास के नजदीक बना कचरा डिपो अब एक महीने में हटाया जायेगा। चेयरमैन राखी राठौड़, प्रवीण यादव और पार्षद निशांत सुरोलिया, मदन शर्मा, सुरेश कुमार, पीयूष व महेन्द्र की नाराजगी व विरोध के बाद ग्रेटर नगर निगम प्रशासन बैकफुट पर आया है।

पार्षद निशांत सुरोलिया ने बताया कि गत दिनों इस कचरा डिपो पर करंट लगने से चार गौवंश की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस लापरवाही पर पर्दा गिराने के लिए नगर निगम प्रशासन ने तुरंत मृत गौवंश को उठाया और मामला दबाना चाहा। लेकिन घटना के बाद से ही स्थानीय लोग आक्रोशित थे, लगातार इस कचरा डिपो को हटवाने की मांग उठ रही है। बुधवार को पार्षद निशांत सुरोलिया ने चेयरमैन राखी राठौड़ व प्रवीण यादव व अन्य पार्षदों के साथ यहां पहुंचकर धरना-प्रदर्शन शुरू किया। मामला तूल पकड़ता देखकर स्थानीय मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी (सी.एस.आई.) ने एक महीने में कचरा डिपो को यहां से शिफ्ट करने का आश्वासन दिया। निशांत सुरोलिया ने बताया कि धावास रोड अंडरपास के पास सर्विस लिंक रोड पर नगर निगम में यहां कचरा डिपो बना रखा है। इस कारण यहां दुर्गंध के कारण स्थानीय लोगों के साथ-साथ यहां से गुजरने वाले हजारों लोगों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है।

करणी विहार क्षेत्र में धावास रोड के नजदीक बने कचरा डिपो को हटवाने के लिए बुधवार को कई चेयरमैन व पार्षदों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

एस.एन.एफ तकनीक से कूल्हे का जोड़ प्रत्यारोपण

जयपुर (कासं)। जयपुर के मानसरोवर में स्थित इंडस जयपुर अस्पताल में हड्डी एवं जोड रोग विभाग द्वारा जयपुर निवासी 25 वर्षीय मरीज पिछले कई वर्षों से परेशान था। मरीज का एक पैर छोटा हो गया था, क्योंकि मरीज की उम्र 28 वर्ष मात्र थी ऐसे में जरूरी था कि भविष्य के लिए बोन प्रीजर्विंग जोड़ इस्तेमाल किया जाएं। इसी कारण डॉ. दिलिप मेहता ने (एसएमएफ)से इनका हिप रिप्लेसमेंट किया

- मानसरोवर स्थित इंडस अस्पताल में हुआ ऑपरेशन

एसएमएफ स्टीम कम उम्र वाले मरीजों के लिए उपयुक्त है क्योंकि ये सम्पूर्ण हड्डी को प्रिजर्व करती है। इससे पहले डॉ. दिलिप मेहता ने एसएमएफ के 3 और केस कर चुके है पोस्ट कैविड प्रीजर्विंग कॉन्सेप्ट जो कि देखा गया है पिछते कुछ दिनों से काफी तेजी से बढ़ रहा। ऐसे मरीजों को बेन प्रीजर्विंग कॉन्सेप्ट को समझना चाहिए और उपयुक्त सलाह उपरान्त ही ऑपरेशन करवाना चाहिए।

डॉ. दिलिप ने इस तरह की जटिल सर्जरीयों के लिए अमेरीका व जर्मनी से विशेष प्रशिक्षण लिया हुआ है। जिसके चलते यह संभव हो पाता है इससे पहले भी डॉ.दिलिप लगातार ऐसे ऑपरेशन करते आ रहे है और ज्वाइंट प्रीजर्विंग सर्जरी करने में निपुण है।

ARBiT
it happens here...

Mechanical Puzzle

Rubik's Cube is a 3-D combination puzzle invented in 1974, by Hungarian sculptor and professor of architecture Erno Rubik. Originally called the Magic Cube, the puzzle was licensed by Rubik to be sold by Ideal Toy Corp. in 1980, via businessman Tibor Laczi and Seven Towns founder Tom Kremer, and won the German Game of the Year special award for Best Puzzle that year. Although the Rubik's Cube reached its height of mainstream popularity in the 1980s, it is still widely known and used.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
9 February 2023
A-B

#MIND&BODY

Get a brain workout

The brain has the size and appearance of a small cauliflower, but thanks to its 100 billion nerve cells, it enables you to think, plan, talk, imagine, and so do much more. In our day-to-day life we meet many people, we come across new things and we have opportunities to learn, but we do not always benefit from it because we underutilize our brain.

Difficulty in memorizing a person's name or recalling recent events are signs that the grasping capacity of the brain has slowed down. Often genetics, diet during infancy, vaccination, childhood illnesses, exam stress etc, affect the development of our brain. The only solution to overcome this situation is to exercise the brain. Similar to a gym workout and dieting to overcome obesity, we can also train our brain to exceed its initial intellectual capacity. You can enhance your thinking capacity through activities like learning new words, playing games that stimulate the brain, challenging your IQ and following a healthy diet.

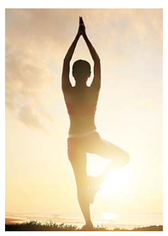

Here are a few tips that will help you exercise your brain:

Yoga & meditation: These are good sources of exercise for the brain, as they involve contraction and relaxation of different muscle groups and regulate breathing that help in keeping the mind and the body active and focused.

Active reading: This provides mental stimulation, keeping your brain active and engaged. It keeps you focused in the present, takes your mind away from everyday stress and allows you to relax.

Creative writing: This requires steady thinking and is an excellent source of brain workout. Writing one page a day about anything under the sun can also be fun. This is a real stress buster, as clears the mental blocks, helping you explore your creative side.

Use your less dominant hands: Keep your left hand busy if you are right handed and vice versa. This stimulates the part of your brain that controls your muscles. Use your less dominant hand for activities like writing, drawing or playing games like badminton, carom etc. When you use the non-dominant hand, both hemispheres of your brain get activated, triggering improved memory functioning.

Walking backwards: Walking in reverse will tease the sphere of the brain, and set a "red alert" . This activity will increase your problem solving skills, also involve one or more of your senses at a time. This is a fine example of a neurotic activity. Neurotic activities help the growth of new neural connections to your brain. You can try it for five minutes in between your daily walks.

Physical workout: A healthier mind is a result of healthier body. Exercise at home, go to the gym or practice yoga. Choose any fun fitness routine that can keep your brain happy.

Learn and memorize new things: Learning new words, trying out crosswords and puzzles for at least 15 minutes each day will prove beneficial. This will increase your learning capacity and improve your memory.

Give your brain a break: Like every other part of your body, the brain also needs rest. It never really shuts down, but focusing on a single point or meditating can actually help you relax the muscles in your brain. It will up your concentration, make you calm and focused. Listening to soft instr-umental music with your eyes closed for at least 10-15 minutes is enough to rejuvenate your brain.

Increase your listening capacity: As you listen more you will be able to think and talk more with improved language. Listen to the news, speeches and songs at least once a day.

Eat healthy: Consume healthy meals to sharpen your brain. Ensure you have a wholesome breakfast, as this will provide lot of energy to your body and mind. Fruits, vegetables and cereals that are rich sources of vitamins and minerals help by protecting your brain cells from damage. Walnuts, avocados, berries, olive oil, green leafy vegetables are excellent brain tonics.

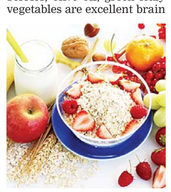

The key to successful management of brain is to keep it relaxed and calm. Each of us have our own mental capacity, so you should experiment with techniques that can help you maintain a balance, and learn what works best for you.

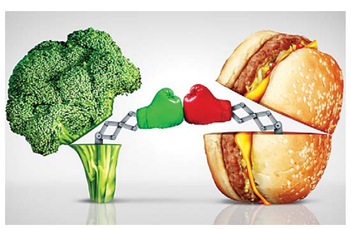

Stop!! It's Red Light!

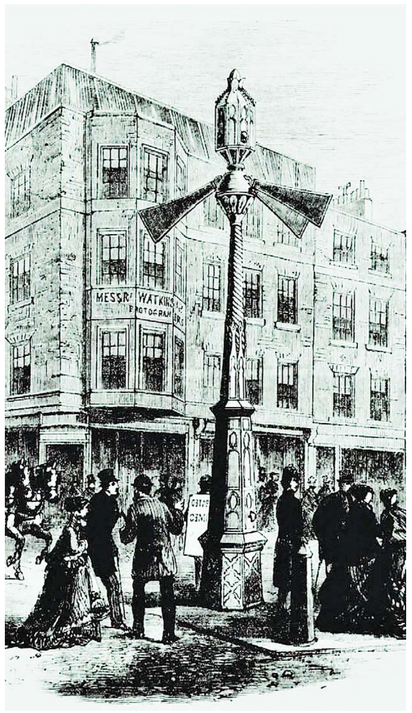

The first trafic lights in England.

When the traffic lights were installed in Japan the green light was called blue (ao in Japanese). In Japan for long there was no colour called green. So when the traffic lights were installed although the light was green in colour the locals called it blue. The leaves, trees were also called blue. It was much later that the word 'Midori' was coined for green.

Dr Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Story teller

#LIFESAVER

We were returning to Sutton (UK) late on a winter night. My brother in Law Ajai and I had gone to a concert. The roads were deserted and we were driving at a fairly fast clip through the deserted streets. As we approached a traffic light we stopped at a red light. We had not seen a car on the streets for quite some time. At this time of the night it felt absurd to stop at a red light. This was the era before cameras had been installed to log the red light transgressors. So I remarked that it was unnecessary to stop at a red light at that moment. My brother in law looked at me and sternly said – you stop at a red light! It matters little whether the streets are crowded or it is the middle of the night. The traffic light is there to protect us and has to be obeyed 24 x 7.

There have been rules of driving ever since there has been traffic. In the Roman era when chariots were hurtling down the narrow lanes of the eternal city and conquered nations rules had to be created for people to move along at a safe and sedate pace. As time passed and the numbers of chariots and horses increased it was advisable to have some uniform method of traffic control. Some sort of regulation about which side of the road is used was first introduced then. But overtaking and right of way at a crossing was still a matter of who was stronger, bulkier and swifter. Rules of the crossing and right of way were a far dream. It may surprise many readers that the first traffic lights were seen in 1868 in England nearly half a century before motor cars had been produced.

The first traffic lights were designed for a busy crossing near Great George and Bridge Street and were in operation on December 9th, 1868. The light was 22 feet tall and had semaphore arms that swung up horizontally (Stop!) or dropped to a 45 degree angle(Proceed). It was manually operated and had a hazardous gas lamp for use in the darkness which exploded about four months after its installation. It was only after Henry Ford's Model T started the motor car revolution and began crowding the streets Lester Wire (a Police Officer) invented an electric red and green 'Stop' and 'Go' system. This was the crude version that got modified as time passed. Initially a horn was added by James Horne when the lights changed. Later the intermediate amber (Yellow) colour was added to warn the drivers that the lights were going to change. Automated and sequenced traffic lights were much later innovations for the smooth running of the traffic. In the 1950's, pressure plates installed under intersections allowed for full computerisation of traffic lights. Toronto in Canada was the first city to have a fully computerized traffic control in 1963.

In Jaipur, where till recently slow moving bullock carts, cycle rickshaws and two wheeled cycles plied in the main roads along with cars and motor cycles the behaviour at the traffic light was quite variable.

AS the motor cars spread through our world the rules of driving too moved with the creation of metaled roads and crossings. The colour code of the traffic lights was confirmed by most nations. In some nations a bluish light was installed above the traffic lights to illuminate the crossing well and allow the traffic policeman to identify the transgressor.

When the traffic lights were installed in Japan the green light was called blue (ao in Japanese). In Japan for long there was no colour called green. So when the traffic lights were installed although the light was green in colour the locals called it blue. The leaves, trees were also called blue. It was much later that the word 'Midori' was coined for green.

In India the first traffic light was installed at Egmore junction, Chennai in 1953. The second was put up at the Corporation Circle in Bangalore. They were manual to begin with and later electrified. The problem used to arise when the electricity went off. The traffic then became chaotic and it was then a case of might is right! Recently most traffic lights are installed with solar panels.The colours of the traffic lights are the same as in the other countries but the interpretation was much to our inclination. The lights treated in more cavalier manner as long as there was no policeman to supervise. It also depended very much on what kind of a vehicle was used. In Jaipur, where till recently slow moving bullock carts, cycle rickshaws and two wheeled cycles plied in the main roads along with cars and motor cycles the behaviour at the traffic light was quite variable. The cyclists and the rickshaws ignored the lights and made their sedate way across crossings despite the lights being red. It was the duty of the faster drivers to make sure they were not run over. To make the matters worse the pedestrians ignored the zebra crossing. At the Rambagh crossing the students from the nearby school are not at all concerned about the vehicular traffic. They make their way across in a diagonal fashion with their mobiles plastered to their ears. It is the concern of the drivers to make sure that they are not run over.

The reaction of motorized vehicles at traffic lights also depend quite often whether it is two wheeler or a bigger vehicle. Normally all vehicles are supposed to stop well before the white line and zebra crossing when the red light comes on. Most cars do make it a point to stop at the right place but often there will be some who do a late braking and are stuck half way across the zebra. There is never any option of reversing as there are long rows of vehicles behind. However, the two wheelers have their own rules. At first they will continue to wiggle between cars in an uncaring manner to reach as close to the front as possible. It matters little to them if they scratch cars in doing so. Once they reach the front they have a peculiar two step movement. Although the red light may be still on they will try to go close to the front and even cross the zebra crossing so that they are the first to be off once the light turns green. Of course, lane driving has little meaning for them. It is quite common for them to cross from the left lane for a right turn. Their lives depend on the driver and brakes of the motor cars that are going straight ahead.

It is indeed a pity that traffic lights have in no way reduced the number of traffic policemen at crossings in India. The number of violators of the traffic lights varies according to the number of visible policeman at any given moment.

I have always been curious how colour blind appreciate and follow the traffic lights. I was told that such people are able to perceive different shades of black and white which they then identify as the various colours seen by normal people. They also remember by rote that red is the topmost colour while the other colours follow down the column.They are eligible to get a driving license in India after submitting an eye test report.

Traffic lights are here to stay. The sooner we learn to follow the rules regarding them the sooner the roads will be safer. It is high time pedestrians too are also made to obey rules about road crossing. 'Jaywalking' can lead to injury or even death!

writetoarbit@rashtradoot.com

The first traffic lights were designed for a busy crossing near Great George and Bridge Street and were in operation on December 9th, 1868. The light was 22 feet tall and had semaphore arms that swung up horizontally(Stop!) or dropped to a 45 degree angle(Proceed). It was manually operated and had a hazardous gas lamp for use in the darkness which exploded about four months after its installation.

LIFESTYLE

Getting the kitchen game right

Today, kitchen appliance brands are listening to their customers and paying heed to their needs by coming out with a plethora of new products. Kitchen tools high on innovation and packed with features is the answer to your problems.

The fast pace of our contemporary lifestyle has most of us burning the candle at both ends. With limited time, we are constantly on the lookout for tips on how to reduce the time we spend in the kitchen. As we enter a new year, many of us will be prioritising our resolutions, cultivating new hobbies, and putting in place a roadmap to living a more fulfilling 2018. The best way to free up more time for these pursuits is to spend less time in the kitchen. For this, it is crucial to have the right cooking tools and gadgets to make life easier.

Cooking becomes a much more pleasurable experience when we take away the laborious and time-consuming element from the preparation work. Today, kitchen appliance brands are listening to their customers and paying heed to their needs by coming out with a plethora of products to help the home chef. Kitchen tools high on innovation and packed with features is the answer to your problems.

What are some of the interesting tools out there that can help you speed up your cooking? Here are some essentials.

Every Indian kitchen needs a vegetable cutter, as vegetables are an important part of our diet. A vegetable cutter ensures that the vegetables are chopped in a fine manner, and save the time and effort of the cook by significantly reducing the preparation time.

It is also crucial that every kitchen has an electric chopper to make light of tedious tasks like chopping onions, mincing meat and cutting fruits.

Rotis, a staple in every Indian home, are tedious to prepare. A roti-maker can help you make fluffy and round rotis. The roti-maker kneads the dough as well, thereby saving a lot of effort and taking away the hassle of kneading the dough yourself.

The key to saving time and effort is to opt for kitchen gadgets that can multi-task. Normally, we use multiple cookwares like *kadais, handis* or pressure cookers to cook a complex dish. But go for an appliance such as a clip-on pressure cooker, which offers the options of sauteing, steaming, frying, boiling and pressure cooking all in one pan itself. Indeed, the humble pressure cooker has undergone a huge transformation.

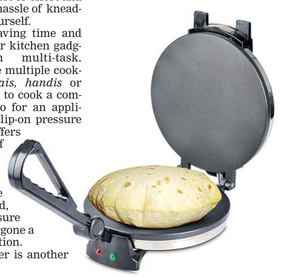

The rice cooker is another such gadget that should have a place of pride in every Indian kitchen. From rice to porridge, soup, stew, pulao, idlis and steamed vegetables, this multi-functional gadget truly takes away the hassle of cooking.

And if you happen to be a novice cook, then consider a microwave pressure cooker that offers an exceptionally speedy experience. Enjoy delicious home-cooked food with zero effort. The microwave pressure cooker can be used for cooking, heating or even steaming, thus allowing an escape from the hassle of the morning rush. All you need to do is put the contents in the cooker, place it in the microwave and set the timer.

Make 2018 your best year ever and ensure that you have plenty of time to pursue new endeavours by making sure your kitchen gadgets work for you.

THE WALL

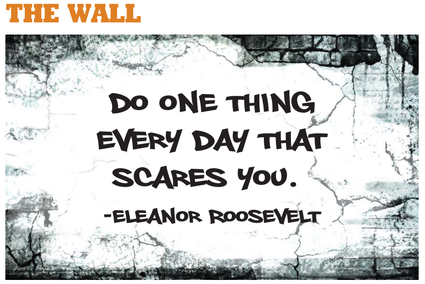

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

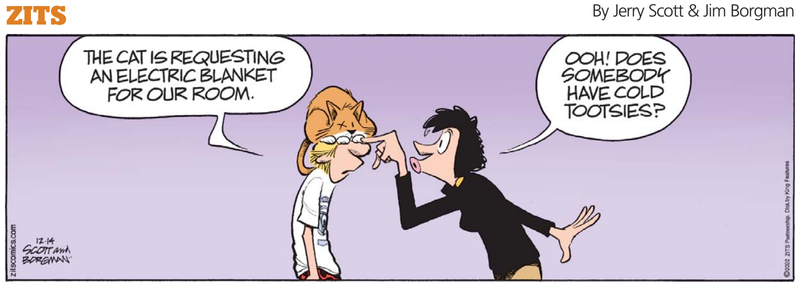

डीडवाना को जिला बनाने की मांग ने जोर पकड़ा

विधायक चेतन डूडी की अगुवाई में रामलुभाया कमेटी से मिला प्रतिनिधि मंडल

डीडवाना, (निसं)। राज्य बजट प्रस्तुत करने की तारीख नजदीक आने के साथ ही डीडवाना को जिला बनाए जाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। इसके तहत बुधवार को डीडवाना विधायक चेतन डूडी की अगुवाई में डीडवाना का एक प्रतिनिधिमंडल नए जिलों के लिए गठित कमेटी के अध्यक्ष रिटायर्ड आईएएस रामलुभाया से मिला और ज्ञापन एवं तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत कर डीडवाना को जिला बनाने की मांग रखी।

इस मौके पर विधायक चेतन डूडी ने कहा कि डीडवाना तत्कालीन राज्य का परगना रहा है। आजादी से पूर्व भी डीडवाना में जिला कलेक्टर के समक्ष सुपरिटेंडेंट का पद था। इसके अलावा 1996 से ही डीडवाना अतिरिक्त जिला मुख्यालय रहा है। डीडवाना में जिला स्तरीय सभी कार्यालय मौजूद है ओर अब केवल जिला कलेक्टर व एसपी के पदों की ही जरूरत है। उन्होंने बताया कि डीडवाना की को जिला बनाने की मांग 4 दशक पुरानी है। तत्कालीन परमेश्वरचंद, सिंधु कमेटी के अलावा राजस्व मंडल व तत्कालीन नागौर जिला कलेक्टर भी डीडवाना को जिला बनाने की अनुशंसा कर चुके हैं।

विधायक चेतन डूडी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने रिटायर्ड आई.ए.एस. रामलुभाया से मुलाकात की।

- ज्ञापन व तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपकर की डीडवाना को जिला बनाने की मांग
- 'वर्तमान में जिला बनाने की दौड़ में सबसे योग्य डीडवाना'

डूडी ने कहा कि डीडवाना का प्रशासनिक ढांचा बेहद मजबूत है और सड़क व रेल मार्गो से भी डीडवाना के लिए आवागमन की सुविधा उपलब्ध है। डीडवाना की भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, संसाधन व उपलब्ध कार्यालय जिला बनाने के उपयुक्त है। इसलिए लोगों की मांग और भावनाओं को ध्यान में रखते हुए डीडवाना को जिला बनाया जाना चाहिए। इस मौके पर कमेटी के अध्यक्ष रामलुभाया ने सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

दिव्या मित्तल रिश्वत मामला: वॉइस सैंपल प्रार्थना पत्र पर कोर्ट में हुई बहस

किसी नतीजे पर नहीं पहुंची कोर्ट, मामले में अगली सुनवाई 10 फरवरी निर्धारित की

अजमेर, (कासं)। दो करोड़ की रिश्वत मामले में गिरफ्तार एसओजी की एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल की बुधवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। एडिशनल जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में एसीबी द्वारा मित्तल के वॉइस सैंपल लेने के लिए लगाए गए प्रार्थना पत्र पर बहस हुई। एक घंटे चली बहस के बाद कोर्ट किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। कोर्ट ने मामले में अगली सुनवाई 10 फरवरी निर्धारित की। मालूम हो कि दिव्या मित्तल 17 फरवरी तक जेल में बंद है।

दिव्या मित्तल की फाइल फोटो।

दो करोड़ों रुपए कथित तौर पर रिश्वत मांगने की एसओजी की निलंबित एडिशनल एसपी दिव्या मित्तल के मामले में बुधवार को अदालत में वॉइस सैंपल लेने के लिए एसीबी के लगाए गए प्रार्थना पत्र पर बहस हुई, जिसमें एसीबी की ओर से एसीबी अधिकारी मांगीलाल कोर्ट में पेश हुए। दिव्या मित्तल की ओर उनके वकील प्रीतम सिंह सोनी कोर्ट में उपस्थित थे। प्रार्थना पत्र पर चली एक घंटे की बहस के बाद भी कोर्ट किसी नतीजे पर नहीं पहुंची। एसीबी का कहना है कि दिव्या मित्तल की दवा निर्माता और दलाल सुमित के बीच जो बातचीत हुई है उसकी रिकार्डिंग उनके पास है। उसकी मिलान करने के लिए दिव्या मित्तल का वायस सेंपल लेना जरूरी है। जिससे कि बातचीत को कोर्ट में सबूत के तौर पर पेश किया जा एके। जिस पर आपत्ति दाखिल करते हुए दिव्या के वकील ने तीन सवाल किए है।

उनका सवाल है कि हाई कोर्ट की ऐसी कोई गाईडलाईन है जिसके तहत आरोपी का वायस सेंपल लिया जा सके। दूसरा यह कि इस कोर्ट के पास इस मामले को सुनने का अधिकार ही नहीं है। इस मामले की सुनवाई विशेष अदालत में ही हो सकती है। सोनी ने उस सीडी की कापी भी मांगी है जिसमें आरोपी दिव्या मित्तल की आवाज रिकार्ड होने का दावा किया जार रहा है। एडवोकेट सोनी ने कोर्ट में फिर से सैंपल की अर्जी को खारिज करने की दलील दी। बुधवार की सुनवाई में कोर्ट किसी भी मुद्दे पर किसी मुकाम पर नहीं पहुंची, जिस पर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 10 फरवरी तय की है।

बैंक लूट कर भागे बदमाशों की पुलिस से मुठभेड़

तीन बदमाशों के गोली लगी, जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले के दिहोली थाना इलाके के मरेना कस्बे में बुधवार दोपहर को 6 बदमाशों ने फायरिंग कर पीएनबी बैंक से 4 लाख रुपए लूट लिए। जिसके बाद भागते समय इन बदमाशों की पुलिस के साथ मुठभेड़ हो गई। जिसमें 3 बदमाशों के गोली लग गई। जिन्हें पुलिस ने पकड़ लिया और इलाज के लिए जिला अस्पताल धौलपुर में भर्ती कराया। वहीं पुलिस 3 भागे हुए बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार पंजाब नेशनल बैंक मरेना में बुधवार को रेस्ट के बाद बाइक से 6 बदमाश आए। इन बदमाशों ने बैंक में घुसते ही हवाई फायरिंग की और मैनेजर पर कट्टा तान दिया। इसके बाद 4 लाख रुपए लूटकर उत्तर प्रदेश की तरफ भागने लगे। लूट की जानकारी मिलने के बाद मनियां सीओ दीपक खंडेलवाल के नेतृत्व में पुलिस ने बदमाशों की घेराबंदी की। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिस पर पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। जिसमें 3 बदमाशों को गोली लग गई। जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- बदमाश फायरिंग कर पी.एन. बैंक से 4 लाख रुपए लूटकर भाग रहे थे

धौलपुर एसपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि बदमाश दोपहर करीब 3 बजे 2 बाइक पर आए। इनमें से 3 बदमाश बैंक के अंदर घुसे। एक बदमाश ने हवाई फायर किया और मैनेजर को बंधक बनाकर 4 लाख लूट लिए। बैंक में डकैती डालकर भाग रहे बदमाशों की जानकारी मिलने के बाद दीपक खंडेलवाल के नेतृत्व में मनियां थाना प्रभारी लाखन सिंह और दिहौली थाना प्रभारी बीधाराम राम की टीम ने 3 बदमाशों का पीछा किया और मुठभेड़ के बाद तीनों को पकड़ लिया गया। एसपी ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान पकड़े गए तीनों बदमाश बसेड़ी थाना क्षेत्र के पूंठपुरा गांव के रहने वाले हैं।

गोली लगने से घायल हुए बदमाश सौरभ, विवेक और अंकित को राधे का पूरा गांव के पास से मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने पकड़ लिया है। उन्होंने बताया कि डकैती डालने के बाद बदमाशों ने रास्ते में एक राहगीर की बाइक भी छीन ली और उत्तर प्रदेश की ओर भागने लगे। पीछा कर रही पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस को घटना की जानकारी दे दी। उत्तर प्रदेश पुलिस और राजस्थान पुलिस की घेराबंदी देखकर बदमाश वापस राधे का पुरा गांव में घुस गए। जहां बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में बदमाशों के पैर में पुलिस की गोली लग गई।

भीलवाड़ा जेल का निरीक्षण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम के साथ आज जिला कारागृह में सघन चैकिंग की गई, लेकिन कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। इसके चलते जेल प्रशासन ने राहत की सांस ली। एएसपी मैत्रेयी ने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई एवं जेल में सक्रिय आपराधिक तत्वों के खिलाफ सघन चैकिंग आदेशानुसार पुलिस महानिदेशक व महानिदेशक जेल के जिला कारागृह के आकस्मिक चैकिंग के बाद बुधवार को यहां एडीएम सिटी व एएसपी मुख्यालय के निर्देशन में टीम ने दोपहर जिला जेल में प्रवेश किया।

इनके साथ टीम में डीएसपी सिटी, कोतवाल, पुलिस के 35 जवान, जेल के 12 प्रहरी के साथ ही जेल अधीक्षक सिंह, दो जेलर भी थे। टीम ने जेल के सभी 263 बंदियों की बारिकी से तलाशी ली। इनके कपड़ों व सामान के साथ ही सभी 6 बैरिक, खुला परिसर का चप्पा-चप्पा छान मारा, लेकिन कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। उधर जेल में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिलने से जेल प्रशासन ने राहत की सांस ली।

फायरिंग करने के आरोपियों को कोर्ट में किया पेश

राजू ठेहठ की हत्या करने के बाद हरडिया में फायरिंग की थी

खेतडी, (निसं)। सीकर में राजू ठेहट की हत्या करने के बाद हरडिया में फायरिंग की वारदात को अंजाम देने के दो आरोपियों को पुलिस ने बुधवार को कडी सुरक्षा में कोर्ट में पेश किया है। आरोपियों को खेतडी पुलिस ने फायरिंग के मामले में प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया था, जिन्हें घटनास्थल की तस्दीक करवाने के बाद कोर्ट में ले जाया गया।

सीआई विनोद सांखला ने बताया कि 3 दिसंबर को सीकर में गैंगस्टर राजू ठेहठ की कुछ युवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या की वारदात होने के बाद सीकर व झुंझुनूं की पुलिस ने आरोपियों को पकडने के लिए दोनों जिलों में हथियारबंद जवानों की नाकाबंदी करवाई गई थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि वारदात के आरोपी खेतडी थाना क्षेत्र में आए हुए हैं, जिस पर पुलिस ने सीकर सीमा से सटे खेतडी थाना इलाके में ए श्रेणी की नाकाबंदी कर रखी थी। इसी दौरान क्रेटा गाडी में सवार होकर आए युवकों ने बबाई चेक पोस्ट के पास नाकाबंदी तोडकर पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस ने जब आरोपियों का पीछा किया तो उन्होंने हरडिया में सडक निर्माण कार्य कर रही लेबर को हटाने के लिए फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी हवाई फायर करने के बाद मौके से फरार हो गए थे। जिसको पुलिस ने दूसरे दिन खनन क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेश किया।

सीआई ने बताया कि आरोपी जिला चरखी दादरी निवासी जतिन उर्फ जॉनी पुत्र रतन सिंह, सतीश पुत्र महिपाल को प्रोडक्शन वारंट पर लाया गया है। इस दौरान दोनों आरोपियों से 3 दिसंबर को की गई वारदात की मौका स्थल पर ले जाकर तस्दीक करवाई गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा और भी वारदातों की जानकारी जुटाई जा रही है। राजू ठेहठ की हत्या में शामिल दोनों आरोपियों को खेतडी लाया गया तो पुलिस थाने को छावनी में तब्दील कर दिया गया। पुलिस की ओर से हथियार बंद जवान थाने की सुरक्षा में लगाए गए। इस दौरान खेतडी, खेतडीनगर, मेहाडा, आरएसी, क्यूआरटी कमांडो हथियारबंद जवानों की तैनाती की गई तथा कडी सुरक्षा के बीच आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है।

हैड कांस्टेबल निलंबित, तीन पुलिस कर्मियों को थाने से हटाया

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ स्थित सारण नगर चुंगीनाका के पास में अधिवक्ता से हुई मारपीट के प्रकरण में अधिवक्ताओं के आंदोलन के साथ ही आज बनाड़ थाने के हैडकांस्टेबल लक्ष्मणसिंह को निलंबित करने के आदेश जारी हुए है। वहीं तीन पुलिस कर्मियों को थाने से हटाया गया है। जोधपुर के वकील दो दिन से लगातार इस बारे में आंदोलनरत रहने के साथ न्यायिक कार्यों का बहिष्कार पर उतर आए थे।

जानकारी के अनुसार आज राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसियेशन के अध्यक्ष एवं राजस्थान हाईकोर्ट लायर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष रवि भंसाली ने बयान जारी कर पुलिस कर्मियों पर हुई कार्रवाई को लेकर संतोष जताते हुए न्यायिक कार्य बहिष्कार का आंदोलन वापिस लेने की घोषणा की। अधिवक्ता गुरूवार से काम पर लौटेंगे। इससे पहले आज सुबह अधिवक्ताओं ने पुराना हाईकोर्ट परिसर

- सारण नगर चुंगीनाका के पास में अधिवक्ता से हुई मारपीट का मामला
- अधिवक्ताओं का न्यायिक कार्य बहिष्कार वापस लिया गया

पर धरने के साथ प्रदर्शन किया था। दोनों एसोसियेशनों की तरफ से पुलिस के आलाधिकारियों से दो दिन से बातचीत के साथ ज्ञापन तक दिया गया था। पुलिस अधिकारियों ने आज हैडकांस्टेबल के निलंबन के आदेश जारी किए वहीं तीन पुलिस कर्मियों को बनाड़ थाने से हटाया गया है।

राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन जोधपुर के अध्यक्ष रणजीत जोशी व राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन जोधपुर के अध्यक्ष रवि भंसाली ने संयुक्त रूप से सूचना जारी करते हुए अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार की घोषणा की थी। कोर्ट परिसर में अधिवक्ता इस घटना को लेकर एकत्र होना शुरू हो गए थे। एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि अधिवक्ता जोगेंद्र के साथ मारपीट के मामले में पुलिस कमिश्नर को प्रतिवेदन देकर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की गई लेकिन पुलिस ने खुद के बचाव में अधिवक्ता के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया। अब दोषी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार कर निलम्बित करने की मांग की गई थी।

एसोसिएशन के अध्यक्ष ने अधिवक्ता जोगेंद्र के साथ हुई मारपीट के मामले में मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष जस्टिस जीके व्यास को शिकायत की थी। आयोग को शिकायत प्राप्त होने के बाद अध्यक्ष जस्टिस जीके व्यास ने पुलिस कमिश्नर रविदत्त गौड़ को फैक्स व ईमेल के माध्यम से 22 फरवरी तक स्पष्ट कार्रवाई कर रिपोर्ट मांगी है।

सूने मकान से नकदी व जेवरात चोरी

उदयपुर, (कासं)। सूने मकान का ताला तोड़ कर नकदी व जेवरात चोरी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित खेमपुरा सोलकी रेस्टोरेंट बेडवास रोड़ प्रतापनगर निवासी माधवसिंह पुत्र रामसिंह ने प्रतापनगर पुलिस थाने मे प्रकरण दर्ज करवाया कि 4 फरवरी को मकान पर ताला लगा कर शादी समारोह में शामिल होने के लिए बाहर गया था। वापस लौटा तो ताला टूटा हुआ एवं कमरों मे सामान बिखरा पड़ा था। इस पर तलाशी ली तो सोने के कान के एयरिंग, कान के टॉप्स, 2 अंगुठी, चैन, सोने व चादी के पायल तथा चांदी की कटोरी तथा पाच हजार रूपये नकदी गायब थी इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पूर्व छात्र की मौत से गुस्साएं छात्रों ने धरना दिया

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी में पूर्व छात्र की मौत पर गुस्साए छात्रों ने बुधवार को यूनिवर्सिटी गेट पर ताला जड़ दिया और छात्र गेट पर ही धरने पर बैठ गए। किसी को अंदर नहीं जाने दिया गया। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक 21 वर्षीय चंद्रवीर सिंह राजावत सवाई माधोपुर का रहने वाला था।

बीएन यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र चंद्रवीर आर्मी की फिजिकल परीक्षा पास कर चूका था तथा फिटनेस के लिए बीएन ग्राउंड पर दौड़ का अभ्यास कर रहा था। मंगलवार को मैदान पर दौड़ के दौरान हार्ट अटक आने से उसकी तबियत बिगड़ गई। इसके बाद अन्य छात्रों ने तुरंत यूनिवर्सिटी में खड़ी

- छात्रों ने बी.एन. यूनिवर्सिटी गेट पर जड़ा ताला

एंबुलेंस को बुलाने के लिए कॉल किया, लेकिन एंबुलेंस ने आने में देरी कर दी। ऐसे में वहां मौजूद कुछ छात्र तुरंत चंद्रवीर को बेहोशी की हालत में अस्पताल लेकर रवाना हो गए, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रों ने बताया. उन्हें डॉक्टर ने कहा कि अगर थोड़ा देर पहले लेकर आ जाते तो उसकी जान बचाई जा सकती थी। ऐसे में छात्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी ने छात्रों की मेडिकल सुविधा के लिए जो एंबुलेंस रखी हुई है, वह उनके कोई काम नहीं आई। अगर एंबुलेंस समय पर आती तो चन्द्रवीर की जान बच सकती थी।

ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। मोबाईल पर अश्लील वीडियो तैयार कर पीडित को ब्लैकमेल कर नकदी वसूलने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित जनकपुरी प्रतापनगर निवासी भगवतीलाल पुत्र तुलसीराम सुथार ने प्रतापनगर पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि एक फरवरी रात में मेरे मोबाईल पर कॉल आया। उक्त कॉल उठाने पर बातचीत करने के दौरान नग्न हालत में बातचीत कर रही महिला ने मेरी अश्लील वीडियो तैयार कर ली तथा धमकाने पर उसके कहे अनुसार पांच हजार रूपये आरोपी के खाते में जमा करवाए तथा उसके कहने पर मैने अपने कपडे उतार लिए। कुछ समय बाद उक्त वीडियों वायरल करने की धमकी देकर रूपयोंकी मांग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

500 साल पुराने किले में होगी स्मृति इरानी की बेटी की शादी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर से 90 किलोमीटर दूर नागौर जिले के खींवसर फोर्ट में आज से केंद्रीय कपड़ा मंत्री स्मृति ईरानी की बेटी शनेल और अर्जुन भल्ला की हल्दी और मेहंदी की रस्म पूरी हुई। शादी के लिए स्मृति ईरानी आज सुबह 8 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंची। यहां से वे पूर्व कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह के साथ सड़क मार्ग से खींवसर पहुंचीं। जुबिन ईरानी एक दिन पहले ही यहां पहुंचे थे। जिस फोर्ट में शनेल और अर्जुन की शादी होगी, वह करीब 500 साल पुराना है। ये फोर्ट कई बॉलीवुड स्टार की पहली पसंद भी है। यहां कई बॉलीवुड मूवी की शूटिंग हो चुकी है। इस फोर्ट की सबसे खूबसूरत बात इसी के पास बने रेतीले धोरे हैं। रेतीले टीलों पर आज म्यूजिकल नाइट होगी। शनेल स्मृति के पति जुबिन ईरानी की पहली पत्नी मोना की बेटी हैं।

बेटी की शादी के लिए केन्द्रीय कपड़ा मंत्री स्मृती ईरानी जोधपुर पहुंची।

जानकारी के अनुसार केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी इंडिगो की फ्लाइट से जोधपुर पहुंचीं। यहां एयरपोर्ट पर पूर्व कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने उनकी अगवानी की। बुधवार को फोर्ट के लॉन एरिया को रंग-बिरंगी छतरियों से सजाया गया। इसके साथ ही एंट्री पर पतंगों की झालर लगाई गई है। ढोल-नगाड़ों के साथ परिवार की महिलाओं ने मेहंदी की रस्म पूरी की। वहीं बारात के लिए फोर्ट में मौजूद स्पेशल विंटेज कारों और जिप्सी को सजाया गया है।

नाइजीरियन तस्कर सहित तीन गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। नशे की सप्लाई करने के आरोप में पुलिस ने एक नाइजीरियन समेत श्रीगंगानगर के दो युवकों को गिरफ्तार किया है। नशीले पदार्थ के साथ पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर तस्करों को पकड़ा गया है। मीरा चौक चौकी पुलिस के एसआई रामविलास ने चार फरवरी को श्रीगंगानगर के एफ ब्लॉक के रहने वाले युवक साहिल चड्ढा पुत्र सुरेंद्र कुमार को 10 ग्राम नशीले पदार्थ के साथ पकड़ा था।

पूछताछ में नशे की सप्लाई करने वालों के बारे में जानकारी ली। जिसमें श्रीगंगानगर निवासी एक युवक और एक नाइजीरियन नागरिक का नाम सामने आया। जांच कर श्रीगंगानगर के हरदीप सिंह कॉलोनी निवासी मन्नू सैनी पुत्र दुर्गा सिंह और एक नाइजीरियन नागरिक ओनोयिमा जुलियन सिनेडू को गिरफ्तार किया। नाइजीरियन नागरिक अभी नई दिल्ली के मंडावली थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनगर में रह रहा था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

बीमा कम्पनी पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाया

राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग का फैसला

जोधपुर, (कासं)। राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने अपने फैसले में यह महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है कि यह विश्वास योग्य नहीं है कि कोरोना काल में एम्स जैसे विख्यात अस्पताल में बीमाधारक अपनी सुविधानुसार पांच दिन बिना जरूरत बीमा राशि लेने के वास्ते कोरोना ग्राषित होकर जानबूझ कर भर्ती रहा हो। राज्य आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश देवेंद्र कछावह, न्यायिक सदस्य निर्मल सिंह मेडतवाल और सदस्य संजय टाक ने जिला आयोग के आदेश को अपास्त करते हुए दो अपीलें मंजूर कर बीमा कम्पनी पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाते हुए परिवादी पिता पुत्र को पांच लाख रुपए दावा राशि मय 9 फीसदी ब्याज 45 दिवस में अदा करने का आदेश दिया।

सूरज नारायण मंगल और कार्तिक मंगल ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से अपील दायर कर कहा कि उन्होंने वर्ष 2020 में ढाई ढाई लाख रुपए की कोरोना रक्षक बीमा पॉलिसी करवाई थी, जिसमें यह प्रावधान किया गया था कि कोरोना ग्रसित होने पर बीमाधारी 72 घंटे से अधिक अस्पताल में भर्ती रहता है तो दावा किए जाने पर पूर्ण बीमा राशि प्राप्त होगी। पिता पुत्र दोनों को कोरोना होने पर नवंबर 2020 में एम्स अस्पताल में पांच दिन भर्ती रखा गया। लेकिन बीमा कम्पनी ने यह कहकर दावा खारिज कर दिया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं थी। जिला आयोग जोधपुर प्रथम ने यह कहकर दोनों परिवाद खारिज कर दिए कि परिवादी के घर में सुविधा नहीं होने से अस्पताल को सुरक्षित मानकर कोविड सेंटर में भर्ती हो गए।

- पांच लाख रुपए मय 9 फीसदी ब्याज पीड़ित को अदा करने का आदेश

अपीलार्थी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौरान यह असम्भव है कि एम्स जैसे विख्यात अस्पताल में भर्ती की मारामारी के दौरान बिना जरूरत के ही अपीलार्थी को पांच दिन के वास्ते भर्ती कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि बीमा कम्पनी यह साबित करने में अक्षम रही कि अपीलार्थी को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं थी सो जिला आयोग का फैसला खारिज किया जाए। बीमा कम्पनी की ओर से कहा गया कि पिता पुत्र अपनी इच्छा से एम्स के कोविड सेंटर में भर्ती हुए थे सो अपील खारिज की जाए।

राज्य आयोग ने दोनों अपील मंजूर करते हुए बीमा कम्पनी पर एक लाख रुपए हर्जाना लगाते हुए कहा कि तत्सम्य कोविड का इतना व्यापक असर था कि रोगियों को न केवल अस्पताल, बल्कि स्कूलों, होटलों और यहां तक ट्रेन की बोगियों में भी कोविड सेंटर बनाकर रखा गया था तो यह माने जाने योग्य नहीं है कि सामान्य व्यक्ति को एम्स जैसे अस्पताल में सिर्फ सुविधा की खातिर पांच दिन भर्ती रखा जा सके। उन्होंने बीमा कम्पनी के इस आक्षेप को भी रद्द कर दिया कि अपीलार्थी एम्स अस्पताल में भर्ती नहीं होकर कोविड सेंटर में भर्ती हुए थे। उन्होंने जिला आयोग के आदेश को निरस्त कर बीमा कम्पनी को निर्देश दिए कि दोनों अपीलार्थी को कुल पांच लाख रुपए मय 9 फीसदी ब्याज 45 दिन में अदा करें।

'हाथ से हाथ को जोड़कर चलेंगे तो कांग्रेस को कोई नहीं रोक सकता'

किशनगढ़ बास, (निसं)। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत किशनगढ़ बास में कांग्रेस की ओर से शुरू किए गए हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में विधायक दीपचंद खैरिया के कार्यालय पर पहुंची जहां कार्यकर्ताओं ने मंत्री का स्वागत किया।

विधायक के निजी मीडिया प्रभारी सुनील कांत गोल्डी ने बताया बुधवार को विधायक दीपचंद खेरिया कार्यालय पर आयोजित कांग्रेस की ओर से शुरू किए गए हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत के पहुंचने पर कार्यकर्ताओं की ओर से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कार्यकर्ता एक दूसरे का हाथ पकड़कर चलेंगे तो पार्टी मजबूत होगी और पार्टी मजबूत होगी तो राजस्थान में फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने से हमें कोई नहीं रोक पाएगा। विधायक दीपचंद खेरिया ने कहा 4 साल में हर मुश्किलों का सामना करते हुए सीएम अशोक गहलोत और राजस्थान सरकार ने विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

किशनगढ़ बास में विधायक दीपचंद खेरिया के कार्यालय पर आयोजित हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत (बीच में) ने कार्यकर्ताओं को एकता का संदेश दिया।

किशनगढ़ बास में कृषि कॉलेज बालिका महाविद्यालय खैरथल में सेटेलाइट हॉस्पिटल महाविद्यालय कोटकासिम में नगर पालिका उप तहसील जैसी अनेक सौगातें क्षेत्र को कांग्रेस ने दीं हैं।

इस मौके पर हरसोली मंडल अध्यक्ष दीपक चौधरी, माचा मंडल अध्यक्ष दशरथ सिंह राठौड, रणसिंह नेहरा, अशोक कुमार योगी, शैतान सिंह, संजय यादव, हवा सिंह, इस्लाम खान, रमेश चंद, सतवीर योगी, सरजीत सिंह, सतीश आर्य, खेमचंद, महावीर शर्मा, गिर्राज, रवि शर्मा, छितर सैनी, निज्जु खान,सूरजभान पतलिया सरपंच, हरि सिंह मेघवाल, महेंद्र सिंह, लालाराम, रूप सिंह राठौड, महेंद्र पीटीआई, मोहनलाल, मेघवाल मुबीन खान सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विश्वकर्मा योजना में लखेरा जाति को शामिल करने की मांग

देवली, (निसं)। लखेरा समाज के लोगों ने प्रधानमंत्री एवं राजस्थान मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

- केंद्र सरकार और राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा

स्थानीय लखारा समाज के लोगों ने ज्ञापन में बताया कि केन्द्र सरकार की पिछड़ी जाति को आर्थिक सम्बल प्रदान किये जाने वाली विश्वकर्मा योजना में लक्षकार लखेरा जाति को शामिल किये जाने की मांग रखी गई है। लखारा समाज के प्रमुख व्यक्तियों ने उपखंड अधिकारी के माध्यम से प्रेषित ज्ञापन मे बताया की हाल ही मे केन्द्र सरकार ने 145 जातियों को विश्वकर्मा योजना मे सम्मिलित किया गया जिसमें लखेरा, लक्षकार, लखारा, लेहरी जाति का नाम नहीं है।

भारत वर्ष में लखेरा, लक्षकार, लखारा, लेहरी के नाम से जानी जाने वाली जाति पूरे देश में निवास करती है और पिछड़ी जाति है जिसका पुस्तेनी कार्य लाख के चूड़े एव खिलौने आदि का अपने हाथो (शिल्पकार की भांति) से निर्माण कर घर-घर गांव गांव ढाणी पहरी लगाकर बेचने का व्यवसाय धंधा करते है। केवल मात्र यह ही जीविका का साधन है और यह धंधा करीब समाप्ती की ओर है सामाजिक आर्थिक स्थिति दयनीय है सरकार द्वारा सम्बल दिया जाना अति आवश्यक है।

अत: उपरोक्त समस्त बातों को ध्यान में रखते हुए हिन्दू लखेरा, लक्ष्कार, लखेरा, लेहरी जाति को विश्व कर्मा योजना में जोड़े जाने की मांग की है । ज्ञापन के दौरान पार्षद लोकेश लक्षकार, राजकुमार लक्षकार, गोपाल लाल, प्यारचन्द, गिरिराज बागडी, राजकुमार, मनोज, दिलीप, मनीष, रजनीश, कुशल चन्द, सत्यनारायण, शंकरलाल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल में विदाई समारोह

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महात्मा गांधी इंटरनेशनल सीबीएसई स्कूल में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। को-ऑर्डिनेटर अक्षय सैनी ने बताया कि जूनियर विद्यार्थियों द्वारा बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को विदाई दी गई।

कार्यक्रम संयोजक अशोक गहलोत ने बताया कि कार्यक्रम में निदेशक मोहर सिंह खर्रा, प्राचार्या कंवलजीत कौर, कॉलेज प्राचार्य डॉ वी.के.सैनी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मिस फेयरवेल कुमारी याशिका जांगीड (कला संकाय) एवं मिस्टर फेयरवेल मुनेश यादव (वाणिज्य संकाय) को चुना गया। छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे वेस्टर्न डांस, आधुनिक नृत्य, लोक नृत्य घूमर एवं गरबा का भी आयोजन किया गया। गणेश वंदना सोनल द्वारा प्रस्तुत की गई, वही ठुमकेश्वरी गाने पर याशिका और

समारोह में छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

मुस्कान द्वारा वाही वाही लूटी, मल्हारी सॉन्ग पर लक्ष्य एंड ग्रुप द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई, वहीँ मनीषा और खुशी ने गजबन सॉन्ग पर प्रस्तुति दी व राजस्थानी पैरोडी पर नीरू कलवानिया के द्वारा शानदार प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। अशोक कुमार प्रतिनिध सरपंच विशिष्ट अतिथि रहे।

दादरहेड़ा के क्रम्मोनत विद्यालय का उद्घाटन

खैरथल, (निसं)। राजस्थान किसान आयोग के उपाध्यक्ष एवं विधायक दीपचंद खैरिया ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ ही संस्कारवान बनाना जरूरी है। वे बुधवार को क्रम्मोनत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, दादरेहडा के उद्घाटन एवं वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि के संबोधित करते हुए बोल रहे थे।

समारोह में जिला प्रमुख बलवीर सिंह छिल्लर, किशनगढबास पंचायत समिति के प्रधान बीपी सुमन ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में में बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिसमें राजस्थानी प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रही।

सरपंच सीमा देवी को जिला प्रमुख, विधायक व प्रधान द्वारा श्रेष्ठ कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस अवसर पर विकास अधिकारी राजकुमार, राजेन्द्र रसगोन, पार्षद रामचन्द्र कामरेड, पूर्व एडीडीओ जसवन्त सिंह आर्य, सीमा देवी सरपंच, अशोक कुमार प्रतिनिध सरपंच विशिष्ट अतिथि रहे।

सड़क दुर्घटनाओं में चार जने घायल

निवाई, (निसं)। बुधवार को एनबीसी फैक्ट्री गुंसी के पास हुई दो सड़क दुर्घटना में 4 लोग घायल हो गए।

सभी घायलों को दो 108 एंबुलेंस की सहायता से राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय निवाई में भर्ती करवाया गया है। सदर थानाधिकारी नरेश कवर ने बताया कि लुहारा निवासी बाबू लाल बैरवा अपने चाचा माधोलाल बैरवा पुत्र भूरालाल के साथ निवाई में अपनी दो बेटियों की शादी के सामान की खरीददारी करने आया था। सामान को टेंपो से रवाना कर स्वयं अपनी बाइक से टेंपो के पीछे पीछे चल रहा था। इसी दौरान एनबीसी फैक्ट्री गुंसी के पास टेंपो के एक डिजायर कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से टेंपो असंतुलित होकर सड़क किनारे करीब 10 फीट गहरी खाई में जाकर पलट गया । टेंपो के पलटने से उसमें सवार टेंपो चालक एवं माधोलाल बैरवा पुत्र भूरा लाल उम्र करीब गंभीर घायल हो गए। इसी प्रकार बालचंद सैनी पुत्र गोपाल सैनी एवं सीताराम सैनी पुत्र श्योप्रताप सैनी निवासी गुंसी मोटरसाइकिल से मूण्डिया गांव में स्थित सहकारी समिति में लोन के काम से जा रहे थे। इसी दौरान एनबीसी फैक्ट्री के पास एक पेट्रोल पंप के नजदीक एक ट्रेलर ने उनकी बाइक के पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर से दोनों गंभीर घायल हो गए।

बिसलपुर बांध से एक मछुआरे का शव बरामद

देवली, (निसं)। 31 जनवरी की शाम को मछली पकड़ने के काम में आने वाली किश्ती समेत लापता हुए तीन मछुआरों में से बुधवार को दोपहर एक मछुआरे का शव नदी में तैरता मिल गया है। पुलिस ने बीसलपुर बांध के क्षेत्र उसे बरामद कर लिया है।

- 8 दिन पहले तीन मछुआरे लापता हुए थे

मामला यह है कि 31 जनवरी की शाम करीब 4 बजे रसूलपुर जिला समस्तीपुर बिहार निवासी पप्पू साहनी(35), विनोद साहनी(40), सीताराम साहनी बीसलपुर डेम के बाएं छोर पर बने मछली लैंडिंग सेंटर से अपने टापू पर बने कैम्प के लिए हस्तचलित किश्ती से रवाना हुए थे लेकिन बाद में उनकी किश्ती और तीनों जने लापता हो गए। बाद में परिजनों ने खूब खोजबीन की लेकिन जब उनका कोई पता नही चला तो 4 जनवरी को देवली पुलिस थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज कराई।

लापता होने के बाद पुलिस, आपदा प्रबंधन टीम व आरडीएफ की टीमों ने तीन- चार दिनों से खोजबीन के लिए अभियान चलाया लेकिन एक जने की जर्किन व चप्पू के अतिरिक्त कुछ नही मिला। बुधवार दोपहर उक्त मछुआरों में से पप्पू साहनी का शव तैरता मिला। बाद में पुलिस ने शव बरामद कर लिया जबकि दो अन्य मछुआरों की तलाश में तेजी खोज से शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल के लिए 9.15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजट स्वीकृत

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा के प्रयासों से सरकार ने लालसोट जिला अस्पताल में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए 915 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री मीणा ने बताया कि लालसोट में बन रहे जिला अस्पताल में चिकित्सकों नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कार्मिकों के आवास निर्माण एवं अस्पताल के लिए आवश्यक अन्य निर्माणों के लिए यह राशी स्वीकृत की गयी है। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी है जिसे जल्द ही पूर्ण करवा दिया जायेगा।

लालसोट में ज़िला अस्पताल बनने से लालसोट सहित आसपास के अन्य ज़िलो के लोगो को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

ग़ौरतलब है कि लगभग सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से लालसोट में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त जिला अस्पताल का निर्माण करवाया जा रहा है।

मंत्री जूली ने विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने बुधवार को अलवर ग्रामीण क्षेत्र के मालाखेडा ब्लॉक में 272.79 लाख रूपये की लागत राशि से बनने वाली सड़कों एवं विकास कार्य का शिलान्यास व उद्घाटन किया।

मंत्री जूली ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में बडी संख्या में सडक निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं। इन सड़कों के निर्माण होने से क्षेत्र में आवागमन के साथ-साथ विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री जूली ने उपखण्ड मालाखेडा के खेडली पिचनौत से मेदीबास तक 52.80 लाख रूपये की लागत से बनने वाली 1.60 किमी की सडक, खेडली पिचनौत सडक से दुल्ली भाल्यावास तक 39.70 लाख रूपये

मंत्री टीकाराम जूली (बीच में) ने मालाखेड़ा ब्लॉक में सड़कों एवं विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया।

की लागत से बनने वाली 1.20 किमी सडक, खेडली पिचनौत सडक से पीलारामा तक 43.50 लाख रूपये की लागत से 1.30 किमी सडक, गोपीसिद्ध सडक से नाहर शक्ति तक 42.90 लाख रूपये की लागत से 1.30 किमी सडक, खारेडा से खेडली पिचनौत तक 49.80 लाख रूपये की लागत से 1.5० किमी तक की डामर सडकों का शिलान्यास किया तथा खेडल पिचनौत में 44 लाख रूपये की लागत से मिनी सचिवालय, खारा कुआं से कैलाश बैरवा के घर तक 3 लाख रूपये की लागत से बनी इंटरलॉकिंग सडक एवं भण्डोडी मुख्य सडक से कॉपरेटिव गोदाम तक बनी इंटरलॉकिंग सडक का उद्घाटन किया तथा रा.उ.मा.विद्यालय खेडली पिचनौत के नवक्रमोन्नत स्कूल का 10 वीं कक्षा के टॉपर विद्यार्थी से उद्घाटन कराया व प्रतिभावान विद्यार्थियों की हौंसला अफजाई कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरीय क्षेत्र (न.पा.) रींगस, जिला-सीकर (राज.)
क्रमांक-का.प्रा.अधि.न.क्षे.(न.पा.)रींगस/2022-23/4371 दिनांक-08.02.2023

प्रारूप-10 (नियम 6 (7) देखिए) **कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका रींगस**

लोक सूचना निम्न खातेदारों ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय प्रयोजन) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
1	श्रीमति जयन्ता पत्नि श्री सुभाष चन्द्र ढाका निवासी-वार्ड नं.02 ग्राम-बाजोर, जिला-सीकर	जिला सीकर तहसील रींगस	राजस्व ग्राम-रींगस	1667	2567.38 वर्गमीटर एवं आवासीय प्रयोजन

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान की और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्यक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनाक 8/2/23 को जारी की जाती है। (सीताराम कुमावत) प्राधिकृत अधिकारी, नगरीय क्षेत्र (न.पा.) रींगस

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, सांभर लेक जिला जयपुर (राज.)
E-mail-sambharnagarpallka@ gmail.com Phone-01425-228245

विज्ञापन का प्रारूप
नगरीय निकाय नाम

क्रमांक-7028 दिनांक-8-2-2023

विज्ञप्ति/सूचना

निम्न आवेदनकर्ताओं ने व सूची कॉलोनी/मौहल्ला में अपनी सम्पत्ति के पट्टे/अन्य कार्य के लिए आवेदन किया है। संबंधित आवेदन की विस्तृत जानकारी (नगरीय विकास का नाम) नगरपालिका मण्डल सांभर लेक व वेबसाइट nagar-palika-sambhar-author तथा nagar-palika-sambhar-approver एवं स्वायत शासन विभाग की वेबसाइट http://lsg.urban.rajasthan.gov.in तथा https://Sharhar2021.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। अपना दावा/आपत्ति (नगरीय निकाय का नाम) 07 दिवस में प्रस्तुत करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

कार्यालय नगरपालिका मण्डल सांभर लेक, जिला-जयपुर
क्रमांक/न.पा.सां./2023/7017 दिनांक-7-2-2023

आपत्ति/उज्रदारी सूचना

प्रशासन शहरों के संग अभियान के अन्तर्गत योजना रूपविहार कॉलोनी खसरा नं. 2364/577 व 2407/577 कुल रकबा 02 बीघा 05 बिसवा भूमि में से इन्फोरमल दुकान संख्या 01 से 06 के स्थान पर आवासीय भूखण्ड 202 वर्गगज परिवर्तित करवाना चाहता है जिसकी संख्या 39 बी रहेगी। इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/कॉलोनी वासी को आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्त्ता को सूचित करें।

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका सांभर लेक

उत्तर पश्चिम रेलवे G20 सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना भण्डार विभाग ई-प्रोक्यारेमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या : एस/2023/05 दिनांक : 07.02.2023

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, तृतीय तल, उ.प. रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर जयपुर-302017. निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदायें www.ireps.gov.in में सभी खुली ई-निविदायें 14.25 बजे बंद कर दी जायेंगी।

क्र. सं	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1	81231054ए	फ़्लॉग सिगनल (डेटोनेटर) डी आर जी.	66345	नग	27-02-2023
2	40221438	फोर वी डीप ग्रूव एक्सल पुल्ले असेंबली	179	नग	28-02-2023
3	63STRENGOL07	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मेनूफैक्चर सप्लाई ऑफ़ वेरियस टाइप सी एम एस क्रासिंग	631	सेट	28-02-2023
4	30230369	इमरजेंसी ब्रेक एक्सेलरेटर	40	नग	28-02-2023
5	60225045बी	डिज़ाइन, सप्लाई, इंस्टालेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग	02	नग	01-03-2023
6	63STRENNS08	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मैनूफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ़ ऑर्डिनरी रेल स्विचेस	365	सेट	02-03-2023
7	63STRENGOL06	रनिंग कॉन्ट्रैक्ट फॉर मेनूफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ़ वेरियस टाइप जी.आर.एस.पी.	2076 105000	सेट नग	06-03-2023
8	40231776	एसएमएफ बैटेरी कैपेसिटी 12वी/7एएच	3059	नग	28-03-2023

संशोधन

क्र. सं	निविदा सं. एवं दिनांक	निविदा सूचना संख्या	अल्प विवरण	एक्जिस्टिंग डेट	रिवाइज्ड डेट
1.	30223120ए	एस/2023/03 दिनांक 25-01-2023	ओवर हॉलिंग किट एंड अदर आइटम्स	06-02-2023	13-02-2023
2	30222197सी	S/2023/02 दिनांक 20-01-2023	बॉल जॉइंट रोल लिंक टू फ्लैट	14-02-2023	21-02-2023

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेशन/ बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते है। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्ट्रर्ड करें। (2) 25 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जायें।

135-DP/23

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर
Email ID:bdo.jai.gov.@gmail.com Phone No.01423-230025
क्रमांक-पंसगो/लेखा/ई-निविदा/2023/10 दिनांक-7-2-2023

ई-निविदा सूचना संख्या 6-7/2022-23

पंचायत समिति गोविन्दगढ़ एवं अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2022-23 में विधायक क्षेत्रीय विकास मद एवं SFCVI,FFC15th में स्वीकृत कार्यों/संकर्म राजस्थान लोक उपापन पारदर्शिता नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 (2) के अनुसार करवाने हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सात कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

UBN No-PFA2223WSOB00493 TO PFA2223WSOB00502 (ONLINE)
NIB No-PFA2223A0529 TO PFA2223 WSOB0538 (ONLINE)
UBN No-PFA2223WSOB00492 (OFFLINE)
NIB No-PFA2223A0528 (OFFLINE)

विकास अधिकारी
पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (दौसा)
Email ID-lalsot.jaipur@yahoo.com Ph.-01431-260714
क्रमांक-न.पा.ला./कृ.भू.रू./2023/ दिनांक-.....

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है नगर पालिका में निम्न आवेदकों द्वारा कृषि भूमि में पट्टा पत्रावली प्रस्तुत की है यदि उक्त आवेदन पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पता	खसरा नं. कस्बा व कॉलोनी नाम	वर्गगज	प्रयोजन
1	सुरेश चंद पुत्र बद्री लाल मीना बिलोना कलां	21/8 माधव नगर सीतारामपुरा चक नंबर 3	150	आवासीय
2	बर्फी देवी पत्नी कमलेश कुमार सैनी पट्टा कलां	239/5 आश्रम नगर ए नगरियावास	152.08	आवासीय
3	रामविलास शर्मा पुत्र चिरंजी लाल खेमावास	1326 रामेश्वरम कॉलोनी लालसोट	125	आवासीय
4	चमेली देवी पत्नी सत्यनारायण शर्मा, मुकेश कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद शर्मा डीडवाना	467 गणपति नगर लालसोट	245.83	आवासीय
5	राजकुमार पुत्र दुर्गालाल खाती दामोदरपुरा	3747/253/2 जमात लालसोट	153.33	आवासीय
6	मनोज देवी पत्नी कमलेश कुमार बोहरा लालसोट	996 नेहरू कॉलोनी लालसोट	113.77	आवासीय
7	हिमांशु गर्ग पुत्र गोपाल लाल गर्ग लालसोट	37/283 सुरक्षित नगर चांदसेन	169.07	आवासीय
8	हिमांशु गर्ग पुत्र गोपाल लाल गर्ग लालसोट	उपरोक्त	101.66	आवासीय
9	रामपुर खटीक पुत्र झूंथालाल खटीक लालसोट	4155/219 तुलसा नगर लालसोट	455.85	आवासीय
10	नानगी देवी पत्नी जगन लाल सुकार	3869/436 जगदंबा कॉलोनी के पास जमात लालसोट	122.22	आवासीय
11	रामकन्या देवी पत्नी सीताराम मीणा बगडी	3891/2031 गंगा युमना कॉलोनी लालसोट	166.66	आवासीय
12	भावना देवी पत्नी हंसराज मीणा काजी कुण्डली	उपरोक्त	166.66	आवासीय
13	हरिशंकर मंगल पुत्र लल्लू प्रसाद मंगल पीपल्दा	1000 नेहरू कॉलोनी लालसोट	266.66	आवासीय
14	जगमोहन मीणा पुत्र हरि भजन मीणा सुंदरी	322/200 ईशाक मोहम्मद कॉलोनी राजोली	144.66	आवासीय

उक्त आपत्ति आज दिनांक 8.2.23 को मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

(रक्षा मिश्रा)
अध्यक्ष
नगर पालिका लालसोट

(सीमा चौधरी)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका लालसोट

संक्षिप्त

सालाना उर्स मेला आज

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के श्रीरामनगर, अजमेरी गेट के निकट स्थित हिन्द-मुस्लिम एकता का प्रतीक हजरत सैय्यद लौटन शाह बाबा का सालाना उर्स मुबारक मेला 9 फरवरी को इन्तिजामियां सैय्यद लौटनशाह बाबा उर्स कमटी के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। कमेटी के सदर शोएब गौड देशवाली व सेक्रेटरी शक्कुर मौ.अब्बसी तथा कोषाध्यक्ष मौ.इरफान छीपा ने बताया कि प्रात: 7 बजे मजारे शरीफ पर कुरानख्वानी होगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे चादर शरीफ पर मुस्लिम मदरसा बाजार से रवाना होकर मुख्य बाजार होते हुए 4 बजे ढाणी कारीगरान स्थित मुस्लिम मदरसा होते हुए मजारे शरीफ पहुंचेगी।

आर्थिक मदद की

नरैना, (निसं)। देशवाली मदद फाउंडेशन संस्था द्वारा कस्बे के एक आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति के पक्के मकान की नींव लगाकर कार्य शुरू करवाया गया है। फाउंडेशन के सदस्य सद्दाम हुसैन बरबरा ने बताया कि देशवाली मदद फाउंडेशन राजस्थान में देशवाली समाज के निर्धन, विधवा,असहाय एवं मजबूर लोगों की मदद करने में हमेशा आगे रहता है एवं अपने स्तर पर कई लोगो की मदद भी कर चुका है।

लूट के आरोपियों को जेल भेजा

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। नीमराना कस्बे के आर टैक मॉल में हथियारों की नोक पर आर पी ज्वेलर्स के मालिक आनंद कुमार सोनी के शोरूम पर हुई 3 फरवरी की लूट के चार आरोपियों को 7 फरवरी को बापर्दा गिरफ्तार करने के बाद 8 फरवरी बुधवार को न्यायिक प्रक्रिया के तहत कोर्ट में पेश कर शिनाख्त परेड जे सी के लिए जेल भेजा गया।

हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू

पावटा, (निसं)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा राज्य की सभी 200 विधानसभा सीटों पर हाथ से हाथ जोडो अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत विधायक इंद्राज गुर्जर व राजेश गुर्जर द्वारा पावटा के घंटा घर चौक व प्रागपुरा कस्बे के सुभाष चौक से भारत जोडो यात्रा का शुभारंभ किया गया।

जन सुनवाई कार्यक्रम आज

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। जिला कलेक्टर के निर्देशन में चल रहे जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत बहरोड उपखंड के पंचायत समिति भवन में गुरुवार को जनसुनवाई का आयोजन सुबह 11 बजे किया जाएगा।

पुलिस की कार्यशैली से खफा हो बुलाये गये महापड़ाव में सर्व समाज उमड़ा

कोटपूतली, (निसं)। यूं तो राजस्थान पुलिस आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर का दावा करती है। लेकिन कोटपूतली विधायक व राजस्थान सरकार में गृह राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह यादव के क्षेत्र में पुलिस एक मौत की गुत्थी 3 महीने में भी नहीं सुलझा पाई है।

पुलिस की कार्यशैली से खफा मृतक विकास प्रजापति के परिजन व संघर्ष समिति ने बुधवार को स्थानीय आजाद चौक स्थित कचहरी परिसर में रामलीला मंच पर महापड़ाव बुलाया, जिसमें विभिन्न समाजों के हजारों लोगों ने शामिल होकर घटनाक्रम का विरोध जताते हुए आरोपीयों की गिरफ्तारी व सीबीआई जांच की मांग की है।

मृतक विकास प्रजापत के परिजनों व संघर्ष समिति ने बुलाये महापड़ाव में सभी समाजों के हजारों लोग शामिल हुए।

- विकास प्रजापत संदिग्ध मौत का मामला
- परिजनों ने आरोप लगाया कि 3 महीने गुजरने के बाद भी ना तो खुलासा हुआ, ना ही संतुष्टि पूर्ण जबाव मिला

गौरतलब है कि 4 नवंबर की शाम 18 वर्षीय विकास प्रजापत दोस्तों के साथ जाने की बात कह कर घर से निकला था। लेकिन अगले ही दिन उसका शव बीडीएम अस्पताल की मोर्चरी में मिला था। मृतक की छाती व पैरों पर चोट के निशान थे। पीठ पर भी खरोंचे या घसीटे जाने जैसे निशान थे। परिजनों ने मृतक के दोस्तों के खिलाफ नामजद हत्या का मामला दर्ज करवाया था।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने मामले को लेकर शुरू से ही गंभीरता नहीं दिखाई। ना तो आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई और ना ही आरोपियों का मेडिकल कराया गया। यहां तक की घटनास्थल पर फॉरेंसिक जांच भी 5 दिन बाद बुलाई गई, इस दौरान दो बार बारिश आ चुकी थी। यहां तक कि आरोपियों द्वारा मृतक का मोबाइल फेंकना स्वीकार करने के बावजूद पुलिस मृतक का मोबाइल भी बरामद नहीं कर पाई है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस हत्या के मामले को दुर्घटना का रूप देने पर तुली हुई है।

परिजनों के 18 सवाल जिनके जवाब नहीं दे रही कोटपूतली पुलिस : मृतक की बहन सीमा ने बताया कि कोटपूतली थाना पुलिस से इस घटना के संबंध में पहला सवाल यही पूछा जा रहा है कि घटना की रात 2 बजे घटनास्थल पर 8 लड़के क्या कर रहे थे।

जवाब में थाना पुलिस शराब पार्टी होने की बात कहकर मामले को भटका रही है। जबकि घटनास्थल से पुलिस को ना शराब पार्टी होने के सबूत मिले हैं और ना ही मेडिकल रिपोर्ट में कहीं अल्कोहल का उल्लेख है। यहां तक कि पुलिस ने तो नामजद रिपोर्ट होने के बावजूद आरोपियों का मेडिकल भी नहीं कराया। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल से मिले बिजली के तार, मृतक का मोबाइल फोन, अंडर गारमेंट्स जैसे 18 सवालों पर थाना पुलिस चुप्पी साध लेती है।

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीडित परिजन निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पिछले 50 दिन से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। कोटपूतली तहसील परिसर में चल रहे इस धरने को पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना, भाजपा नेता मुकेश गोयल, विहिप नेता पूर्ण भरगढ, जदयू नेता रामनिवास यादव ,भाजपा नेता शंकरलाल कसाना , एडवोकेट मुकेश कसाना, एडवोकेट विकास जंगल, बसपा के दीपचंद आर्य, बाबूलाल मास्टर, पार्षद कपिल चौहान, मनोनीत पार्षद गंगाराम वर्मा ,पूर्व सरपंच जयराम गुर्जर टापरी, एडवोकेट सुभाष घोघड, कुम्हार महासभा के प्रदेश अध्यक्ष किशोर दुल्हेपुरा, समाजसेवी राधेश्याम यादव शुक्लावास, किशनाराम प्रजापत नागौर आदि वक्ताओं ने सरकार व प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। महापडाव में 'आस- पास सहित सामाजिक संस्थाएं विराटनगर, थानागाजी, पावटा, बानसूर सहित अन्य जगहों से हजारों लोगों ने पहुंचकर अपनी उपस्थिती दर्ज कराई।

संरचना को हटाने की कार्यवायी पत्रावली की प्रतिलिपी मांगी

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय नगर परिषद् द्वारा कस्बे के आजाद चौक में तहसील परिसर के मुख्य द्वार पर विगत 23 जनवरी को कथित रूप से अतिक्रमण मानकर एक संरचना को हटाये जाने की कार्यवाही के मामले में कस्बे के मौहल्ला बुचाहेडा निवासी प्रभावित व्यापारी सूर्यकान्त उर्फ मणि पुत्र जगदीश प्रसाद बिदाणी ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजकर नगर परिषद द्वारा की गई समस्त कार्यवाही पत्रावली की प्रतिलिपी दिलवाये जाने की मांग की है।

- व्यापारी ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजा
- नगर परिषद् द्वारा अतिक्रमण मानकर संरचना को ध्वस्त किये जाने का मामला

ज्ञापन में बताया कि आजाद चौक स्थित बिदाणी परिवार के व्यावसायिक परिसर को नगर परिषद द्वारा सूर्यकान्त बिदाणी, मुकेश कुमार बिदाणी के नाम से एक अन्तिम नोटिस 20 जनवरी को जारी करते हुए सम्बंधित सम्पत्ति पर 22 जनवरी रविवार की शाम चस्पा कर नोटिस में 19 जनवरी को अतिक्रमण मानते हुए कार्यवाही का आदेश दिया गया था। जिसको लेकर उक्त आदेश से सम्बंधित नगर परिषद की कार्यवाही की पत्रावली नकल लेने हेतु व्यापारी सूर्यकान्त, विजय कुमार बिदाणी आदि द्वारा जरिये एड. मुकेश बिदाणी सूचना के अधिकार के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर 27 जनवरी को नकल मांगी गई थी। इस सम्बंध में एक प्रार्थना पत्र 6 फरवरी को भी प्रस्तुत किया गया था, लेकिन नगर परिषद द्वारा पत्रावली की नकल उपलब्ध नहीं करवाई गई। ज्ञापन में मुख्य सचिव सहित मुख्यमंत्री, जिला कलक्टर, सम्भागीय आयुक्त, एडीएम कोटपूतली, एसडीएम कोटपूतली व तहसीलदार आदि को भी प्रतिलिपि भेजते हुए बताया कि बार-बार परिषद कार्यालय में आवेदन के बावजुद भी प्रतिलिपि उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है। ज्ञापन में कोटपूतली नगर परिषद से उक्त नकल दिलवाये जाने की माँग की गई है।

'तारीख पे तारीख से मुक्ति जागरूकता से ही संभव'

टोंक, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक की ओर से बुधवार को नालसा मेगा विधिक सेवा शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय के नगर परिषद सभा भवन में किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) के अध्यक्ष अय्यूब खान ने कहा कि नालसा ऐसी संस्था है, जो गरीब को न्याय दिलाने की कोशिश करती है। यह ऐसी योजनाएं लाती है, जिससे गरीब को सस्ता, सुलभ और समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर यह कहते हैं कि आज अगर कोई मुकदमा करता है तो उसकी तीन पीढियां उस मुकदमे में उलझी रहती हैं, लेकिन वे इस धारणा को तोडने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी, पैसे या कारोबारी लेनदेन के विवादों या समझौते योग्य अपराधों के निस्तारण में हमारी पूरी टीम, हमारे न्यायिक अधिकारी, हमारे प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस अधिकारी जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि तारीख पे तारीख, तारीख पे तारीख से तभी मुक्ति मिल सकती है, जब हम जागरूक होंगे। इस जागरूकता के लिए हर तीन महीने में एक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। न्यायाधीश धर्मेंद्र शर्मा (पारिवारिक न्यायालय) ने कहा कि संविधान के भाग चार में नीति निर्देशक सिद्धांतों का उल्लेख किया गया है, जो हमें इस बारे में जागरूक करते हैं कि हमारे प्रति सरकार के क्या कर्त्तव्य हैं। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) देशलदान ने कहा कि जिला प्रशासन समाज की अंतिम पंक्ति में खडे व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया साथ ही अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। मंच संचालन कवि प्रदीप पंवार ने किया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गिरधर, पुलिस उप अधीक्षक (एससी/एसटी सेल) प्रदीप गोयल, एसीएम शिप्रा जैन, नगर परिषद आयुक्त अनिता खींचड, मुख्य विधिक सेवा प्रतिरक्षा अधिवक्ता रमेश शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नालसा मेगा विधिक सेवा शिविर को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अय्यूब खान (बाएं) ने संबोधित किया।

उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मान मिला

दौसा, (निसं)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा संस्थानों को मंगलवार को यहां जिला मुख्यालय पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में शील्ड और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला प्रजनन एवं शिशु सवास्थ्य अधिकारी डॉ सीताराम मीणा व उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ दीपक शर्मा ने प्रशस्ती पत्र प्रदान किए। जिला कार्यक्रम प्रबंधक गौरव गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर आरसीएचओ डॉ एस आर मीणा ने पीएमएसएम कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक

- पी.एम.एस.एम.ए. के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सा संस्थान सम्मानित

माह की 9 तारीख को पीएमएसएमए का आयोजन जिला अस्पताल सहित जिले के प्रत्येक सीएचसी और पीएचसी पर किया जाता है। राज्य सरकार ने कार्यक्रम की सफलता देखते हुए अब पीएको एक्सटेंडेड पीएमएसएमए में परिवर्तित करते हुए इसका आयोजन प्रत्येक माह की 9, 18 व 27 तारीख को करने के निर्देश दिए हैं। अत: अब प्रत्येक माह पीएमएसएमए का आयोजन एक बार की जगह तीन बार किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं की जांच, देखभाल और टीकाकरण किया जाता है। इसके अलावा पीएमएसएमए वाले दिन नवजात शिशुओं का भी टीकाकरण किया जाता है। डीपीएम गौरव गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में उप जिला चिकित्सालय सिकराय को प्रथम, उपजिला चिकित्सालय बांदीकुई को द्वितीय और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तितरवाडा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में चिकित्सक और चिकित्सा विभाग के कर्मचारी अधिकारी मौजूद थे।

ब्लॉक स्तरीय जन सुनवाई 9 को

दौसा, (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार प्रतिमाह द्वितीय गुरुवार को जिले की सभी पंचायत समिति मुख्यालयों पर ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन 9 फरवरी को किया जायेगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि 9 फरवरी गुरूवार को पंचायत समिति मुख्यालयों पर आयोजित जनसुवाई के लिये जिला स्तरीय अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। नियुक्त अधिकारी संबंधित पंचायत समिति मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई का निरीक्षण करेगें तथा मौके पर लोगों की समस्याये सुनकर उनका निराकरण करवाने का कार्य करेगें।

बजट सत्र में सांभर को जिला बनाने की आस

सांभरझील, (निसं)। पर्यटन नगरी सांभर को जिला का दर्जा दिलवाने के लिए क्षेत्र के लोगों का जयपुर के शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन जारी है।

प्रदेश के मुखिया की ओर से 10 फरवरी को पेश किया जाने वाला अंतिम बजट से सांभर को जिला घोषित होने की लोगों की आस बंधी हुई है। बता दें कि यूं तो सांभर में जिले की मांग के अलावा अतिरिक्त जिला कलेक्टर का कार्यालय, सांभर सीएससी को जिला अस्पताल का दर्जा, उपखंड मुख्यालय पर कन्या व विधि महाविद्यालय, रोडवेज डिपो खुलवाने, पर्यटन व देव स्थान विभाग के कार्यालय खुलवाने के अलावा सांभर साल्ट लिमिटेड का निजीकरण करवाने जैसे अनेक महत्वपूर्ण मांग आज तक पूरी नहीं होने से सांभर उपखंड मुख्यालय व फुलेरा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को वास्तविक लाभ नहीं मिल पा रहा है। सांभर को जिला के संबंध में अनेक लोगों से जब बात की गई तो उनका कहना है कि इस बजट सत्र में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बजट सत्र में सांभर को को अवश्य रुप से जिला घोषित करेंगे हमें इसकी पूरी संभावना है। क्रमिक अनशन कार्यक्रम के दौरान आज नवल किशोर जांगिड पूर्व अध्यक्ष जांगिड समाज, नितेश सैनी, अमित सैनी, जितेंद्र सैनी, मोहित जांगिड, विनय आदि की मौजूदगी रही।

फूड लाइसेंस रजिस्ट्रेशन शिविर

दौसा, (निसं)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर पुखराज सेन के निर्देशानुसार तथा डॉ.० सुभाष बिलोनिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बीएलफूट कंपनी परिसर गीजगढ रोड सिकंदरा चौराहा पर 7 फरवरी को लाइसेंस फार रजिस्ट्रेशन शिविर का आयोजन किया गया।

उन्होंने बताया कि शिविर में फल, सब्जी, चाट पकौडी ठेला स्टोर किराना डेरी होटल मिठाईवाले आदि व्यापारियों के आनलाइन आवेदन लेकर लाइसेंस रजिस्ट्रेशन जारी किए गए। कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें 11 नए लाइसेंस एक नवीनीकरण तथा 70 नए रजिस्ट्रेशन, 20 नवीनीकरण हेतु प्राप्त हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सुभाष बिलोनिया ने बताया कि जो व्यापारी खाद्य पदार्थो का विक्रय करता है उसे खाद्य लाइसेंस रजिस्ट्रेशन देना अनिवार्य है। जिसके लिए विभाग समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन करता रहता है, जिससे व्यापारियों को लाइसेंस रजिस्ट्रेशन बनवाने में कोई समस्या ना हो।

शहीद की पुण्यतिथि पर तिरंगा रैली व रक्तदान शिविर आयोजित

पावटा, (निसं)। शहीद राजीव सिंह की तृतीय पुण्यतिथि समारोह पर लुहाकणा में विधायक इंद्राज गुर्जर के मुख्य आतिथ्य व सरपंच धर्मेंद्र मीणा की अध्यक्षता एवं प्रधान प्रतिनिधि कन्हैयालाल, ब्रिगेडियर जापान सिंह, राजीव डेहरवाल, रामेश्वर रावत, आँतेला पूर्व सरपंच मालीराम कुमावत, लुहाकणा कलां सरपंच धर्मेंद्र मीणा, उपसरपंच जितेंद्र सिंह, शहीद के पिता शंकर सिंह, अर्जुन सिंह, मुनीम सिंह, उगम सिंह, बजरंग सिंह, गिरधर सिंह, छगन सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में तिरंगा रैली व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

दौलत सिंह के नेतृत्व में हरि झंडी दिखाकर बाइक तिरंगा रैली का शुभारंभ किया किया। जो लुहाकणा शहीद स्मारक से सुरजपुरा, जयसिंहपुरा, भाबरू आजाद चौक होते हुए वापस शहीद स्मारक पहुंची। वहीं तिरंगा रैली समारोह में दौलत सिंह ने कहा कि देश की आन, बान और शान के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले देश के शहीदों का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का प्रथम कर्तव्य है। वहीं विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि शहीदों की शहादत को नमन एक दिन नहीं बल्कि प्रत्येक दिन होना चाहिए। क्षेत्र में तिरंगा रैली निकाल कर युवा लोगों के अंदर देशभक्ति की अलख जगाने की कोशिश कर रहे है जो सराहनीय कदम है। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री राजकुमार

शहीद राजीव सिंह की तृतीय पुण्यतिथि पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने वीरांगना का सम्मान किया।

- शिविर में विधायक इंद्राज गुर्जर ने रक्त दान किया

देवायुष साहित अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया। वहीं जन प्रतिनिधियों व ग्रामीणों द्वारा शहीद राजीव सिंह के परिजनों का सम्मान किया गया एवं शहीद राजीव सिंह के चरणों में पुष्प अर्पित कर दीपक जलाया। इस दौरान एस एस ब्लड ग्रुप द्वारा लुहाकणा पीएचसी में रक्तदान शिविर में 89 यूनिट रक्त का दान किया गया। विधायक इंद्राज गुर्जर द्वारा भी रक्तदान किया गया। विधायक इंद्राज गुर्जर ने शहीद के परिवार व वीरांगना को शॉल उडाकर के एवं पुष्प श्रद्धांजलि देकर के सभी पूर्व सैनिकों के प्रतीक चिन्ह भेंट की एवं शहीद राजीव सिंह शेखावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विद्यालय के खेल मैदान के विकास के लिए के लिए 50 लाख की घोषणा की।

योगाचार्य चौधरी का सम्मान किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। पंडित बंशीधर शर्मा नांगलका राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय में योगाभ्यास द्वारा विद्यालय परिवार को योग का संदेश देने वाले लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड गोल्ड मेडलिस्ट योगाचार्य जितेंद्र चौधरी मोरीजा का स्मृतिचिन्ह, प्रशंसा-पत्र एवं श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान किया गया।

उत्सव प्रभारी महेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि संस्था प्रांगण में योगाचार्य चौधरी ने विद्यार्थियों एवं स्टाफ को नि:शुल्क योगाभ्यास करवाया। इस दौरान ताडासन,अर्ध चक्रासन,सूक्ष्म व्यायाम,अनुलोम विलोम, कपालभाती सहित विभिन्न योग एवं आसन करवाकर निरोगी रहने का संदेश दिया। योगाभ्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड विजेता प्रधानाध्यापक अशोक तिवाडी मऊ ने करो योग रहो निरोग की अवधारणा को जीवन में अपनाकर स्वस्थ समाज निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का आ ान किया। इस अवसर पर मुन्ना लाल पबडिया,भूदाराम कुमावत एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

सार-समाचार

जावेद खान मुख्य महासचिव बने

टोंक, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार समाजिक न्याय संगठन के राष्ट्रीय संयोजक एवं रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष अकबर खान ने रेल लाओ संघर्ष समिति की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए संगठन के जिला मुख्य महासचिव के पद पर जावेद खान को नियुक्त किया है। नियुक्ति पर लोगों ने खुशी का इजहार करते हुए मुख्य महासचिव जावेद खान को साफा व माला पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर समाजसेवी शाहिद खान, उपाध्यक्ष आसिफ खान, अच्छे मिंया, रहमतुल्लाह बैग, मोहसिन खान एवं अजीज उल्लाह आदि मौजूद थे।

सोनोग्राफी मशीन का शुभारम्भ किया

फागी, (निसं)। क्षेत्रीय विधायक एवं मुख्यमंत्री सलाहकार बाबूलाल नागर ने बुधवार को उप जिला चिकित्सालय फागी में विधायक अनुशंषा पर बजट में स्वीकृत राशि 50 लाख के ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट प्रयोगशाला का शिलान्यास किया। कस्बे के उप जिला अस्पताल में विधायक कोष से स्वीकृत राशि 27 लाख की सोनोग्राफी मशीन एवं जरनेटर का शुभारम्भ करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जावगी का भरोसा दिलाया। ब्लाक चिकित्सा अधिकारी दिनेश चंद शर्मा की मांग पर विधायक नागर ने उप जिला चिकित्सालय को चिकित्सकीय उपकरणों के लिए 25 लाख रूपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम में फागी उपखण्ड अधिकारी अरविन्द कुमार शर्मा तहसीलदार प्रहलाद सहाय, विकास अधिकारी नारायण सिंह, अस्पताल प्रभारी अतुल सक्सेना, फागी ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष किशन दाधीच, पी सी सी सदस्य जितेश चौधरी के साथ सैंकडों की संख्या में कस्बेवासी एवं क्षेत्र की जनता उपस्थित थी।

तीन मेटो को ब्लैकलिस्टेड किया

मालपुरा, (निसं)। कलमंडा ग्राम पंचायत में फर्जीवाडे की मिली शिकायत के मामले में पंचायत समिति विकास अधिकारी सतपाल कुमावत ने ग्राम विकास अधिकारी को 17 सीसीए का नोटिस जारी कर तीन मेटों को ब्लैकलिस्टेड किया गया। बीडीईओ सत्तपाल कुमावत ने बताया कि कलमंडा पंचायत में मनरेगा श्रमिकों की फर्जी उपस्थिति की मिली शिकायत पर सहायक अभियंता द्वारा की गई जांच में श्रमिकों की फर्जी उपस्थिति दर्ज पाये जाने की शिकायत की पुष्टि होने पर ग्राम विकास अधिकारी मो. हनीफ को 17 सीसीए के अन्तर्गत नोटिस जारी किया गया व अविलम्ब स्वयं उपस्थित हो जवाब मांगा गया है। साथ ही उक्त मामले में विकास अधिकारी ने सहायक अभियंता की रिपोर्ट पर आशाराम बैरवा, साहिल खान व सांवरा तीनों मेटो को ब्लैकलिस्टेड किये जाने के आदेश जारी किये गये।

बजट से नरैना के लोगों को उम्मीद

नरैना, (निसं)। राज्य की गहलोत सरकार का पांचवां व आखरी बजट शुक्रवार को पेश होने वाला है। बताया जा रहा है कि इस बार का बजट बहौत सी घोषणाओं से भरपूर व ऐतिहासिक होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस बजट में आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए व जनमानस तक पहुंच बनाने तथा जनता को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर सकते हैं। ऐसे में नरैना नगरवासी भी इस बजट से अच्छी खासी उम्मीद लगाए हुए हैं। कस्बे के जनप्रतिनिधियों, पार्षदों व कस्बेवासियों ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर घोषणा के दौरान पर्यट स्थल, सरकारी कॉलेज, उपजिला अस्पताल, जलदाय व विद्युत विभाग का सहायक अभियंता कार्यालय आदि सौगात देने की मांग की है। अब देखना यह है कि गहलोत सरकार लोगो की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए कौन कौन सी घोषणाएं करती है।

श्रीकृष्ण गौशाला में चारा दान किया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। भारत विकास परिषद शाखा बहरोड़ ने श्रीराधा-कृष्ण गौशाला समिति परसा का बास नांगल लाखा बानसूर पर एक पिकअप कुट्टी का चारा दान कर गौशाला को 38500 रुपए के चारे का सहयोग कर चारा दान किया। परिषद के भामाशाह कृष्ण यादव ने बताया कि उनकी गौ सेवा हेतु परिषद में अलग से कमेटी गठित की हुई है। जिसमें कोषाध्यक्ष के रूप में प्रेम सेन के नेतृत्व में आसपास की गौशालाओं में चारे की समस्या की सूचना मिलते ही ट्रस्ट से 105 सदस्यों के सहयोग से गौशाला को चारे की व्यवस्था की जाती है तथा इसी के तहत मंगलवार को श्री राधा कृष्ण गौशाला में लगभग 38500 रुपए का चारा भेज कर गौसेवा की गई है।

डॉ. दीक्षा सैनी का सम्मान किया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के लक्ष्मी नगर निवासी डॉ. दीक्षा पुत्री रोहिताश सैनी के मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया (एफएमजीई) द्वारा आयोजित किये जाने वाले एमसीआई टेस्ट को प्रथम प्रयास में ही उत्तीर्ण करने पर सैनी विकास संगठन के पदाधिकारियों ने डॉ. दीक्षा का साफा बांधकर एवं गुलदस्ता भेंटकर सम्मान किया। इस मौके पर सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष पप्पू बायलान, उपाध्यक्ष रामस्वरूप सैनी, उपाध्यक्ष रामअवतार मिस्त्री, संरक्षक पूरणमल भगत, कोषाध्यक्ष रामजीलाल सैनी, संरक्षक रमेश भगत, बिल्लू सैनी, संजय सैनी, सीताराम सैनी, गंगाराम सैनी, संरक्षक जगदीश सैनी, विजय बिजवाडिया, ओमप्रकाश सैनी व उमराव सैनी सहित अन्य लोग मौजुद थे।

उचित मूल्य की दुकान सीज की

मालपुरा, (निसं)। रसद विभाग प्रर्वतक निरक्षक कीर्ति शर्मा ने मालपुरा में राशन की दुकानों का निरीक्षण कर ग्रामीणों की शिकायत पर राजपुरा उचित मूल्य की दुकान को सीज किया गया। प्रर्वतक निरक्षण ने बताया कि उनके द्वारा राशन की दुकानों का निरीक्षण किये जाने के दौरान राजपुरा डीलर रामबाबू विजय की ग्रामीणो द्वारा की गई शिकायतों पर राशन डीलर को जरिए दूरभाष के बार-बार सुचना दे मौके पर बुलाया गया लेकिन राशन डीलर मौके पर नहीं पहुंचा। मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए राशन की दुकान को सीज कर ताले पर विभाग की सील चपडी लगाई गई।

भागवत कथा का शुभारंभ

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत भोनावास की ढाणी मान्यावाली में विशाल कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ अरावली पर्वत श्रृंखला के तलहटी में स्थित गंगा बावडी से 551 महिलाओं द्वारा डीजे पर भजन के साथ 4 किलोमीटर की कलश यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। जिसके बाद श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह महोत्सव का शुभारंभ किया गया। इस दौरान कथा वाचक आचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री वृन्दावन धाम वाले के द्वारा प्रतिदिन दोपहर 11.15 से 4.15 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान का कथा वाचन किया जाएगा।

हमें ऋषभ पंत की कमी महसूस होगी, लेकिन हमारे पास वह भूमिका निभाने के लिए खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों से उनकी योजनाओं के बारे में बात की है। - रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेट कप्तान, ऋषभ पंत के बारे में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित रोहिदास

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ सुरक्षा मुद्दों के मद्देनजर पेनल्टी कॉर्नर ड्रैग-फ्लिक में नियमों में बदलाव पर विचार कर सकता है, लेकिन भारतीय खिलाड़ी इस दौरान भारतीय टीम में ज्यादातर मौके पर सबसे पहले दौड़ शुरू करने वाले अमित रोहिदास इससे जुड़े जोखिम को लेकर चिंतित नहीं हैं। इस 29 साल के डिफेंडर ने 'कहा, '' मैं भारतीय टीम में सबसे पहले दौड़ने वालों में से एक रहा हूं। टीम जो भी और जब भी चाहे, मैं पहला तेज रनर हो सकता हूं। मुझे कोई समस्या नहीं है।''

क्या आप जानते हैं ?... गोल्फ एकमात्र ऐसा खेल है जिसे चांद पर भी खेला गया है। 6 फरवरी, 1971 को एलन शेफर्ड नामक अंतरिक्ष यात्री ने चन्द्रमा पर गोल्फ के दो स्ट्रोक खेले।

सुदीप, अनुस्तुप के शतकों से बंगाल मजबूत

इंदौर, 8 फरवरी। बंगाल ने सुदीप कुमार घरामी (112) और अनुस्तुप मजूमदार (120) के शतकों के दम पर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल के पहले दिन बुधवार को मध्य प्रदेश के विरुद्ध चार विकेट के नुकसान पर 307 रन बना लिये। मध्यप्रदेश ने टॉस हारकर गेंदबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की लेकिन सुदीप-अनुस्तुप की जोड़ी ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया। बंगाल के दो विकेट सिर्फ 51 रन पर गिरने के बाद सुदीप और अनुस्तुप ने तीसरे विकेट के लिये 241 रन की विशाल साझेदारी की, हालांकि दोनों ही बल्लेबाज अपने-अपने शतक पूरे करके आउट हो गये। सुदीप ने 213 गेंद पर 12 चौकों और दो छक्कों के साथ 112 रन बनाये, जबकि अनुस्पतुप ने 206 गेंदें खेलकर 13 चौकों और एक छक्के के साथ 120 रन की पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान मनोज कुमार (पांच रन) और शाहबाज़ अहमद (छह रन) नाबाद पवेलियन लौटे।

भारतीय सिविल सेवा कुश्ती प्रतियोगिता 20 से

चंडीगढ़, 8 फरवरी। अखिल भारतीय सिविल सेवा कबड्डी (पुरुष और महिला) खेल प्रतियोगिता 20 से 24 फरवरी तक उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में हरियाणा की पुरूष और महिला वर्ग की अलग-अलग टीम के 16 सदस्यों का चयन किया जाएगा, जिसमें एक-एक कोच और मैनेजर भी हैं। कबड्डी की हरियाणा राज्य पुरुष टीम का चयन ट्रायल 12 फरवरी तथा महिला टीम का चयन 13 फरवरी को भिवानी में होगा। ट्रायल में हरियाणा राज्य के सभी विभागों के कर्मचारी/अधिकारी भाग ले सकते हैं।

टी-20 ऑलराउंडर रैंकिंग में नंबर दो पर पहुंचे पांड्या

दुबई, 8 फरवरी। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारत के कप्तान हार्दिक पांड्या न्यूजीलैंड के विरुद्ध तीसरे टी20 में अपने हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर टी20 ऑलराउंडर रैंकिंग में दूसरे स्थान पर आ गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी की गयी रैंकिंग के अनुसार पांड्या करियर की सर्वश्रेष्ठ 250 रेटिंग के साथ दूसरे नंबर के ऑलराउंडर बन गये हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के दिग्गज हरफनमौला मोहम्मद नबी को पीछे छोड़ दिया है और शीर्ष ऑलराउंडर शाकिब अल हसन (252) से सिर्फ दो पॉइंट पीछे हैं। पांड्या ने तीसरे टी20 में बल्ले से 30 (17) रन का योगदान दिया, जबकि अपने चार ओवर में उन्होंने सिर्फ 16 रन देकर चार विकेट लिये थे। शुभमन गिल (126 नाबाद) के विस्फोटक शतक और पांड्या के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत 168 रन की ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सका था। अपने शतक के दम पर गिल ने भी 168 पायदान की विशाल छलांग लगाकर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 30वां स्थान हासिल कर लिया, जबकि सूर्यकुमार यादव इस सूची के शीर्ष पर मौजूद हैं। वामहस्त तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह गेंदबाजों की सूची में आठ पायदान की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी आज से

नागपुर, 8 फरवरी। भारत और ऑस्ट्रेलिया बहुचर्चित एवं बहुप्रतीक्षित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2023 के पहले टेस्ट में यहां विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन (वीसीए) स्टेडियम पर गुरुवार से आमने-सामने होंगे। भारत ने जब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2020-21 के लिये ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था तब मेहमान टीम लगातार तीसरी बार यह सीरीज जीतने में सफल रही थी। शृंखला के निर्णायक मैच में ऋषभ पंत ने 89 रन की नाबाद पारी खेली जिसने भारत को गाबा में ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। दो साल पहले मिली यादगार जीत के नायक पंत इस बार टीम का हिस्सा नहीं हैं, जिसकी वजह से टीम प्रबंधन के सामने चयन से जुड़ी चुनौतियां आ गयी हैं। नागपुर टेस्ट में पंत के स्थान पर श्रीकर भरत या ईशान किशन में से कोई एक बल्लेबाज खेल सकता है। किशन बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के नाते पंत से ज्यादा मिलते-जुलते हैं, हालांकि भरत लंबे समय से भारतीय स्क्वाड का हिस्सा रहे हैं। पीठ की चोट के कारण श्रेयस अय्यर भी पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिये टीम प्रबंधन को शुभमन गिल या सूर्यकुमार यादव में से किसी एक को चुनना होगा। गिल जहां पिछले एक महीने में चार शतक ठोककर अपनी नायाब फॉर्म का सबूत दे चुके हैं, वहीं सूर्यकुमार ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। कप्तान रोहित शर्मा की मानें तो टीम प्रबंधन मैच के दिन पिच देखकर इस पर फैसला ले सकता है। बहरहाल, अगर दोनों में से किसी एक बल्लेबाज को भी एकादश में शामिल किया जाता है, तो भारत के पास पांच गेंदबाजों के लिये जगह बचेगी। मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज जहां तेज गेंदबाजी का मोर्चा संभाल सकते हैं, वहीं रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन की जोड़ी का खेलना भी तय है। तीसरे स्पिनर के तौर पर भारतीय टीम प्रबंधन को अक्षर पटेल या कुलदीप यादव में से किसी एक को चुनना होगा। कुलदीप भले ही बतौर लेग-स्पिनर भारतीय गेंदबाजी में विविधता लाते हैं, लेकिन अक्षर के घरेलू रिकॉर्ड को भी नज़रंदाज़ नहीं किया जा सकता। जडेजा की अनुपस्थिति में टीम में आये अक्षर भारतीय सरजमीन पर खेले गये छह टेस्ट मैचों में 12.44 की सनसनीखेज औसत से 39 विकेट ले चुके हैं। इस सीरीज में भारतीय प्रशंसकों को चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली से भी रनों की उम्मीद होगी। पुजारा दिसंबर में बंगलादेश के विरुद्ध शतक जड़कर फॉर्म में लौट आये हैं, हालांकि टेस्ट में कोहली के बल्ले से लंबे समय से रन नहीं निकले हैं। पूर्व भारतीय कप्तान लंबे समय से स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते नज़र आये हैं।

मयंक अग्रवाल का रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में शतक

अनुस्ट्रप-सुदीप ने की 241 रन की पार्टनरशिप, बंगाल के खेल मंत्री नाबाद

नई दिल्ली, 8 फरवरी। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। सौराष्ट्र के खिलाफ कर्नाटक ने 5 विकेट पर 229 रन बना लिए हैं। टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल शतक बनाकर 110 रन पर नाबाद हैं। वहीं, बंगाल से अनुस्टुप मजूमदार और सुदीप कुमार घरामी ने शतक जड़े। दोनों ने 241 रन की पार्टनरशिप की, टीम ने 4 विकेट पर 307 रन के स्कोर पर दिन का खेल खत्म किया।

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सौराष्ट्र ने कर्नाटक के खिलाफ टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। टीम का फैसला सही रहा और उनके बॉलर्स 21 रन पर ही टीम को 2 झटके दिए। 68 पर 3 के बाद 79 के स्कोर पर मनीष पांडे भी आउट हो गए। 112 रन पर श्रेयस गोपाल ने अपना विकेट गंवाया। 5 विकेट गंवाने के बाद मयंक अग्रवाल ने एस शरथ के साथ 117 रन की नाबाद पार्टनरशिप की। मयंक ने इस सीजन का तीसरा शतक जडा। वह 110 रन बनाकर नाबाद हैं। शरथ ने 58 रन बना लिए हैं। दिन का खेल खत्म होने तक दोनों नाबाद रहे। टीम ने 5 विकेट पर 229 रन बना लिए हैं। सौराष्ट्र के लिए केडी पटेल ने 2 विकेट लिए। चेतन साकरिया और प्रेरक मांकड़ को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रन आउट हुआ।

इंदौर के होलकर स्टेडियम में मध्य प्रदेश के खिलाफ बंगाल ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। बंगाल ने 51 रन पर ही दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। फिर अनुस्टुप मजूमदार और सुदीप कुमार घरामी ने तीसरे विकेट के लिए 241 रन की पार्टनरशिप कर डाली। अनुस्टुप 120 और सुदीप 112 रन बनाकर आउट हुए। दिन का खेल खत्म होने तक बंगाल ने 4 विकेट पर 307 रन बना लिए। टीम के कप्तान और बंगाल राज्य के खेल मंत्री मनोज तिवारी 5 रन बनाकर शाहबाज अहमद के साथ नाबाद हैं। मध्य प्रदेश के लिए अनुभव अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए। वहीं, आवेश खान और गौरव यादव को एक-एक विकेट मिला। गुरुवार को दूसरे दिन का खेल सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

पंत की जगह भरने को खिलाड़ी मौजूद : रोहित

नागपुर, 8 फरवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को स्वीकार किया कि उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में प्रतिभावान विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत की कमी महसूस होगी, हालांकि उनके पास पंत की जगह भरने के लिये खिलाड़ी मौजूद हैं।

रोहित ने पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमें ऋषभ पंत की कमी महसूस होगी, लेकिन हमारे पास वह भूमिका निभाने के लिए खिलाड़ी हैं। हमने खिलाड़ियों से उनकी योजनाओं के बारे में बात की है और उम्मीद है कि कल से हम उन्हें लागू कर सकेंगे।

गौरतलब है कि पंत 2020 से 2022 तक टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिये सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने इस दौरान खेले गये 22 मैचों में 43.34 की औसत से 1517 रन बनाये हैं। पंत ने मुख्यत: अपनी मैच-जिताऊ पारियों से कई बार भारत को संकट से निकाला है। पिछली बार जब भारत ने ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, तब पंत के नाबाद 89 रन के दम पर ही मेहमान टीम गाबा का किला फतह कर सकी थी।

रोहित ने एकादश में पंत की जगह भरने की बात कही, हालांकि खिलाड़ियों के चयन के सवाल पर उन्होंने होंठ सिल लिये। जब रोहित से एकादश के संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा चयन मुश्किल होगा। सभी खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह टीम के लिये अच्छे संकेत हैं। हम हर मैच में जाते हुए स्थिति का जायज़ा लेकर ही एकादश चुनेंगे। खिलाड़ी यह बात जानते हैं और हमने शृंखला से पहले इस पर चर्चा की है। भारत को नागपुर में कंगारुओं का सामना करने के बाद दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में भी एक-एक टेस्ट खेलना है। अगर मेज़बान टीम यह सीरीज 3-1 से जीतती है तो वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बना लेगी। अगर जीत का अंतर इससे कम होता है तो उसे श्रीलंका-न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका-वेस्ट इंडीज टेस्ट शृंखलाओं के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

रोहित हालांकि फिलहाल डब्ल्यूटीसी फाइनल के बारे में नहीं सोच रहे और सामने खड़ी ऑस्ट्रेलियाई चुनौती पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, सच कहूं तो हमने उसके के बारे में ज्यादा बात नहीं की है। हम सिर्फ इस सीरीज में अच्छा करने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि क्या होता है। उसके बारे में सोचने में अभी वक्त है। हम फिलहाल उसके गणित में नहीं पड़ना चाहते। हम फिलहाल सामने मौजूद टेस्ट मैचों को जीतने पर ध्यान देना चाहते हैं। यह सभी मैच अलग-अलग स्थानों पर हैं और सभी एक अलग चुनौती पेश करेंगे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरू होने से पहले भारतीय पिचों की भी भरपूर चर्चा हुई है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर इयन हीली ने भारत को निष्पक्ष पिचें बनाने की सलाह भी दी, हालांकि कप्तान रोहित पिच पर चर्चा करने की जगह क्रिकेट पर ध्यान देना चाहते हैं। रोहित ने कहा, मुझे लगता है कि हमें अगले पांच दिनों में यहां होने वाली क्रिकेट पर ध्यान देना होगा और पिच के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी होगी। पिछली सीरीज में हम यहां खेले थे, पिचों के बारे में बहुत कुछ बोला गया था। खेलने जा रहे सभी 22 खिलाड़ी अच्छे क्रिकेटर हैं। इसलिए हमें इस बारे में ज्यादा चिंता नहीं करनी चाहिए कि पिच कैसी होगी, यह कितना टर्न ले रही है, सीमिंग है या नहीं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच के लिए तैयार है धर्मशाला

धर्मशाला, 8 फरवरी। हिमाचल प्रदेश में मार्च के प्रथम सप्ताह में होने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारियां कर ली गई हैं। मैच की तैयारियों को लेकर ऑस्ट्रेलियाई दूतावास के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी रोहित राठौड़ ने यह बात कही।

गौरतलब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरिज का तीसरा मैच पहली से पांच मार्च तक धर्मशाला के मनमोहक क्रिकेट स्टाडियम में होना तय हुआ है।

उपायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक में रोहित राठौड़ ने ऑस्ट्रेलियाई दूतावास की प्रतिनिधि टैरी बक्कनी और सुज़ेन जोसेफ को प्रशासन द्वारा मैच को लेकर किए गए सभी प्रबंधों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि मैच के दौरान आपदा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधा, यातायात व्यवस्था, अग्निशमन सहित सभी जरुरी व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभागों ने तैयारियां कर ली हैं।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन दोनों टीमों के खिलाड़ियों, उनके प्रबंधन स्टाफ और दर्शकों को मैच के दिनों में सुगम व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैच के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा के निदान के लिए टोल फ्री नम्बर 1077 पर किसी भी समय संपर्क किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त पुलिस सहायता कक्ष भी 24 घंटे उपलब्ध रहेगा। मैच के दौरान किसी भी आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमें हर पल तैयार रहेंगी। मैच के दौरान किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति और आपदा से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए प्रशासन द्वारा स्टेडियम में 20 फरवरी के बाद एक मॉक ड्रिल भी करवाई जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाई दूतावास के प्रतिनिधियों ने प्रशासन द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए तैयारियों से संतुष्टि जताई। बैठक में एएसपी कांगड़ा मयंक चौधरी, आईएएस प्रोबेशनर नेत्रा मेती, जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. गुरदर्शन गुप्ता, प्रधानाचार्य टांडा मेडिकल कॉलेज डॉ. भानु अवस्थी, एसएमओ जोनल अस्पताल धर्मशाला डॉ. राजेश गुलेरी, डीएसपी एसडीआरएफ सुनिल राणा और एचपीसीए के प्रतिनिधि समीर सिंह उपस्थित थे।

भारतीय मुक्केबाजी में 30 करोड़ रुपये का निवेश करेगा आरईसी

नयी दिल्ली, 8 फरवरी। विद्युत मंत्रालय के तहत आने वाली अग्रणी महारत्न कंपनी-ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आरईसी) ने अगले तीन वर्षों तक भारतीय मुक्केबाजी के विकास की गति को बढ़ावा देने के लिये भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के साथ हाथ मिलाया है। इस करार के तहत आरईसी भारत में मुक्केबाजी को विकसित करने के उद्देश्य से तीन साल की अवधि में 30 करोड़ रुपये खर्च करेगी। समर्थन समझौते के अनुसार बीएफआई आगामी 2023 महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप से पहले तीन से 12 मार्च तक नयी दिल्ली में एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने के लिये इस धन का उपयोग करेगा।

बीएफआई उपाध्यक्ष और वाणिज्य प्रमुख देबोजो महर्षि ने कहा, हम भारतीय मुक्केबाजी को विकसित करने और इस खेल को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये अपने मिशन में एक प्रमुख हितधारक के रूप में आरईसी को पाकर खुश हैं। राष्ट्र निर्माण के प्रति आरईसी की प्रतिबद्धता उनके मूल मूल्य में शामिल है और यह बीएफआई के दृष्टिकोण और भारत को विश्व स्तर पर एक मुक्केबाजी के गढ़ के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य से अलग नहीं है।

इस साझेदारी के माध्यम से आरईसी सभी आयु वर्ग के राष्ट्रीय मुक्केबाजों के लिये अंतरराष्ट्रीय शिविर आयोजित करने में भी सहायता प्रदान करेगा और खेल के भविष्य को आकार देने के लिये राज्य स्तरीय प्रशिक्षण अकादमियों और प्रशिक्षकों को सशक्त बनाकर जमीनी स्तर पर विकास में भी योगदान देगा। महर्षि ने कहा, यह साझेदारी नयी प्रतिभाओं की पहचान करने और खेल को देश के कोने-कोने तक ले जाने के हमारे प्रयासों को और अधिक गहराई तक ले जायेगी। हमारा उद्देश्य यह पता लगाना है कि भारत अधिक अंतरराष्ट्रीय शिविरों की मेजबानी करते हुए विश्व चैंपियनशिप से पहले आने वाले कैंप की तरह विदेशी टीमों को आमंत्रित कर सकता है या नहीं।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 11 जून को

दुबई, 8 फरवरी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल लंदन के ओवल मैदान पर सात से 11 जून के बीच खेला जायेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को इसकी घोषणा की। आईसीसी ने बताया कि 12 जून को फाइनल के लिये अतिरिक्त दिन रखा गया है। डब्ल्यूटीसी फाइनल की दौड़ में फिलहाल ऑस्ट्रेलिया 75.56 प्रतिशत अंकों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि भारत 58.93 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों को गुरुवार से शुरू होने वाली चार मैचों की टेस्ट शृंखला में आमना-सामना होगा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने आईसीसी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने की संभावना पिछले दो वर्षों में हमारे लिये प्रेरणादायक रही है। खासकर इसलिए क्योंकि पिछली बार हम ओवर रेट से चूक गए थे। उन्होंने कहा, द ओवल जैसे मैदान पर आयोजन फाइनल मैच में पहुंचने वाली दोनों टीमों के लिये एक बड़ी उपलब्धि होगी। दोनों टीमों के लिए यह चुनौती होगी और कुछ समय से हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना रहा है। हमें विश्वास है। वास्तव में 12 महीनों के बाद हम भारत में सीरीज जीत कर फाइनल में स्थान सुरक्षित कर सकते हैं। फाइनल मैच में प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों और स्टाफ के लिये एक बड़ा इनाम होगा। पिछले डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से हारने वाले भारत के पास एक बार फिर खिताबी मुकाबले में जगह बनाने का मौका है। भारत अगर आगामी टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हरा देता है तो वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बना लेगा। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में टीम इंडिया की अगुवाई में खेल के मैदान पर उतरना विशेष होगा। हम इस टेस्ट सीरीज के लिए एक टीम के रूप में विकसित हुए हैं। हम जानते हैं कि जून में ओवल में खिताब जीतने का मौका पाने के लिये हमें पहले ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से पार पाना होगा। रोहित ने कहा, हाल के दिनों में टेस्ट क्रिकेट में कई नाटकीय क्षण आये हैं और निस्संदेह और भी बहुत कुछ आने वाला है। मैं फाइनल में अपनी जगह पक्की होने से उत्साहित हूं और उम्मीद है कि साल के अंत में इतिहास रचूंगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा श्रीलंका (53.33 प्रतिशत) और दक्षिण अफ्रीका (48.72 प्रतिशत) भी फाइनल में पहुंचने के दावेदार हैं। फाइनल से पहले श्रीलंका को जहां दो टेस्ट मैचों के लिये न्यूजीलैंड का दौरा करना है, वहीं दक्षिण अफ्रीका दो टेस्ट मैचों के लिये वेस्ट इंडीज की मेजबानी करेगा।

मयंक के शतक ने कर्नाटक को संभाला

बेंगलुरु, 8 फरवरी। कप्तान मयंक अग्रवाल (110 नाबाद) के शतक और श्रीनिवास शरत (58 नाबाद) के साथ उनकी शतकीय साझेदारी की बदौलत कर्नाटक ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बुधवार को सौराष्ट्र के खिलाफ पांच विकेट सस्ते में गंवाने के बाद भी 229 रन बना लिये। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सौराष्ट्र शुरुआत से ही कर्नाटक पर हावी रहा। रविकुमार समर्थ, देवदत्त पडिकल और निकिन होज़े आपस में सिर्फ 30 रन जोड़कर पवेलियन लौट गये, हालांकि कप्तान मयंक ने दूसरा छोर संभाले रखा। कर्नाटक का पांचवां विकेट सिर्फ 112 रन पर गिरने के बाद शरत क्रीज़ पर आये, और दिन का खेल खत्म होने तक कप्तान मयंक का साथ दिया। मयंक और शरत ने आपस में 46.3 ओवर खेलते हुए 117 रन की नाबाद साझेदारी की।

कमिंस ने दिया मर्फी के पदार्पण का संकेत

नागपुर, 8 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने बुधवार को संकेत दिया कि भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फी पदार्पण कर सकते हैं। कमिंस ने कहा, मेरा खयाल है कि वह जितना तैयार हो सकते हैं, उतने हैं। मर्फी ने यहां अभ्यास में शानदार गेंदबाजी की है। प्रथम-श्रेणी क्रिकेट में भी विक्टोरिया के लिये उनकी शुरुआत अच्छी रही थी। अगर उन्हें (पदार्पण की) मंजूरी मिलती है तो उनके साथ दूसरे छोर पर नेथन लायन होंगे, जिनके साथ वह गेंदबाजी कर सकते हैं। यहां स्क्वाड में सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन तैयारी की है। हम जिसे भी चुनेंगे, वह खेलने के लिये 100 प्रतिशत तैयार होगा।

चोटग्रस्त जॉश हेज़लवुड, मिचेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन की अनुपस्थिति में कप्तान कमिंस के साथ स्कॉट बोलैंड दूसरे तेज गेंदबाज की भूमिका निभाएंगे। अनुभवी ऑफ-स्पिनर लायन के बाद एकादश में सिर्फ एक फिरकी गेंदबाज के लिये जगह बचती है, जिसके लिये मर्फी और एश्टन आगर के बीच मुकाबला होगा। लेग-स्पिनर आगर ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी में विविधता ला सकते हैं, हालांकि कप्तान कमिंस का कहना है कि भारतीय पिचों पर विविधता से ज्यादा अनुशासन कारगर साबित होगा। कमिंस ने कहा, टीम चयन में यह (भारतीय परिस्थितियां) एक कारक होगा।

इन परिस्थितियों में गेंद काफी स्पिन होती है, इसलिये आपको बहुत ही सधी हुई और अनुशासन भरी गेंदबाजी की जरूरत होगी। मुझे नहीं लगता कि आपको किसी और चीज की जरूरत है, परिस्थितियां खुद आपकी मदद करेंगी।

उन्होंने कहा, आपने लायन को यहां कामयाब होते हुए देखा है। वह कई बार दाएं हाथ के बल्लेबाजों को भी पगबाधा करे हैं या फिर स्लिप में कैच-आउट करवाते हैं। आपको किसी भी गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की जरूरत होती है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि सिर्फ विविधता के लिये यह होना ही चाहिये। कमिंस ने इस दौरान हरफनमौला ग्रीन के पहले टेस्ट से बाहर होने की पुष्टि भी की।

यूथ लीग में सुदेवा ने किया सफाया

नयी दिल्ली, 8 फरवरी। देश की सर्वश्रेष्ठ फुटबाल अकादमियों में शुमार सुदेवा दिल्ली एफसी ने खेलो इंडिया यूथ लीग के अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-18 खिताब जीत कर अपने नाम कर लिया।

बाइचुंग भूटिया फुटबाल स्कूल अंडर-13 और अंडर-15 में उपविजेता रहा, जबकि अंडर-18 में फास्ट फुटबाल क्लब उपविजेता बना। नेहरू स्टेडियम में बुधवार को चैंपियन सुदेवा के खिलाड़ियों को दिल्ली सॉकर संघ (डीएसए) के पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया। पुरस्कार समारोह में डीएसए के वरिष्ठ पदाधिकारी और पूर्व खिलाड़ी भी मौजूद रहे।

डीएसए के अंतरिम अध्यक्ष जगदीश मल्होत्रा, शंकर लाल, लियाकत अली, आनंद डबास, अशोक घोष, आकाश नरूला, विजेंद्र और आभा जैन ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर सुदेवा अकादमी और उसके संरक्षक अनुज गुप्ता के प्रयासों की सराहना की गयी और राज्य की फुटबाल के लिये उनका अभूतपूर्व योगदान बताया गया।

प्लेऑफ में बेहतर स्थिति पाने के लिए जमशेदपुर से भिड़ेगा मोहन बागान

जमशेदपुर, 8 फरवरी। एटीके मोहन बागान हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 के प्लेऑफ में बेहतर स्थिति पाने के लिये गुरुवार को जमशेदपुर एफसी से भिड़ेगा। दोनों टीमों के प्रदर्शन में अब तक निरंतरता का अभाव रहा है। जमशेदपुर और मोहन बागान अपने-अपने पिछले पांच मैचों से सिर्फ सात अंक बटोर सके हैं।

जमशेदपुर एफसी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गया है लेकिन वह अगले सीजन के लिये सीखने की कोशिश जारी रखेगा। रेड माइनर्स को उम्मीद होगी कि इस सीजन के अपने अंतिम घरेलू मैच में वह अपने तरकश में मौजूद हर तीर का उपयोग करे।

जमशेदपुर एफसी ने हालांकि घर पर इस सीजन में केवल एक मैच जीता है। क्लब की दोनों हालिया विजय घर से बाहर हुए मुकाबलों में आई हैं। वह हालांकि घर में एफसी गोवा और चेन्नईयन एफसी के खिलाफ अंक हासिल करने में कामयाब रहा है और इस कारण उनका मनोबल ऊंचा होगा।

जमशेदपुर के कोच एडी बूथ्रॉयड ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमने नॉर्थईस्ट में जीत के बाद के दिनों का लुत्फ उठाया है, लेकिन जल्द ही अपना ध्यान एटीके (मोहन बागान) के खिलाफ अगले मैच पर लगा दिया।

उन्होंने कहा, जब हम उनके साथ पिछली बार खेले थे, तब हमने सीजन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और तब से हमने अच्छी फुटबॉल खेली है। कुल मिलाकर, मैं इस बदलाव और इस समय अपने खेल से बहुत खुश हूं। एटीके मोहन बागान के पास जीत से एफसी गोवा को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंचकर प्लेऑफ क्वालीफिकेशन हासिल करने के करीब पहुंचने का मौका है। घर से बाहर अब तक के प्रदर्श से हालांकि मरीनर्स चिंतित होंगे।

पिछले हफ्ते, हेड कोच जुआन फेरांडो की टीम को अपने घर पर झटका लगा था, जब बेंगलुरू एफसी ने मैच के अंतिम क्वार्टर में दो गोल किये और एटीके मोहन बागान को तीसरे स्थान से दूर रखा। मोहन बागान ने घर से बाहर खेले अपने पिछले पांच मैचों में केवल एक बार जीत हासिल की है। अपने इस खराब रिकॉर्ड को वे हैदराबाद की अपनी अगली यात्रा से पहले सुधारने के लिए बेताब होंगे।

हुगो बौमस और आशिक कुरुनियन पिछले मैच में निलंबित थे और जमशेदपुर एफसी के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। इन दोनों को फेरांडो द्वारा चुने जाने की संभावना है क्योंकि टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए संघर्ष कर रही है।

फेरांडो ने कहा, हमारा लक्ष्य हमेशा जीतना होता है। लीग चरण के अंतिम दिनों में, हमारी मानसिकता अभी भी वही है। हम तीन अंक प्राप्त करना और उस फॉर्म को अंतिम चार मैचों में जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, पिछले मैच में हमारी योजना ने पहले हाफ में काम किया। हर मैच अलग होता है लेकिन जमशेदपुर और बेंगलुरू की मानसिकता कमोबेश एक जैसी है। हमारे लिये हर पल सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। दोनों पक्ष हीरो आईएसएल में अब तक पांच बार भिड़ चुके हैं। जमशेदपुर ने तीन मैचों में जीत हासिल की है, जबकि मोहन बागान दो बार विजयी हुए हैं।

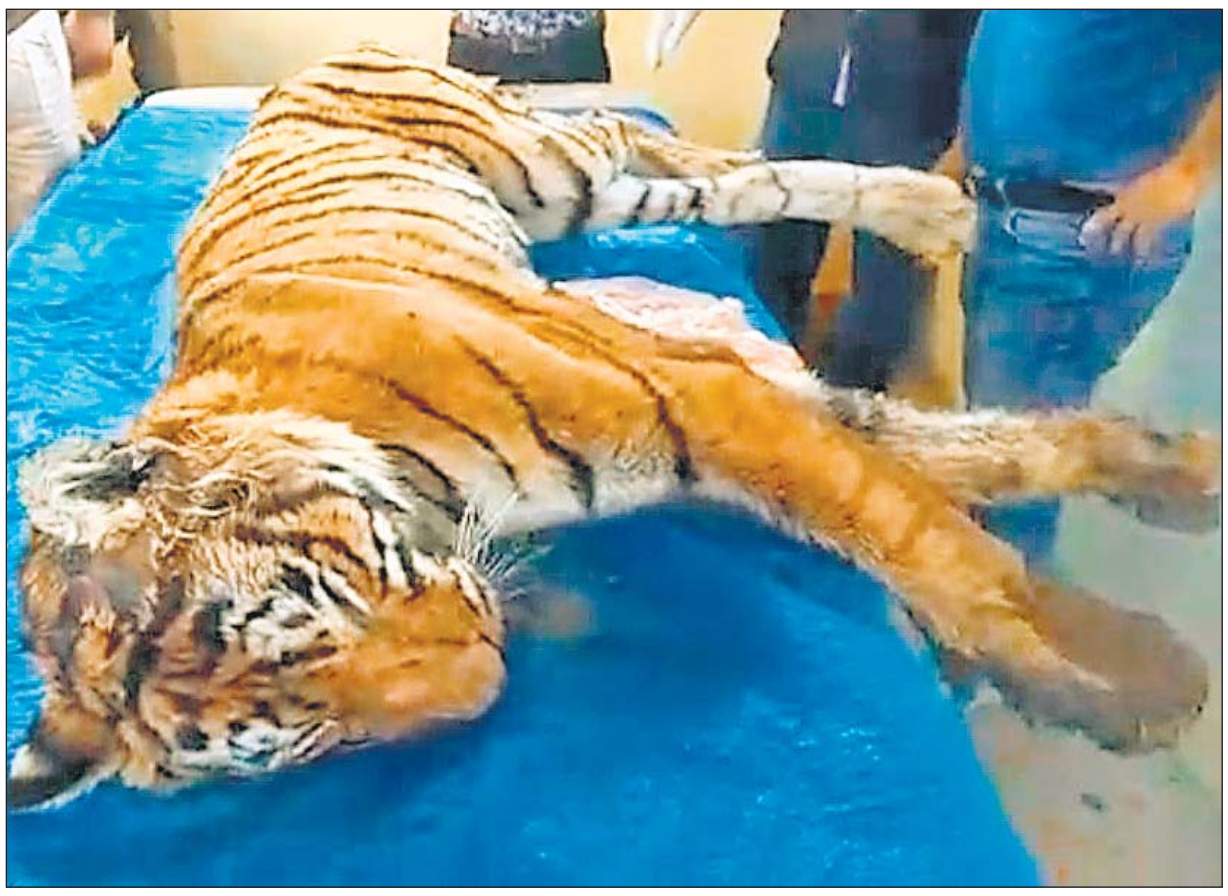

रणथम्भौर से बुधवार को एक और दुखद खबर सामने आई। रणथम्भौर को बाघों से आबाद करने वाली बाघिन टी-19 उर्फ "कृष्णा" की मौत हो गई। वन अधिकारियों के मुताबिक कृष्णा काफी उम्रदराज व शारीरिक रूप से अक्षम हो चुकी थी। गौरतलब है कि, पिछले दिनों भी बारिश व बर्फबारी के कारण रणथम्भौर में एक बाघिन व उसके एक शावक की मौत हो गई थी।

'पेपर लीक की जांच नहीं हो पा रही, जांच हो रही है तो केवल इसकी कि, कौन सचिन पायलट के साथ खड़ा है'

सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही को लेकर विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रैंस कर गृह मंत्रालय पर सवाल उठाए

पावटा, 8 फरवरी (निसं)। प्रदेश के सैनिक कल्याण और पंचायतीराज राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही प्रकरण को लेकर बुधवार को पावटा में विधायक इंद्राज गुर्जर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गृह मंत्रालय पर कड़े सवाल उठाय उन्होंने कहा कि, किसी मंत्री पर मुकदमा दर्ज हो और वह भी राजस्थान के मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना, ऐसा हो ही नहीं सकता क्योंकि गृह विभाग भी उन्हीं के पास है।

गृह मंत्रालय पर सवाल उठाते हुए विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि, दुर्गा सिंह नामक व्यक्ति जो एक जालसाज है और उस पर कई कानूनी प्रकरण चल रहे हैं उसे जयपुर बुलाया जाता है और उसे राज्यमंत्री राजेंद्र गुढ़ा के खिलाफ मैनेज कर एफआईआर दर्ज करवाई जाती है।

यदि बिना जानकारी के राजस्थान सरकार के मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है तो गृह मंत्रालय क्या कर रहा है। एक राज्य मंत्री के खिलाफ इस तरीके से झूठी एफआईआर दर्ज हो रही है तो आम जनता का क्या होगा।

वहीं, उन्होंने कहा कि, दुर्गा सिंह जयपुर में किन किन लोगों से मिला व किन लोगों ने उस पर कार्यवाही के लिए दवाब डाला यह जांच का मुख्य विषय है। उन्होंने कहा कि, बड़ी शर्म की बात है कि हमारी सरकार का एक दबंग नेता जिसने दो बार हमारी सरकार की मदद की। ऐसे मजबूत व्यक्ति को कौन कमजोर करने का कार्य कर रहा है ये जांच का विषय है।

इंद्राज गुर्जर ने राजस्थान में पेपर लीक मामले को लेकर कहा कि, पेपर लीक के मुलजिम नहीं पकड़े जा रहे उनकी जांच नहीं हो रही, यदि अधिकारी व नेता पेपर लीक मामले में शामिल नहीं है तो आर.पी.एस.सी. से पेपर बाहर कैसे आया उसकी जांच नहीं हो पा रही। अगर जांच हो भी रही है तो केवल इसकी कि कौन सचिन पायलट के साथ खड़ा होकर राजस्थान में कांग्रेस को मजबूत करने की बात कर रहा है, कौन व्यक्ति सचिन पायलट के साथ राजस्थान में दौरे कर रहा है, कौन व्यक्ति राजस्थान में वापस कांग्रेस सरकार बनाने की बात कर रहा है उन लोगों को टारगेट करने का काम किया जा रहा है।

इंद्राज गुर्जर जिस तरीके से राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने किसान सम्मेलन किया उसके बाद उनको घेरने की रणनीति तैयारी की गई यह बहुत गलत है। बिना जांच के अगर राज्यमंत्री के खिलाफ इस तरह की कानूनी कार्रवाई होती है तो यह द्वेषता पूर्ण की गई कार्रवाई है। राज्यमंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा को फंसाने के लिए इस तरह का जो कार्य किया जा रहा है उसका विरोध किया जाएगा चाहे वह विरोध जनता के बीच में ही जाकर करना पड़े। इस अन्याय में हम सब लोग राजेंद्र सिंह गुढ़ा के साथ हैं।

''डिस्ट्रिक्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्तर्गत जारी किया गया था जो हाई कोर्ट के साथ ही जिला न्यायपालिका के जजों की सेवा शर्तों के संदर्भ में दायर की गई थी।

जे.एस.ए.डी. ने कहा कि, न्यायिक सेवाओं या बार से हाई कोर्ट में नियुक्ति पाने वालों के लिए संविधान में किसी कोटे की बात नहीं कही गई है, लेकिन अनुच्छेद 217 (2) (हाई कोर्ट जज के पद की सेवा शर्तें व नियुक्ति) में सर्विस जजों का हवाला सबसे पहले दिया गया है। जे.एस.ए.डी. ने दावे से कहा कि, इससे पता चलता है कि, पदोन्नति का पहला विकल्प जिला न्यायपालिका से चुनना चाहिए।

उसने आवेदन में निवेदन किया था कि "संविधान निर्माताओं ने न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को अधिक जिम्मेदारी और अहमियत देते हुए दोनों को समान महत्व दिया था।

आगे यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि, जजों की नियुक्ति यदि जिला न्यायपालिका से की जाती है तो इससे केसों का बेहतर निस्तारण होगा और निर्णय भी अच्छे होंगे।

चूंकि, लोअर कोर्ट, हाई कोर्ट के अधीनस्थ होते है, इसलिए सर्विस जजों का समय पर परीक्षण किया जाता है और उन्हें सुपरवाइज़ भी किया जाता है। यह उल्लेख किया गया कि, इसके अतिरिक्त इस प्रकार के अभ्यर्थियों की विशेष योग्यता और राइटिंग स्किल संबंधी सूचना तुरन्त उपलब्ध होती है।

यह भी निवेदन किया गया कि, बार (वकीलों) से नियुक्ति पाने वालों के मामले में उनकी कार्यशैली पर "ट्रायल एण्ड एटट" संबंधी प्रश्न चिन्ह होता है।

रणथम्भौर की बाघिन "कृष्णा" नहीं रही

उम्र दराज व शारीरिक रूप से बेहद कमजोर हो चुकी कृष्णा का शव रणथम्भौर के वन क्षेत्र में मिला

सवाई माधोपुर, 8 फरवरी (निस)। रणथम्भौर नैशनल पार्क से आज एक बार फिर दुखद खबर सामने आई। रणथंभौर नैशनल पार्क की बाघिन टी-19 यानी "कृष्णा" की बुधवार को मौत हो गई। अपने जीवन के लंबे पड़ाव के बाद उम्रदराज बाघिन टी- 19 ने रणथंभौर नैशनल पार्क के लकड़दा वन क्षेत्र में अंतिम सांस ली। बाघिन टी-19 रणथम्भौर वन क्षेत्र में कृष्णा के नाम से जानी जाती थी।

वन विभाग के अनुसार बाघिन कृष्णा टी- 19 उम्र के अपने अंतिम पड़ाव पर थी। वह 17 साल की हो चुकी थी। यह बाघिन रणथंभौर नेशनल पार्क की सुप्रसिद्ध बाघिन रही मछली की बेटी थी और रणथंभौर को बाघों से आबाद करने में इसकी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज वनाधिकारियों को सूचना मिली कि रणथंभौर के लकड़दा क्षेत्र में बाघिन टी-19 मृत पड़ी है। इसके बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा बाघिन का शव अपने कब्जे में लिया। उसके बाद बाघिन के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजबाग लाया गया। जहां राजबाग चौकी पर बाघिन का मैडिकल बोर्ड की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। उम्रदराज होने के कारण बाघिन पिछले कुछ दिनों से शिकार करने में भी समर्थ नहीं थी, जिसके कारण वह शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर हो गई थी। वन विभाग बाघिन की मॉनिटरिंग भी कर रहा था।

- बाघिन टी-19, यानी "कृष्णा" की उम्र 17 वर्ष से ज्यादा हो चुकी थी।
- रणथम्भौर को बाघों से आबाद करने में बाघिन टी-19 की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

वनाधिकारियों ने बाघिन की मौत प्राकृतिक रूप से होना बताया। पोस्टमार्टम के बाद विधिवत रूप से बाघिन के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस मौके पर सेडुराम यादव मुख्य वन संरक्षक, मानस सिंह उप वन संरक्षक, कपिल शर्मा उप खंड अधिकारी, राजवीर चंपावत पुलिस उपाधीक्षक, डॉ. चन्द्र प्रकाश मीना वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, डॉ. राजीव गर्ग, डॉ. सुनील, विजय मीणा रेंज ऑफिसर कुंडेरा आदि मौजूद थे।

तुर्की और सीरिया में बढ़ रहा है भूकम्प से मृतकों का आंकड़ा

इस्तांबूल/दमिश्क 8 फरवरी (वार्ता)। तुर्की और सीरिया में सोमवार को आए विनाशकारी भूकंप में मरने वालों की संख्या बुधवार को 11,200 से अधिक हो गई और 55 हजार से अधिक लोग इस भीषण प्राकृतिक आपदा में घायल हुए हैं।

- बुधवार तक 11,200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 55 हजार लोग इस भीषण प्राकृतिक आपदा में घायल हुए हैं।

तुर्की में तीन महीने का इमरजेंसी का एलान किया गया है। स्कूलों को 13 फरवरी तक बंद कर दिया गया है और सभी सरकारी इमारतों को शेल्टर होम बनाया गया है। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैय्यप एर्दोगन ने बताया कि भारत समेत अब तक 70 देश और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठन मदद के लिए आगे आए हैं। तुकी में बर्फबारी हो रही है, ऐसे में बचाव अभियान में काफी दिक्कतें हो रही हैं।

लेकसिटी में पर्यटकों के आगमन का 14 साल का रिकॉर्ड टूटा

जनवरी में दो लाख पर्यटक उदयपुर आये

उदयपुर, 8 फरवरी (कासं)। लेकसिटी में जनवरी माह में घूमने के लिए रिकॉर्ड तोड़ पर्यटक आए हैं। करोना के बाद पहली बार इतनी संख्या में टूरिस्ट आने से जनवरी माह का बीते 14 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। झीलों की नगरी की सुंदरता और यहां के ऐतिहासिक महलों को देखने आने वालों में देश ही नहीं विदेशी टूरिस्ट्स की संख्या में भी इजाफा हुआ है। विशेष रूप से अमेरिका, यूके, फ्रांस और इजराइल जैसे देशों से टूरिस्ट आए हैं।

पर्यटन विभाग की ओर से जारी आकड़े बताते हैं कि, इस बार जनवरी में दो लाख टूरिस्ट उदयपुर घूमने आए। यह आकड़ा पिछले 14 साल में सबसे ज्यादा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें डेढ़ लाख से अधिक देशी टूरिस्ट हैं, उल्लेखनीय है कि, करोना के बाद पहली बार विदेशी सैलानियों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

- उल्लेखनीय बात यह है कि, कुल पर्यटकों में डेढ़ लाख विदेशी सैलानी हैं।
- आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए माना जा रहा है कि, होली पर और भी बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आयेंगे।

आंकड़े बताते हैं कि, वर्ष 2022 में जनवरी से दिसम्बर तक हर माह 12 साल के रिकॉर्ड तोड़ टूरिस्ट यहां आए हैं। जबकि जनवरी माह को टूरिस्ट का जाता हुआ सीजन माना जाता है। दिसम्बर 2022 में सीजन होने के कारण करीब सवा दो लाख पर्यटक आए थे।

मार्च में उदयपुर में बड़े फैस्टिवल होने वाले हैं जिसमें और भी बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की संभावना है। सबसे खास आयोजन मेवाड़ में मनाए जाने वाला होली का त्योहार है। जिसे खेलने के लिए ज्यादातर विदेशी मेहमान यहां आते हैं। इसके साथ ही उदयपुर में जी-20 सम्मेलन की दूसरी बैठक भी आयोजित होने वाली है, जिसमें कई देशों से राजनायिक यहां आएंगे। साथ ही मार्च के अंतिम सप्ताह में मेवाड़ फैस्टिवल भी होगा जिसमें पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए कई बड़े आयोजन होते हैं जिसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। पर्यटन विभाग की उपनिदेशक शिखा सक्सेना के अनुसार आंकड़े बता रहे हैं कि उदयपुर शहर को कितना पसंद किया जा रहा है। यहां लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। विभाग और प्रशासन की तरफ से भी लगातार पर्यटकों की सुविधाओं के लिए विकास के काम किए जा रहे हैं।

प्र.मंत्री मोदी ने पहनी रिसाइकिल प्लास्टिक से बनी जैकेट

प्र.मंत्री मोदी जब सदन में जैकेट पहनकर पहुँचे तो हर तरफ उनकी जैकेट की खूब चर्चा हुई

नई दिल्ली, 8 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी जो भी जैकेट पहनते हैं वह अपने आप में एक नया स्टाइल बन जाता है, आज देश में जैकेट भी "मोदी कट जैकेट" के तौर पर पहचानी जाने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को जब लोकसभा में आए तो उन्होंने एक ऐसी सदरी (जैकेट) पहन रखी थी कि, जिसकी चर्चा सदन से लेकर पूरे विश्व में होने लगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस जैकेट की कई खासियत है, जिसकी चर्चा हर कहीं हो रही है।

दरअसल बजट सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्लास्टिक की बोतलों को 'रिसाइकिल' करके बनायी गयी सामग्री से निर्मित जैकेट पहनकर बुधवार को संसद पहुंचे। वह जब सुबह सदन में हल्के नीले रंग की सदरी पहने नजर आए। अधिकारियों ने बताया कि मोदी की सदरी प्लास्टिक की बोतलों का पुनर्चक्रण (रिसाइकिल) करके बनी सामग्री से तैयार की गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को बेंगलुरु में भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान प्रधानमंत्री को यह जैकेट भेंट की थी। उन्होंने इस कार्यक्रम में इंडियन ऑयल की अनबॉटल्ड पहल के तहत विभिन्न पोशाक 'लॉन्च' की।

- प्र.मंत्री मोदी ने यह जैकेट पहनकर भारत सहित पूरी दुनिया को प्लास्टिक फ्री करने का मैसेज दिया।
- इस जैकेट को प्लास्टिक की करीब 28 बोतलों व कपास के कॉम्बीनेशन से बनाया गया है।
- इंडियन ऑयल कोरपोरेशन ने उन्हें गत सोमवार को यह जैकेट बैंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान भेंट की थी।

अधिकारियों ने बताया, "सिंगल यूज प्लास्टिक" को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के प्रधानमंत्री के आव्हान के अनुरूप इंडियन ऑयल ने खुदरा ग्राहक परिचारकों के वास्ते और उपभोक्ताओं तक एलपीजी (रसोई गैस सिलेंडर) पहुंचाने वाले कर्मियों के लिए ऐसी पोशाक निर्धारित की है, जो "रिसाइकिल्ड पॉलिएस्टर" (आरपीईटी) और कपास से बनाये गये हैं। आज इस जैकेट को पहनकर प्र.मंत्री सदन पहुंचे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का बड़ा संदेश दिया है।

अधिकारियों ने कहा कि इंडियन ऑयल के कर्मचारियों को लगभग 28 सिंगल यूज प्लास्टिक बोतल से बनाई गई पोशाक दी जायेगी। सार्वजनिक उपक्रम टिकाऊ वस्त्रों के लिए 'अनबॉटल्ड' ब्रांड के जरिये इस पहल को आगे बढ़ा रहा है।

इस ब्रांड के तहत आइओसी का लक्ष्य अन्य तेल विपणन कंपनियों के ग्राहक परिचारकों के लिए पोशाक की आवश्यकता को पूरा करना, सेना के लिए गैर-लड़ाकू वर्दी, संस्थानों के लिए पोशाक की आपूर्ति करना तथा खुदरा ग्राहकों को भी इसकी बिक्री करना है।

विदेशी भी ऑनलाइन भुगतान प्रणाली का लाभ उठा सकेंगे

मुंबई, 8 फरवरी (वार्ता)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने यूनिफाइड पेमेंट इन्टरफेस (यूपीआई) को विस्तार देने की दिशा में नया कदम उठाते हुए अब भारत आने वाले सभी विदेशी यात्रियों को उनके प्रवास के दौरान यूपीआई के माध्यम से व्यवसायिक भुगतान करने की सुविधा उपलब्ध कराने की आज घोषणा की।

- रिजर्व बैंक ने विदेशी नागरिकों के लिए भी यू.पी.आई पेमेंट (पेटीएम/फोन-पे) सुविधा शुरू करने की घोषणा की।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बुधवार को समाप्त हुई तीन दिवसीय बैठक के बाद घोषणा करते हुए कहा कि यूपीआई देश में खुदरा इलेक्ट्रॉनिक भुगतानों के लिए एक सर्वव्यापी भुगतान साधन बन गया है।

रिज़र्व बैंक ने विश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके अलावा किसी विशेष कॉरपोरेट को दिए गए लोन पर बारीकी से नज़र रखी जाती है। मोटी धन राशि का लोन लेने वाला कोई व्यक्ति यदि लोन चुकाने में विफल रहता है तो उस अनुचित लोन राशि की बैंक की समग्र आर्थिक स्थिति के परिप्रेक्ष्य में जांच की जाती है।

ऐसे समय में आर.बी.आई. का यह वक्तव्य बहुत महत्व रखता है, जबकि, इस बात को लेकर व्यापक अटकलें लगाई जा रही हैं कि, यदि अडानी मामले को लेकर संकट की स्थिति बनी रहती है तो भारत के बड़े बैंकों पर इसका क्या प्रभाव होगा। वैश्विक मीडिया, खासतौर पर अग्रणी मीडिया घरानों ने अडानी की कम्पनियों के शेयर भाव अधिक गिर जाने को प्रमुखता दी और भारत के पूरे फायनैंशियल सिस्टम पर उससे पड़ने वाले प्रभाव पर खूब लिखा।

तथापि, यह बताना जरुरी होगा कि, पूर्व में जब स्कैम हुए थे तब भारत की बैंकिंग सेवा का इतना विस्तार नहीं हुआ था, तथा बड़ी पार्टी के फेल होने से बैंक के फेल होने की संभावना बहुत प्रबल हो जाती थी। लेकिन वर्तमान में यह स्थिति नहीं है। बैंकों का लाभ बढ़ा है और उनके पूंजी आधार में ठोस वृद्धि हुई है। इस बीच, अडानी की कम्पनियों के शेयर्स ने अपनी वैल्यू में हुई क्षति को थोड़ा बहुत रिकवर किया है। अमेरिका के शॉर्ट- सैलर "हिंडनबर्ग" की एक रिपोर्ट के बाद अडानी की कम्पनियों का मार्केट कैपिटलाइज़ेशन 100 बिलियन डॉलर तक गिर गया था। रिपोर्ट में अडानी ग्रुप पर वित्तीय कुप्रबंधन और ऋण उपयोगिता के आरोप लगाए गए थे।

अडानी ग्रुप ऑफ कम्पनीज़ के शेयर्स बुधवार को मार्केट क्लोजिंग तक 20 प्रतिशत तक बढ़े, जिससे उनकी एक शानदार वापसी की उम्मीदें बंधीं। कुछ ग्लोबल फण्ड मैनेजर्स ने अडानी बॉण्ड्स वर्तमान कीमतों पर लेना शुरु किया है। इससे शेयर बाजारों और अडानी ग्रुप में आत्मविश्वास की बहाली का संकेत मिलता है।

हिन्डनबर्ग रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद अडानी की कम्पनियों के शेयर भाव दो हफ्तों तक लगातार गिरे। एक वक्त तो अडानी ग्रुप का भविष्य पूर्णतया अनिश्चित लग रहा था और अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया में उसका अस्तित्व बने रहने को लेकर प्रश्न उठाए जा रहे थे।

''मोदी! मोदी!''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे झूठ पर जनता विश्वास नहीं करती। उन्होंने कहा, "मेरे खिलाफ आपके अपशब्द और आरोपों को पहले देश के करोड़ों नागरिकों से होकर गुज़रना होगा। मैं देश के लिए पिछले 25 वर्षों से काम कर रहा हूँ आप अपने झूठ से इस विश्वास को नहीं तोड़ सकते।"

राहुल गांधी द्वारा यह कहने पर कि, अडानी के इतनी जल्दी ऊंचाईयाँ छूने को लेकर मोदी-अडानी संबंधों पर हारवर्ड युनिवर्सिटी एक अध्ययन कर रही है, प्रधानमंत्री ने कहा, "मैंने सुना कि कोई (राहुल का नाम लिए बिना) हारवर्ड यूनिवर्सिटी के अध्ययन का जिक्र कर रहा था, लेकिन मैं आपको बताऊं कि वहां किस विषय पर अध्ययन किया जा रहा है। वो विषय है-"कांग्रेस पार्टी का उत्थान और पतन।"

"नकारात्मकता में डूबे" लोगों को निशाना बनाते हुए मोदी ने कहा कि "ऐसे लोग हैं जो नकारात्मकता से भरे हुए हैं और जिन्हें हमारी उपलब्धियां दिखाई नहीं देतीं। उन्हें यह दिखाई नहीं देता कि भारत "स्टार्टअप्स" में तीसरे स्तर पर और "यूनिकॉर्न" में 108वें दर्जे पर पहुंच गया है और यह सब कुछ वैश्विक महामारी के दौरान हुआ है।"

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा में जब प्रधानमंत्री अपना जवाब देने के लिए खड़े हुए तब विपक्ष के सांसदों ने अडानी मुद्दे पर जॉइन्ट पार्लियामैन्टरी कमेटी (जे.पी.सी.) से जांच कराने की मांग को लेकर नारे लगाए।

मोदी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए अडानी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खुली।"

जब प्रधानमंत्री ने यह कहा कि, कांग्रेस नेता और उनकी पार्टी को "अच्छा नहीं लग रहा" है कि, भारत की स्थिति इतनी सुदृढ़ है, उस समय राहुल गांधी सदन में ही थे। मोदी ने कहा, "कुछ लोग साफतौर पर निराशा में डुबकी लगा रहे हैं।" उन्होंनें कथित रूप से कांग्रेस के समय हुये भ्रष्टाचार और घोटालों तथा "आदतन आलोचना" की प्रवृत्ति को लेकर कांग्रेस की आलोचना की।

मंगलवार को राहुल द्वारा किए गए हमले पर उपरोक्त टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि, पिछले नौ वर्षों में, रचनात्मक आलोचना की जगह, आदतन आलोचक हावी हो गए हैं। उन्होंने कहा, "वो लोग ऐसा कर रहे हैं" जो यह सोचते हैं कि, मोदी को भला-बुरा कहने से समस्याओं का समाधान हो जायेगा।"

अपने लक्ष्य (राहुल) के बारे में संदेह की कोई गुंजाइश न छोड़ते हुये, प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, "कल संसद में एक बार फिर, हारवर्ड की चर्चा हुई। उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने (कल) कहा था कि, भारत का विनाश हारवर्ड के लिये एक केस स्टडी बन जायेगा। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, हारवर्ड में एक महत्वपूर्ण अध्ययन हुआ है, जिसका शीर्षक है: "भारत की कांग्रेस पार्टी का उत्थान और पतन।" भविष्य में, कांग्रेस के विनाश का अध्ययन केवल हारवर्ड में ही नहीं, पूरे विश्व के अन्य अनेक संस्थानों में भी होगा।"

एक तरफ, जहाँ प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की विभिन्न योजनाएं गिनाईं तथा कहा कि, देश इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी पहलों के साथ, आधुनिकता की ओर बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ, उन्होंने विपक्ष, मुख्यत: कांग्रेस पर साफतौर पर, नाम लेने से बचते हुये, जमकर प्रहार किये।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वो "निराशा में इतना डूब चुका है कि, उसे देश में हो रही तरक्की दिखाई नहीं दे रही।" उन्होंने कहा, ऐसा क्यों नहीं हो? क्योंकि 2004 से 2014 के बीच के दशक में.....।" इसके बाद तो कांग्रेस पर उनका जबरदस्त तीखा हमला शुरु हो गया।

भाजपा सदस्यों द्वारा जबरदस्त वाह-वाही के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "2014 से पहले, 2004 से 2014 के बीच, महँगाई बहुत ज्यादा थी। यह दशक आज़ादी के बाद का सर्वाधिक भ्रष्ट दशक था। यू.पी.ए. के 10 साल के शासन में, कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण देश आतंकवाद की जकड़ में था। जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर तक, पूरे क्षेत्र में हिंसा के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं देता था। उन 10 वर्षों में, वैश्विक मंच पर भारत इतना कमजोर था कि, कोई देश भारत की बात सुनने के लिये तैयार ही नहीं था। 2004 से 2014 के बीच, यू.पी.ए. ने हर अवसर को संकट में बदल दिया था।"

स्पष्ट रूप से, विपक्ष के हमलों से आहत प्रधानमंत्री ने यह कहकर जनता की सहानुभूति प्राप्त करने की कोशिश की कि, करोड़ो लोगों द्वारा उन पर किया गया भरोसा उनका एक ऐसा सुरक्षा-कवच है, जिसमें उनके निन्दकों के आरोपों और अपशब्दों से दरार तक नहीं आ सकती।

विपक्ष पर निशाना साधते हुये, मोदी ने कहा, "लेकिन कुछ लोग, जो गले तक कुंठा और अवसाद में डूबे हुये हैं, भारत के विकास की कहानी को स्वीकार नहीं कर रहे। उन्हें 140 करोड़ भारतीयों की उपलब्धियाँ दिखाई नहीं दे रहीं।"

प्रधानमंत्री ने कहा, लोग जानते हैं कि मोदी संकट की घड़ी में उनकी मदद के लिये आगे आया है। उन्होंने विपक्ष को संबोधित करते हुये कहा, "वे आपके अपशब्दों तथा आरोपों से सहमत कैसे होंगे।"

उन्होंने कहा, "लोग अखबारों की सुर्खियों या टी.वी. विज़ुअल्से के कारण मोदी पर भरोसा नहीं करते, बल्कि जनता की सेवा में सालों-साल की निष्ठा के कारण करते हैं।"

जब प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की जनकल्याण की पहल गिनाईं, तो भाजपा सदस्य जोर-जोर से "मोदी, मोदी" के नारे लगाने लगे। भाजपा सदस्यों के नारों के जवाब में, विपक्षी सदस्यों ने "अडानी, अडानी" के नारे लगाये।

मोदी ने कहा, "जब आप चुनाव हारते हैं, तो ई.वी.एम. पर दोषारोपण करते हैं, चुनाव आयोग की आचोलना करते हैं, अगर सर्वोच्च न्यायालय आपके पक्ष में फैसला नहीं देता, तो आप सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना करते हैं।"

मोदी ने कहा, "अगर भ्रष्टाचार की जाँच कराई जा रही होती है तो आप जाँच एजेंसियों को गाली देते हैं। अगर सेना शौर्य का प्रदर्शन कर रही होती है, तो सशस्त्र सेनाओं को भला-बुरा कहते हैं, उनके खिलाफ आरोप लगाते हैं। जब आर्थिक उन्नति की बात होती है तो आप आर.बी.आई. की आलोचना करते हैं।"

दिल्ली मेयर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीदवार शैली ऑबेराय द्वारा दायर उस याचिका का परीक्षण कर रही थी, जिसमें माँग की गई है कि, इस दिल्ली नगर निगम के महापौर के चुनाव, जो पिछले दो माह में तीन बार आगे खिसक चुके हैं, जल्दी कराये जायें।

वरिष्ठ एडवोकेट ए.एम. सिंघवी ने कहा कि, सदन का सत्र तीन बार बुलाया गया, लेकिन मेयर के चुनाव नहीं कराये गये।

उन्होंने कहा, "हमें कई आपत्तियाँ हैं, जिनमें यह आपत्ति भी शामिल है कि, एम.सी.डी. के प्रो-टैम प्रिसाइडिंग ऑफिसर, मेयर, डिप्टी मेयर तथा स्थाई समिति के सदस्यों के चुनाव एक बार में ही कराने पर जोर दे रहे हैं। यह कदम दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन एक्ट के विपरीत है।"

तीन नेताओं के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ज्यादा गतिशील सचिन पायलट को लाया जाये क्योंकि ऐसा करने से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी द्वारा अच्छा प्रदर्शन किये जाने की कुछ उम्मीद बंध जायेगी।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 10 फरवरी को राज्य का बजट प्रस्तुत करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं तो फिर बदलाव की प्रक्रिया कैसे सम्पन्न होगी, यह अटकल का ही विषय बनता दिखाई देता है।

लेकिन यह भी सच है कि, भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद, राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी में और ज्यादा मजबूत होकर उभरे हैं। राहुल अड़ियल तथा जिद्दी भी माने जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि, राहुल जब किसी मुद्दे को मजबूती के साथ लेते हैं तो वे सामान्यत: अपना रास्ता बना लेते हैं। तथा, सूत्रों के अनुसार, वे अशोक गहलोत को बदलने के बारे में गंभीरता तथा मजबूती से सोच रहे हैं। गहलोत को सप्ताहांत में बीकानेर हाउस में आयोजित एक समारोह के लिए दिल्ली आना था, लेकिन वे इस अवसर का उपयोग नेतृत्व के साथ मीटिंग करने के लिये भी करना चाहते थे। लेकिन उनके मीटिंग के प्रस्ताव पर उन्हें कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसलिये उन्होंने अपनी दिल्ली-यात्रा रद्द कर दी। सूत्रों का कहना है कि, अब वे पस्त और परेशान हैं तथा दुनिया अब उन्हें हरी-हरी दिखाई नहीं दे रहीं

अगर राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन में उचित सीमा से ज्यादा विलम्ब होता है तो नेतृत्व को यह सुनिश्चित करने में थोड़ी मुश्किल आयेगी कि कांग्रेस की राज्य इकाई में उसका हुकम चलता है।

''मोनी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो केवल हिन्दू-मुस्लिम की ही बात करते हैं। क्या उनके पास कोई और मुद्दा या विषय नहीं है? खड़गे ने मंदिरों में जाने वाली अनुसूचित जाति के लोगों पर होने वाले हमलों पर भी प्रहार किया। उन्होंने पूछा, "अगर आप उन्हें हिन्दू के रूप में स्वीकार करते हैं तो फिर उन्हें मंदिरों में क्यों नहीं जाने देते।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908